

बेयरफुटगेन के बारे में

बेयरफुट गेन एक जापानी आत्मकथा है। पुस्तक के लेखक कीजी नाकाजावा केवल सात साल के थे जब उनके शहर हिरोशिमा पर एटम बम्ब गिरा। **गेन** एक जापानी शब्द है जिसका अर्थ होता है 'जड़ें' या स्रोत। लेखक ने इसे इन शब्दों में समझाया है:

मैंने पुस्तक के मुख्यपात्र को **गेन** का नाम इसलिए दिया जिससे कि वो नयी पीढ़ी के लिए ताकत का स्रोत बन सके। एक ऐसी पीढ़ी जो हिरोशिमा की झुलसी मिट्टी पर नंगे पांव चलकर उसकी जमीन को महसूस कर सके और जिसमें अणु अस्त्रों को तिरस्कार करने की शक्ति हो। ऐसे ही आदर्श व्यक्ति के लिए मैं निरन्तर काम करता रहूंगा।

1972-73 में **बेयरफुट गेन** सबसे पहले **शाकुन शोनिन जम्प** पत्रिका में श्रृंखलाबद्ध होकर छपी। जापान में सर्वाधिक खपने वाली इस साप्ताहिक पत्रिका की 20 लाख प्रतियां छपती हैं। इसमें हिरोशिमा में बम्ब गिरने से पहले और बाद का एक मार्मिक और ग्राफिक वर्णन है। इसे न केवल नौजवान पाठकों ने सराहा परन्तु पालकों, शिक्षकों आदि ने भी इसकी प्रशंसा की। **बेयरफुट गेन** के ऊपर अभी तक तीन फिल्में बन चुकी हैं। उसके साथ अंग्रेजी में एक ऐनीमेशन फिल्म भी बनी है।

गेन की कहानी उन तमाम आम लोगों की कहानी है जो द्वितीय महायुद्ध से पहले और एटम-बम्ब के आक्रमण के बाद अमानवीय परिस्थितियों से जूझने को मजबूर हुए। हमें उम्मीद है कि **बेयरफुट गेन** युद्ध की बरबादी - विशेषकर एटम-बम्ब द्वारा मचाई तबाही का एक संजीदा दस्तावेज साबित होगी। वैसे यह जापानी कॉमिक बुक अंग्रेजी में छपी कॉमिक्स से बहुत भिन्न लगेगी, परन्तु इसकी सच्ची भावनायें और मार्मिक अनुभव दुनिया भर के बच्चों और व्यक्तियों को जरूर अपील करेंगी।

बेयरफुटगेन

युद्ध सम्बंधी कॉमिक

आर्ट स्पीगिलमेन की प्रस्तावना

गेन की कहानी मुझे अभी भी प्रताड़ित करती है। मैंने उसे 1970 के दशक के अंत में पढ़ा था। तभी मैंने अपनी पुस्तक **माऊस** पर काम शुरू किया था। **माऊस** में बीसवीं शताब्दी की दूसरी केंद्रीय दुर्घटना का सविस्तर उल्लेख है। **गेन** को पढ़ते समय मुझे फ्लू और तेज बुखार था। बुखार के सपने जैसे **गेन** ने मेरे मस्तिष्क को झंकझोर कर रख दिया। पुस्तक के बिम्ब और घटनाएं मुझे इतनी स्पष्टता और नजदीकी से याद हैं जैसे वो मेरे जीवन में ही घटी हों, नाकाजावा की जिन्दगी में नहीं। लोग जिस तरह से हिरोशिमा के मलबे में चलते हुए अपनी पिघली त्वचा को घसीटे हैं, जलते हुए घबराये हुए घोड़े का सड़कों पर घूमना और एक नौजवान लड़की के चेहरे के जख्मों पर से भुनगों का निकलना – यह अमिट बिम्ब मुझे अभी भी याद हैं। **गेन** में बिना लाग-लपेट के **एंटम-बम्ब** की तबाही को दर्शाया गया है। पुस्तक में कोई सुपरमैन नहीं हैं, केवल एक वास्तविक त्रासदी का वर्णन है। मैंने हाल में इन किताबों को दुबारा पढ़ा। मुझे लगा कि **बेयरफुट गेन** की जीवन्तता पुस्तक में ही निहित थी और वो मेरे बुखार के कारण नहीं थी।

कॉमिक्स एक गजब का माध्यम हैं जिनके द्वारा बिम्बों और अल्प शब्दों में बहुत सघन जानकारी पेश की जा सकती है। मुझे लगता है कि हमारा मस्तिष्क भी इसी तरह सोचता होगा और बातें याद रखता होगा। लोग कार्टून्स में सोचते हैं! एक्शन कहानियों और चुटकुलों के लिए तो कॉमिक्स उपयुक्त हैं ही, परन्तु उनका हस्तलेखन से भी करीबी का रिश्ता है। इसलिए आत्मकथा लेखन के लिए भी कार्टून्स बहुत उपयुक्त हैं।

1960 के भूमिगत कार्टून्स के विकास से पहले बहुत कम ही आत्मकथायें कार्टून्स के रूप में लिखी गयीं। खासकर व्यक्तिगत इतिहास को विश्व इतिहास

से जोड़ने वाली कार्टून किताबें लगभग नदारद थीं। इससे पहले कि आत्मकथायें कार्टून्स के रूप में आयें यह जरूरी था कि कामिक्स व्यस्कों के पढ़ने का एक वैध माध्यम बनें। नाकाजावा के जीवन से परिचित होने से पहले मेरा यही सोच था। 1972 में, केवल 33 साल की उम्र में नाकाजावा ने **एंटम-बम्ब** की विभीषिका से बचने की आत्मकथा को चित्रों में उकेरकर एक जापानी बच्चों की कॉमिक पत्रिका में श्रृंखलाबद्ध करना शुरू किया। शीर्षक एकदम सीधा और स्पष्ट था **जैसा मैंने देखा (एज आई सॉ इट)** एक साल बाद उन्होंने **गेन** की श्रृंखला शुरू की। उसका रूप एक काल्पनिक कथा जैसा था पर उसकी जड़ें गहरे अनुभव में थीं। कहानी एक साहसिक लड़के की थी जिसने युद्ध के तांडव को करीबी से अनुभव किया था।

जापान में कॉमिक्स पढ़ना गलत नहीं समझा जाता। वहां थोक के भाव से कॉमिक्स पढ़े जाते हैं (कुछ साप्ताहिक कॉमिक्स 30 लाख से ज्यादा बिकते हैं)। इन्हें सभी आयु और वर्ग के लोग चाव से पढ़ते हैं। वहां अर्थ-व्यवस्था, महजौंग और समलैंगिक सेक्स से लेकर सामुराई, रोबो आदि पर भी कॉमिक्स प्रचलित हैं। वैसे जापानी कॉमिक्स के बारे में मैं ज्यादा नहीं जानता हूं। उनकी अपार दुनिया का मेरे कामकाज से कोई सीधा सम्बंध भी नहीं है। कई बार तो मुझे सभी जापानी चीजों के बारे में ऐसा लगता है। इस खाई को पाटने के लिए शायद **गेन** से शुरू करना ही सबसे अच्छा होगा।

आधुनिक कॉमिक बुक पश्चिम की देन है। इसलिए पश्चिम द्वारा पूर्व पर **एंटम-बम्ब** के कहार को रिपोर्ट करने का शायद कॉमिक ही सबसे उपयुक्त माध्यम है। परन्तु जापानी कॉमिक्स का अपना विशिष्ट स्टाइल और अन्य विशेषताएं हैं जो पश्चिम से बिल्कुल भिन्न हैं और **गेन** पढ़ते समय उन्हें स्वीकारना चाहिए। जापानी कहानियां अक्सर बहुत लम्बी होती हैं। **गेन** की सम्पूर्ण कहानी 2000 पन्नों की है। इसमें शब्द कम और चित्र अधिक हैं। इसलिए 200 पृष्ठों की पुस्तक को घर से ऑफिस की बस सवारी में आसानी से पढ़ा जा सकता है। जापानी कॉमिक्स प्रतीक चिन्हों से भरे होते हैं। नाकाजावा का प्रतीक सूर्य है जो बार-बार पन्नों में से झांकता है। सूर्य जीवनदायी है, समय गुजरने का प्रतीक है, जापान का झंडा है और वो **गेन** की कहानी को ताल गति देता है।

जापानी कार्टून किताबों में हिंसा की मात्रा अमरीकी कॉमिक बुक्स की अपेक्षा कहीं ज्यादा होती है। **गेन** के पिता मौका पाते ही अपने बच्चों की जम कर पिटाई करते हैं। अमरीका में पिता की ऐसी हरकत को आपराधिक 'चाईल्स एब्यूज' करार दिया जायेगा। एक स्थान पर **गेन** चेयरमैन के लड़के की उंगलियों को काटकर अलग करता है। उस वीभत्स वर्णन को झेल पाना वाकई मुश्किल है। परन्तु यह व्यक्तिगत निर्दयता अमरीका द्वारा जापान के आम लोगों पर एंटम-बम्ब गिराने की तुलना में एकदम फीकी है।

जापानी कार्टूनों में चेहरों का भी एक खास अंदाज होता है - आंखें और मुंह बड़े-बड़े होते हैं। इसमें नाकाजावा की कोई गलती नहीं - यह एक जापानी परम्परा है। उनके चित्र भी रूपहीन, घरेलू और बहुत सूक्ष्म नहीं हैं। परन्तु फिर भी काम स्पष्ट और कुशल है और वो कथा के चित्रों को जादुई ढंग से उजागर करता है। सभी पात्र जीवन्त हैं। चित्रों की सबसे बड़ी विशिष्टता उनकी सरलता और सच्चाई है। कथा की सच्चाई हमें हिरोशिमा में हुई अविश्वसनीय और असम्भव चीजों में यकीन करने पर मजबूर करती है। यह एक गवाह की निष्ठुर कलाकृति है।

जापानी कॉमिक बुक्स से अपरिचित पश्चिमी लोगों को शायद पुस्तक की भाषा कुछ अटपटी लगे पर इसमें पुस्तक का प्रमुख मजा है। नाकाजावा एक बेहद कुशल कहानीकार हैं जो गम्भीर अप्रिय घटनाएं सुनाते हुए भी अपने पाठकों का ध्यान बांधे रखने का गुर जानते हैं। युद्धकालीन जापान में आम जनता की जिन्दगी की परेशानियों और उसमें जिन्दा रहने की कशिश को उन्होंने बखूबी बयां किया है। जिस प्रकार नाकाजावा मृत्यु के साये में जीते हुए भी रोजमर्रा की छोटी-छोटी खुशियों का वर्णन करते हैं उसमें एक विरोधाभास नजर आता है। परन्तु इससे हम एक नई संस्कृति से भी परिचित होते हैं। और जिस प्रकार मुख्यपात्र से हमें हमदर्दी पैदा होती है उसमें एक विशेष आनंद है। नाकाजावा ने एंटम-बम्ब के पीछे पश्चिमी नस्लवाद और शीतयुद्ध की राजनीति की बजाए जापानी औपनिवेशवाद को दोषी ठहराया है। ऐसा करने से उन्होंने पुस्तक को अमरीकी और ब्रिटिश पाठकों के लिए ज्यादा आनंददायी बना दिया है।

अनंत: **गेन** एक अत्यन्त आशावादी कृति है। नाकाजावा का विश्वास है कि **गेन** इंसानियत को सजग करेगा और मानवजाति अपने सच्चे हितों के लिए कार्य

करेगी। **गेन** एक छोटा सा मस्त हीरो है जो बहादुरी, निष्ठा और मेहनत का प्रतीक है। नाकाजावा का मनुष्य का अच्छाई में अटूट विश्वास है। इसके कारण कुछ लोगों को यह पुस्तक महज एक उत्कृष्ट बाल-साहित्य लग सकती है परन्तु सच्चाई यह है कि नाकाजावा यहां खुद अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। वो न केवल जिन्दा रहने की घटनाओं का वर्णन कर रहा था परन्तु उनके पीछे का दर्शन भी समझा रहा था। **गेन** एक मानवीय कृति है जो दयालुता और सहानुभूति के मूल्यों पर जोर देती है। इस पर अमल करके ही इंसान नई शताब्दी में कदम रख पायेगा।

गेन - भारत के लिए

आनन्द पटवर्धन

1998 में जब भारत और पाकिस्तान ने आणविक परीक्षण किए तो हमें दुख हुआ। ऐसा लगा जैसे दुनिया अब खुद को नष्ट करने पर तुल पड़ी है। जब हमारे देशवासियों ने मानवता को नष्ट करने के हथियारों का स्वागत किया और सड़कों पर उतर कर जश्न मनाया तो दिल वाकई में दहल गया।

जब शांति-कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाने वालों से बातचीत की तो समझ में आया कि आम लोग आणविक प्रलय के बारे में कुछ भी नहीं जानते। फिर हम लोगों ने काफी प्रयासों के बाद हिरोशिमा और नागासाकी पर बम्ब गिराने वाली चंद ब्लैक-और-व्हाइट डाक्यूमेंट्री इकट्ठी कीं। इन फिल्मों को हमने स्कूलों, कॉलेजों और मजदूर बस्तियों में दिखाया। फिल्मों को देखने के बाद लोगों में तुरन्त एक निश्चित बदलाव आया। एंटम-बम्ब की तबाही ने लोगों को झंकझोर दिया। एंटामिक क्लब के सदस्य बनने की बजाए अब लोग दहशत के मारे उससे कतराने लगे। यह तो ठीक था पर फिर भी ऐसा लगा जैसे कुछ गायब हो। फिल्मों में मरे, जले, झुलसे लोगों की छवियां सब दूर-दराज के देशों की थीं। यह *हश्च यहां भी हो सकता है* - यह बात लोगों को विचार के स्तर पर तो समझ में आ रहा थी पर भावनात्मक स्तर पर नहीं। हिरोशिमा और नागासाकी के लोग महज 'एंटम-बम्ब के शिकार' नहीं थे। वो हर मायने में बिल्कुल हम जैसे ही लोग थे।

बेयरफुट गेन का यह गुण हमें सबसे अधिक अच्छा लगता है। मुख्य रूप से बच्चों के लिखी यह पुस्तक व्यस्कों को भी बहुत भाती है। कहानी शिक्षाप्रद है।

जापान में बम्ब गिरने से पहले छोटे शहरों में रह रहे आम लोगों को तमाम कठिनाईयों से गुजरना पड़ा था। यह सब द्वितीय महायुद्ध के कारण था। इस युद्ध में पहली बार पृथ्वी के किसी शहर पर एंटम बम्ब गिराया गया। **बेयरफुट गेन** को पढ़ते समय हमें इस बात का बिल्कुल भी अंदाज नहीं होता कि हम इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण अध्याय के पन्ने पलट रहे हैं – एक ऐसा पाठ जिसे इंसानियत खुद को जोखिम में डाल कर ही भूल सकती है।

यह पुस्तक एक कॉमिक-बुक है क्योंकि इसमें कहानी को चित्रों में दर्शाया गया है। पुस्तक में नाकायोका परिवार युद्ध के समय कैसे जिन्दा रहता है उसकी कुछ मार्मिक झलकियां भी हैं। एक प्रकार से यह पुस्तक एक ग्रीक त्रासदी जैसी है जिसका अंत हरेक को पहले से ही पता होता है। कहानी किस तरह से विकसित होती है – उसके विस्तृत विवरणों में ही उसका मजा है। पुस्तक के अंत तक उसका केंद्रीय प्लॉट स्पष्ट नहीं होता है। बिल्कुल आखिर के पन्नों में ही एंटम-बम्ब गिरने और उसके द्वारा हुई तबाही का विवरण सामने आता है।

एंटम-बम्ब गिरने के बाद की कहानी पुस्तक के दूसरे खंड में है। **बेयरफुट गेन** एंटम-बम्ब गिरने से पहले एक सामान्य कृषक गृहस्थ – नाकायोका परिवार के संघर्ष की कहानी है। **गेन** एक छोटा लड़का है जो अपने भाई-बहनों के साथ एक छोटे खेत में गेंहू उगाता है और अन्य छोटे-मोटे कामकाज करता है। भोजन की बेहद किल्लत है जिससे बच्चों को हमेशा भूखे रहना पड़ता है। जापानी सैनिक प्रोपागैन्डा के बावजूद नाकायोका को जापान के युद्ध हारने का अंदाज हो जाता है और वो युद्ध की बेवकूफी पर प्रश्न उठाता है। युद्ध का विरोध करने के कारण नाकायोका को राजनैतिक दमन और सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ता है।

नाकायोका के युद्ध-विरोधी विचार प्रबल होते जाते हैं और अंततः उसे जेल की हवा खानी पड़ती है। इस बीच बच्चों को भी 'देशद्रोही' होने की प्रताड़ना सहनी पड़ती है। परिवार के सम्मान को पुनः प्रस्थापित करने के लिए **गेन** का बड़ा भाई सेना में भर्ती होता है। कठिनाईयां बढ़ती जाती हैं। उसका यूनिट खतरे से भरा 'खुदकशी' वाला यूनिट है। पुस्तक के अंत में हिरोशिमा पर एंटम-बम्ब गिरता है और जिसमें केवल **गेन** और उसकी मां ही जीवित बचते हैं। मां एक बच्ची को जन्म देती है और जिन्दगी चलती रहती है। हमें हिरोशिमा के विध्वंस और उसके बाद की कहानी **गेन** की जुबान से सुनने को मिलती है।

पूरी कहानी में **गेन** और नाकायोका का रोल विश्वसनीय इसलिए लगता है क्योंकि उन्हें आदर्श पात्रों जैसे नहीं पेश किया गया है। कोरियाई लोगों के प्रति वो भी नस्लवादी भेदभाव करते हैं। पर अंत में जब एक कोरियाई पड़ोसी उनकी सहायता करता है तो उनकी मान्यताएं बदलती हैं। पिता नाकायोका जिनकी युद्ध-विरोधी मान्यताओं का हम आदर करते हैं भी, कई मायनों में अपूर्ण हैं। वो मौका मिलते ही अपने बच्चों की जमकर पिटाई करते हैं। यह जापानी समाज में मर्दानगी की मान्यताओं की आलोचना है। शायद लेखक ने उसे कहानी में इसलिए शामिल किया है क्योंकि वो इंसानों की क्षमताओं और कमजोरियों दोनों पक्षों को उजागर करना चाहता है। हमें उनकी कई बातें पसंद आती हैं और कुछ नापसंद – बिल्कुल वैसे ही जैसे कि अन्य दोस्तों के साथ होता है। इसी वजह से कहानी के पात्र सजीव बनते हैं और हम उनके साथ रिश्ता जोड़ पाते हैं।

यह सच है कि पुस्तक में जापानी सैन्य सत्ता, मर्दानगी आदि की जमकर धज्जियां उड़ाई गयी हैं। पर फिर भी एक बड़ी कमी है। पुस्तक में अमरीका की छवि बिल्कुल साफ-सुथरी और निर्दोष नजर आती है जबकि उसने ही जापान पर एंटम-बम्ब गिराये। ऐसा लगता है जैसे इस पूरे हादसे के लिए जापानी सत्तावर्ग ही जिम्मेदार था और अमरीका के पास युद्ध को जल्द खत्म करने के लिए एंटम-बम्ब गिराने करने के अलावा और कोई विकल्प ही नहीं था। नये शोध से पता चलता है कि जापान तो पहले ही युद्ध हार चुका था और इसलिए हिरोशिमा और नागासाकी पर एंटम-बम्ब गिराने का कोई औचित्य ही नहीं था। जापानी सैनिक सत्ता कुचली जा चुकी थी और जापानी सम्राट आत्मसमर्पण के लिए तैयार था। वो बस एक दिखावटी समझौता चाहता था जिससे कि युद्ध के बाद वो जापान में नाममात्र का शासक बना रह सके। अमरीका इस समझौते के लिए तैयार हुआ – पर कब? हिरोशिमा और नागासाकी पर एंटम-बम्ब गिराने के बाद। फिर अमरीका ने बम्ब क्यों गिराये?

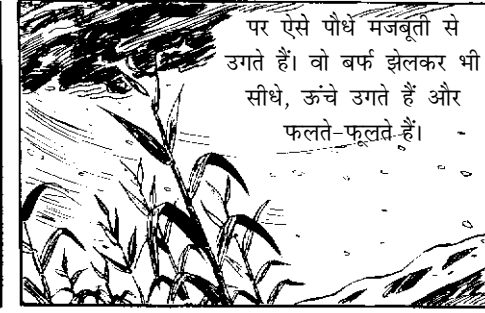
शायद अमरीका और रूस के बीच शीत-युद्ध की शुरुआत इसका सही कारण थी। अमरीका अपनी विध्वंसक आणविक शक्ति का प्रदर्शन

कर अपने दुश्मन रूस को भयभीत करना चाहता था। अमरीका ने इससे यह भी सुनिश्चित किया कि रूस जापान पर आक्रमण नहीं करे और युद्ध खत्म होने के बाद भी जापान पूरी तरह से अमरीका पर निर्भर रहे। इसके वैज्ञानिक कारण भी थे। वैज्ञानिक दो अलग-अलग आणविक बम्बों की विध्वंसक क्षमता भी मापना चाहते थे। पहला बम्ब प्लूटोनियम और दूसरा यूरेनियम पर आधारित था। इसलिए पहले हिरोशिमा पर और उसके तीन दिनों बाद नागासाकी पर बम्ब गिराये गये। 1972 में जब **बेयरफुट गेन** प्रकाशित हुई तब तक सामान्य लोगों को यह गुप्त जानकारीयां उपलब्ध नहीं थीं। शायद इसी वजह से पुस्तक में उनका कोई उल्लेख भी नहीं है। पुस्तक में अगर अमरीकी रोल को अधिक आलोचनात्मक और संदेह की दृष्टि से देखा जाता तो बेहतर होता।

और चाहें कुछ भी हो **बेयरफुट गेन** का मानववादी संदेश, सामाजिक और ऐतिहासिक विस्तार उसे दुनिया के सभी बच्चों और व्यस्कों को पढ़ने के लिए बाध्य करेगी। हिरोशिमा की कहानी एक ऐसी कहानी है जिसे सारी दुनिया को पढ़ना चाहिए और पढ़कर भूलना नहीं चाहिए। **बेयरफुट गेन** ने बस यही किया है।



सर्दी की ठंड में
सिर उठाते गेहूँ के पौधे
बार-बार पैरों तले रेंदे
जाते हैं।



पर ऐसे पौधे मजबूती से
उगते हैं। वो बर्फ झेलकर भी
सीधे, ऊंचे उगते हैं और
फलते-फूलते हैं।



गेहूँ इतना अच्छा
हुआ क्योंकि हमने
उसकी बहुत अच्छी
देखभाल की पापा!



मैं माँ से कहूँगा
कि वो उसकी
रोटी बनायें।

मुझे
नूडल्स
चाहिए!



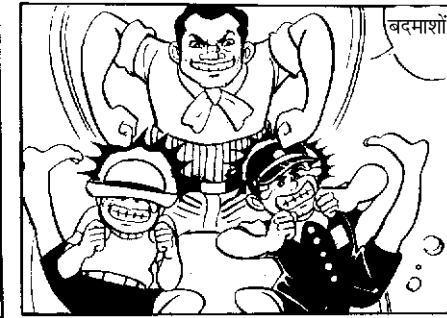
शिंजी हम इस
गेहूँ को जल्दी
खा पायेंगे!
कितना मजा
आयेगा।

मैं थोड़ा सा
गेहूँ अभी
खाना चाहता
हूँ, गेन!



गेन और शिंजी
तुम दोनों गेहूँ
के उगने से
कुछ सीखो।

हां पापा, रेंदे जाओ
और फिर मजबूती से
उगो, आप हमेशा
यही कहते हैं!



बदमाशों!

अप्रैल 1945... जापान का
अमरीका और इंग्लैंड के साथ
शुरू हुआ प्रशांत महासागर में युद्ध
अब खत्म होने वाला था।
हिरोशिमा शहर...



सुबह साढ़े पांच बजे पापा घर से निकलते हैं। उनके खाने के टिफिन में बस सस्ते नूडल्स होते हैं। गरीब लोगों की जिंदगी बहुत कठिन है। दिन भर पिस्सू काटते हैं...

WH

EEEEEEEEE

हवाई हमले की सूचना !!!

हवाई हमले की सूचना !!!

दौड़ो!!

गिरी!

जल्दी
छिपो!
जल्दी
छिपो!

सब तैयार है?

जल्दी करो मां!

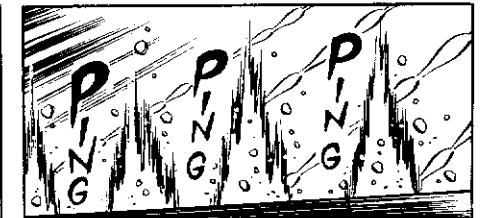
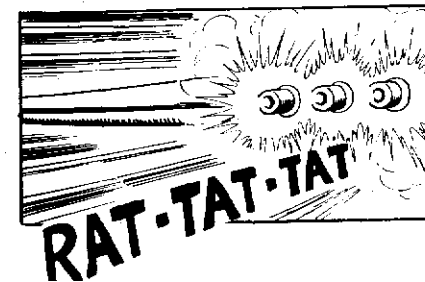
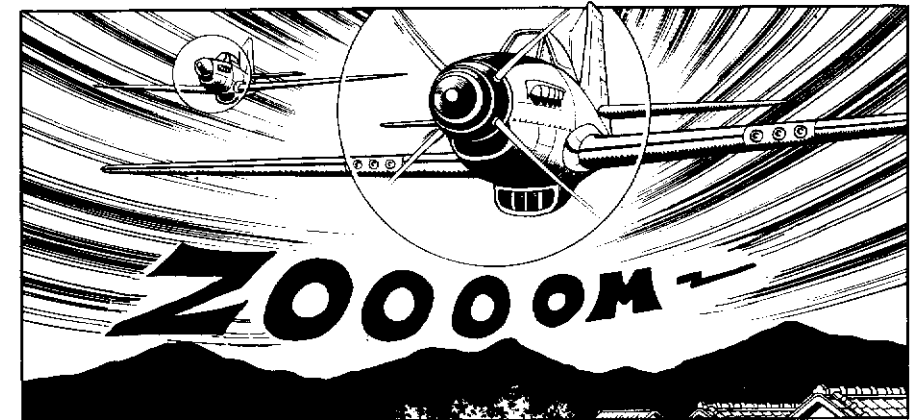
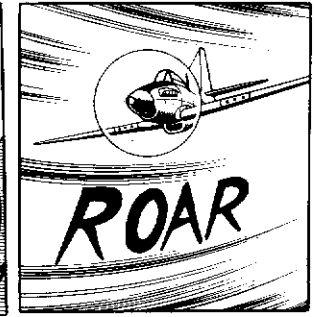
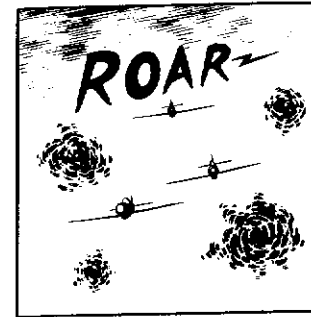
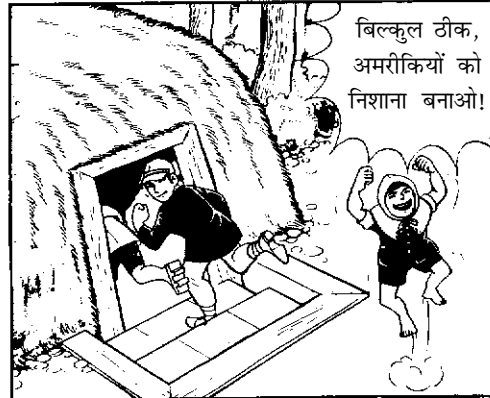
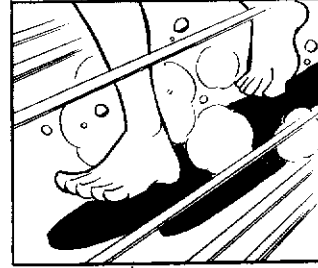
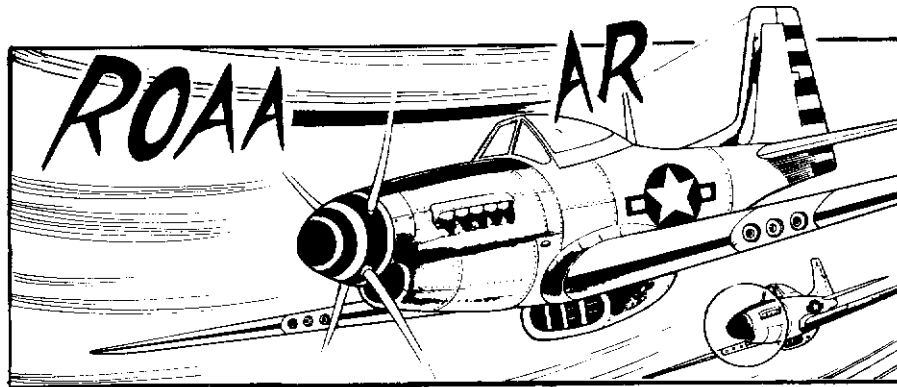
गेन और शिंजी जल्दी से हुड पहनो।

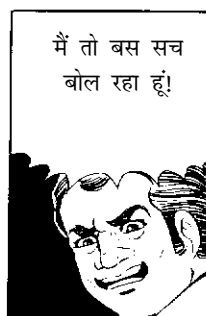
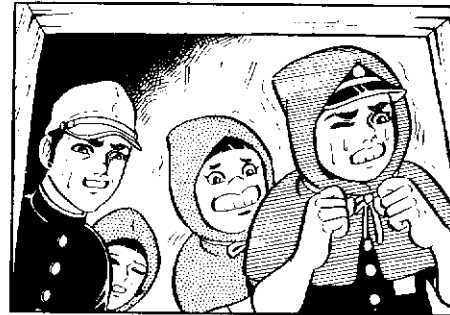
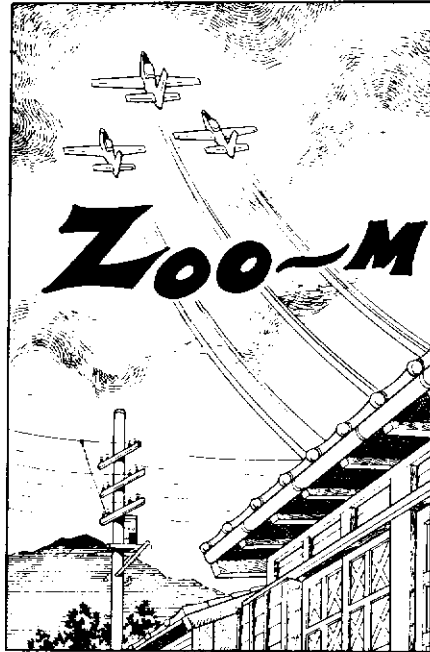
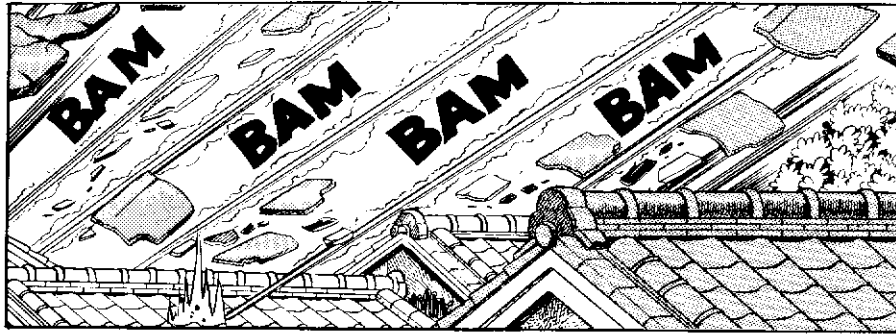
आईको क्या तुम्हें पता है?
गेंहूँ बढ़िया उगा है।
हम जल्दी रोटी खावेंगे।
मजा आयेगा!

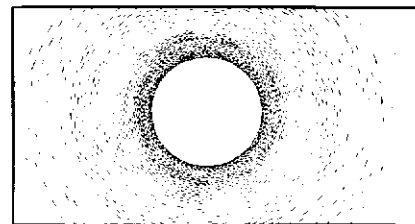
तुम जरा रुको!

हा! हा! अकीरा रोटी नहीं खा पायेगा क्योंकि वो तो सामूहिक गुप के साथ गांव जा रहा है।

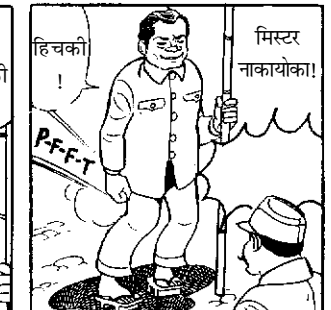
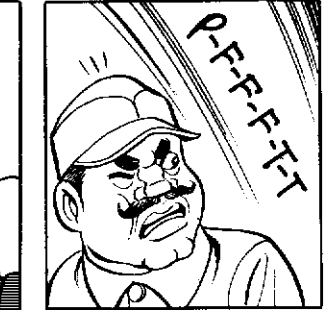
4

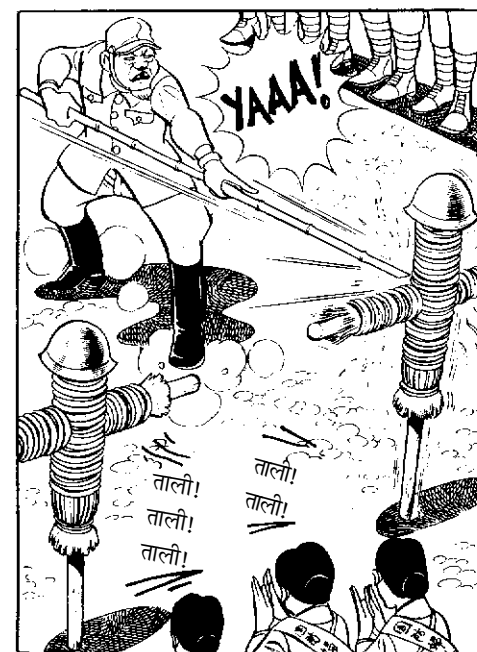
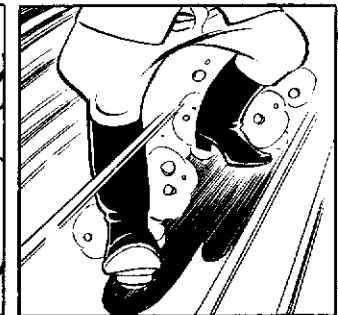


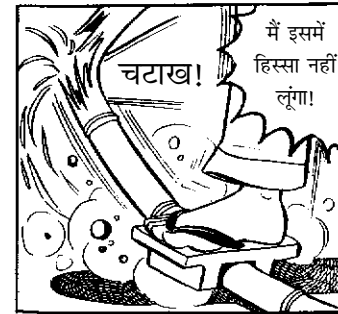
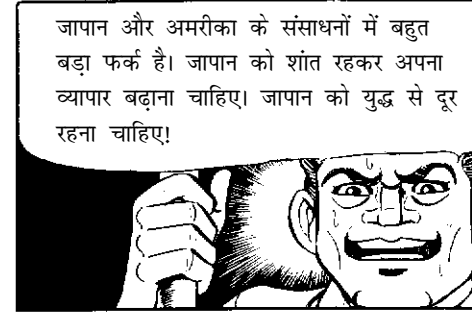
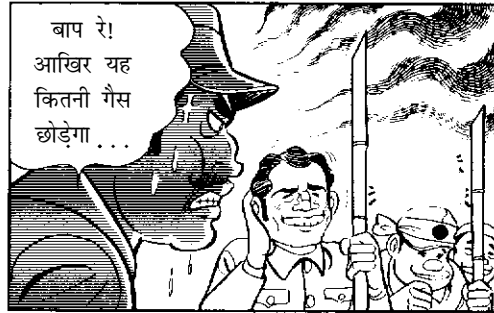


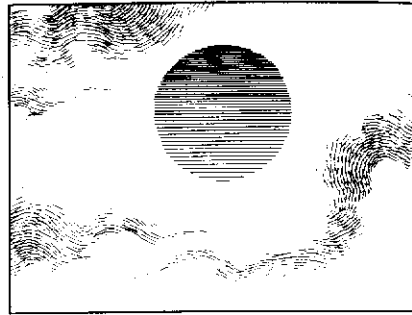


(झंडे: जापान के वीर सैनिकों, अमरीकी राक्षसों को कुचलो, ब्रिटिश पिशाचों को मारो)

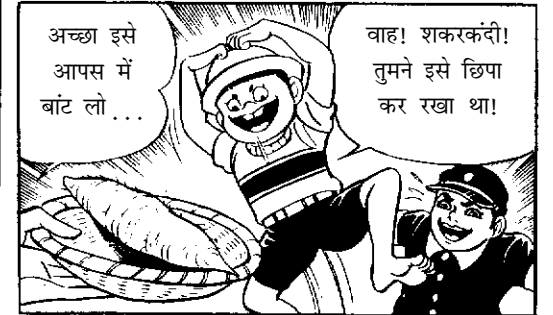
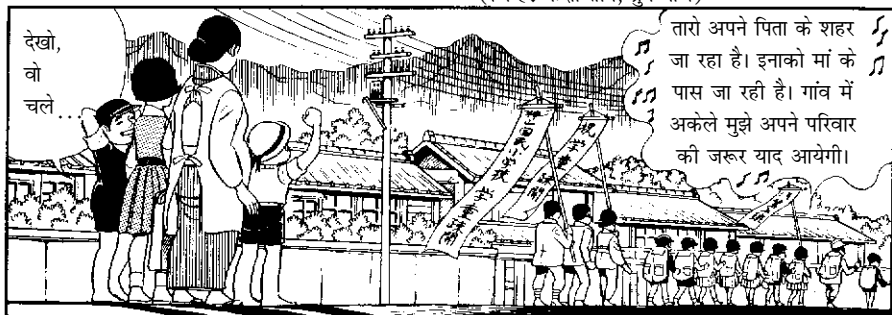


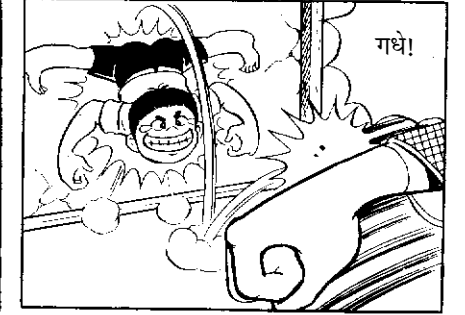
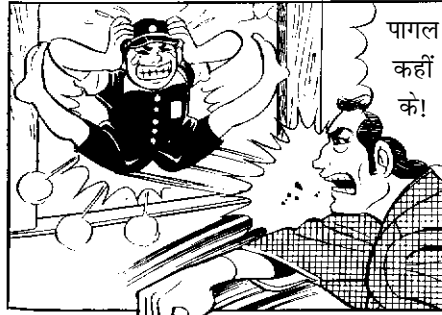
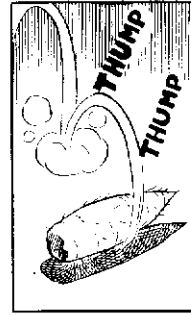


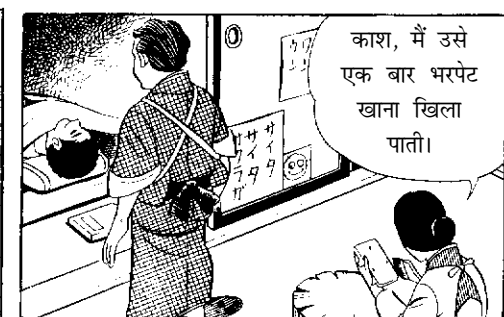
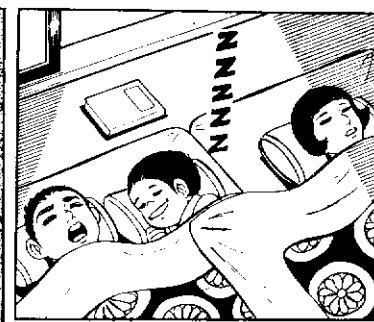
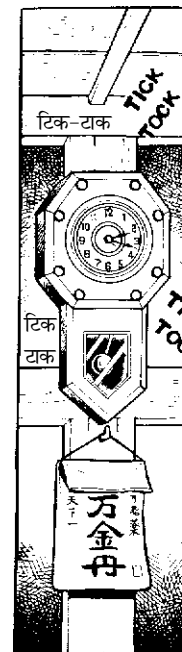
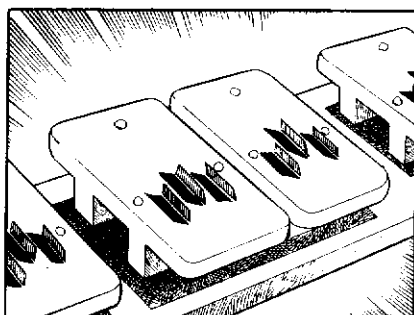
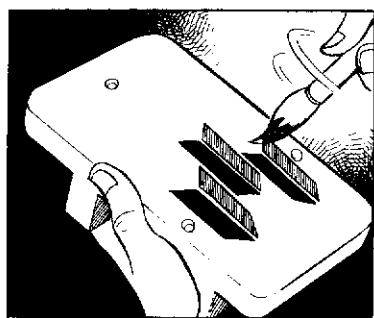
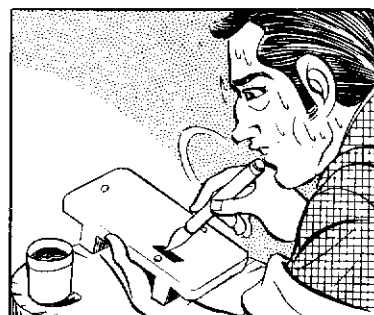
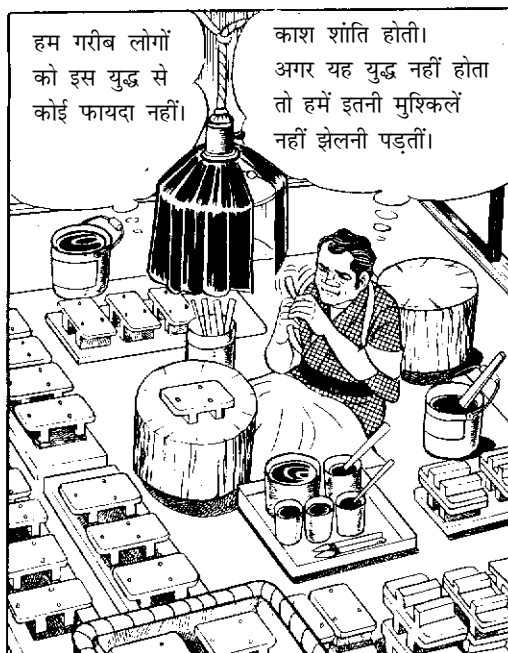


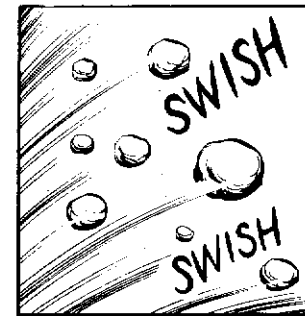
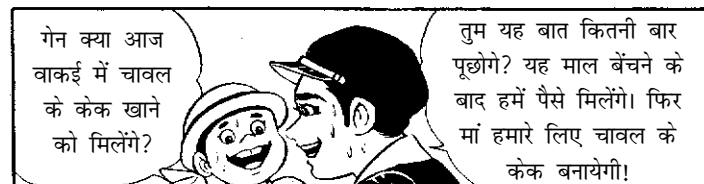
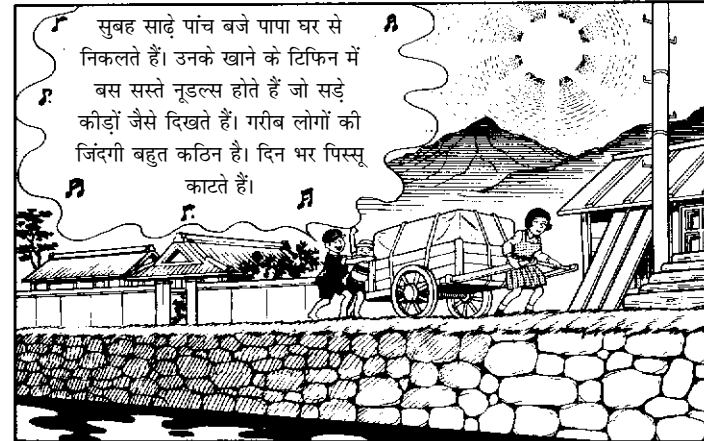
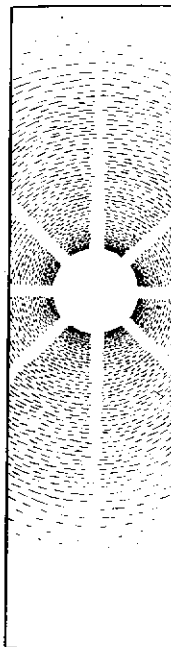
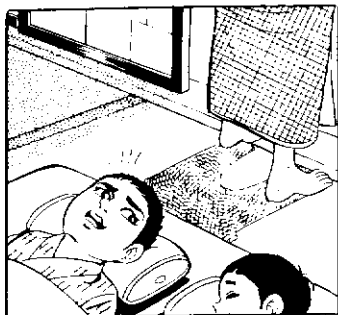


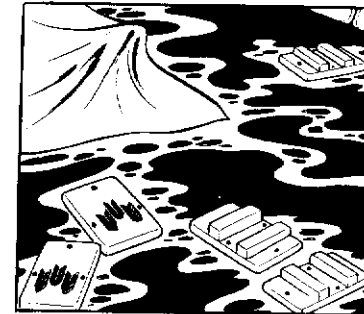
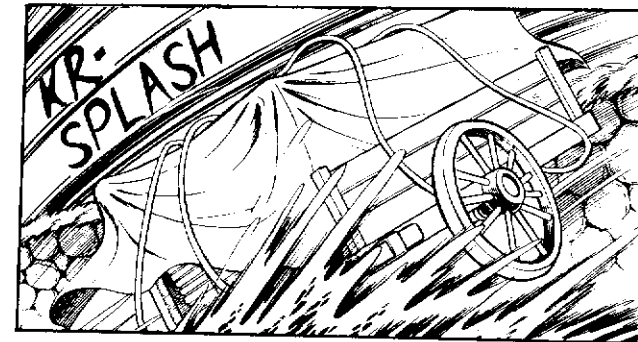
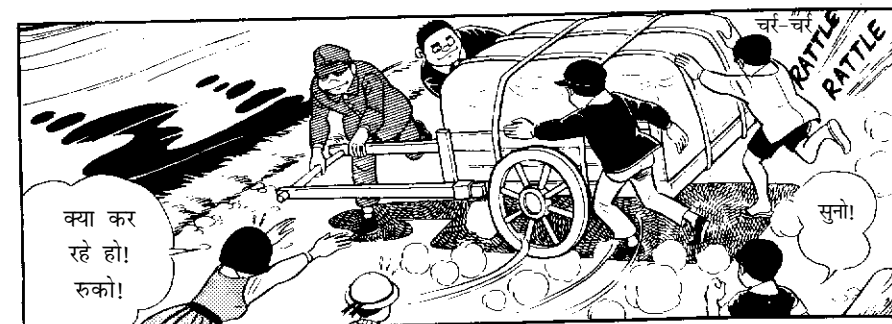
(चिन्ह: कक्षा तीन, ग्रुप पांच)

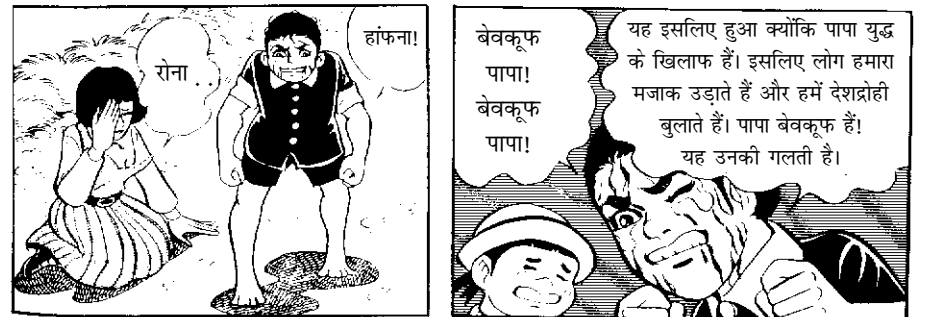
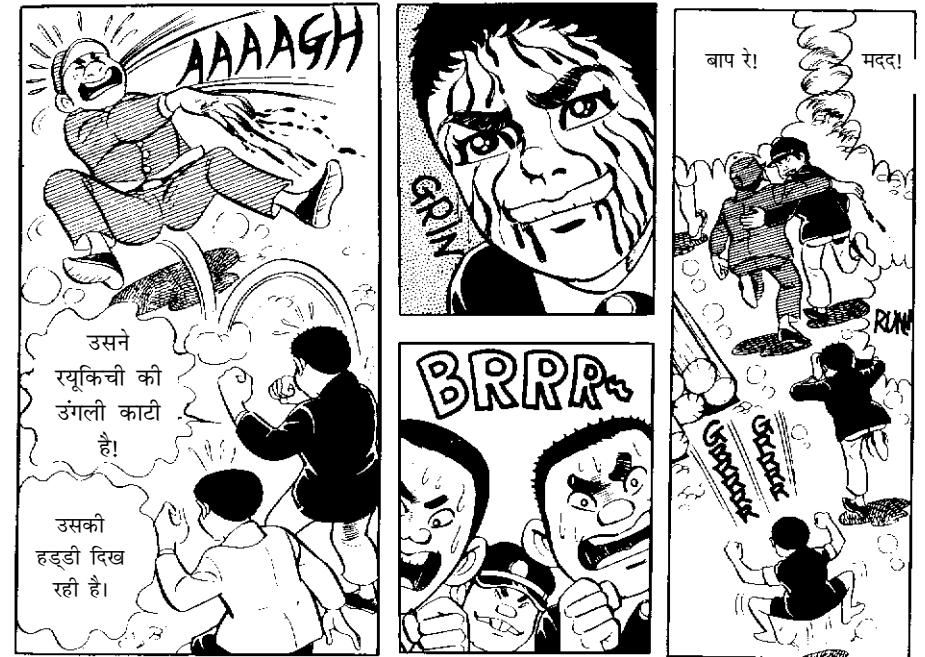
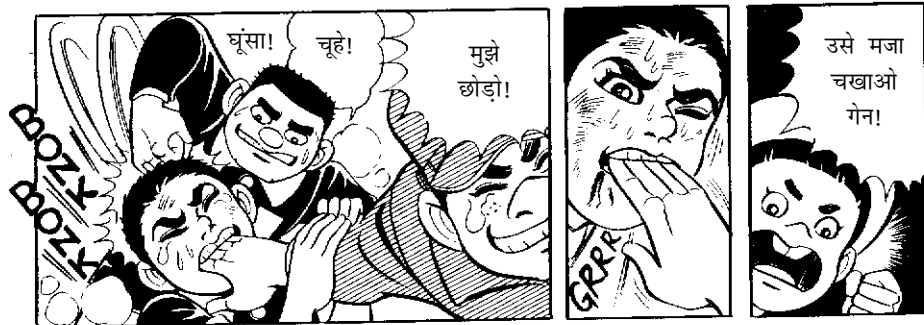
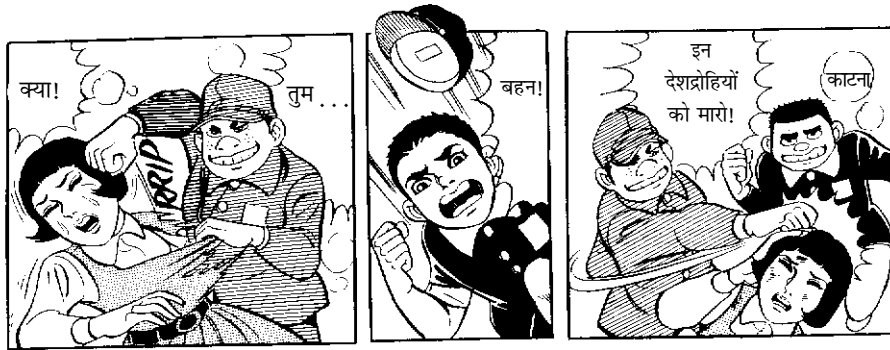




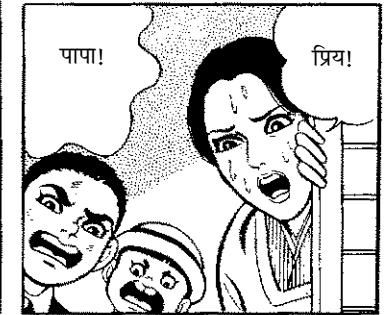
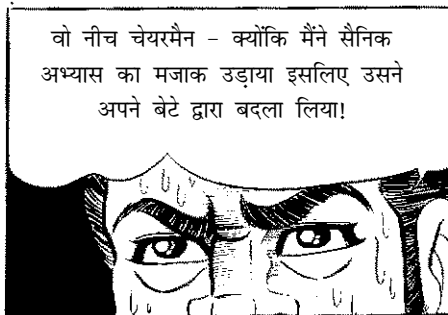


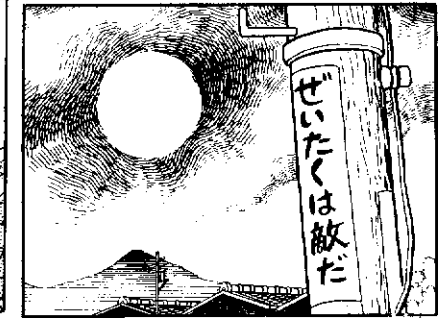








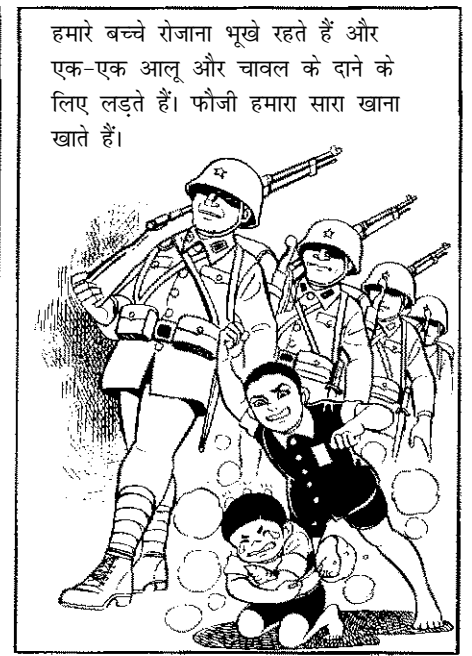
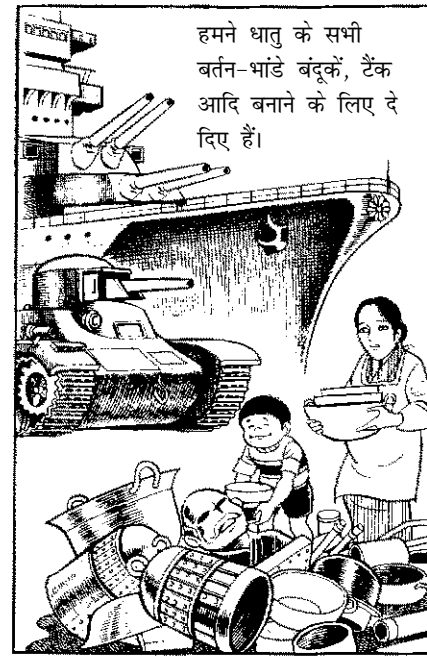
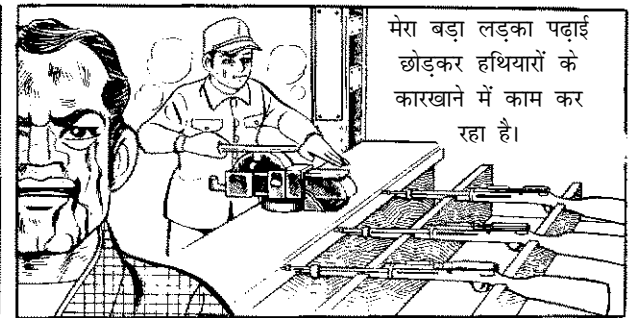
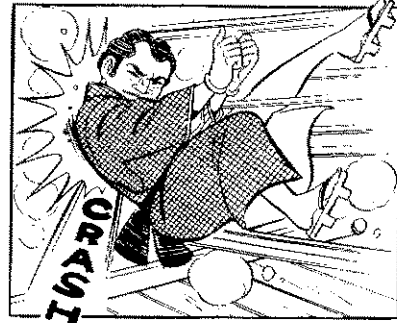
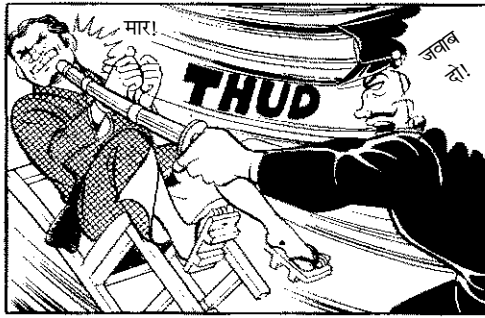


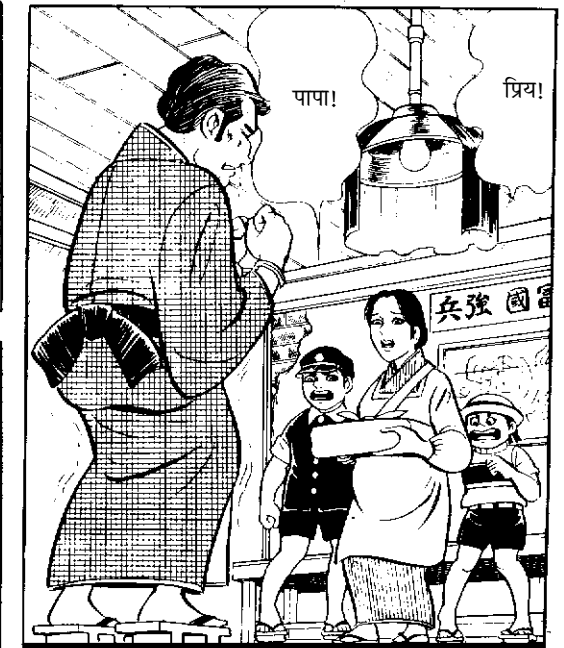
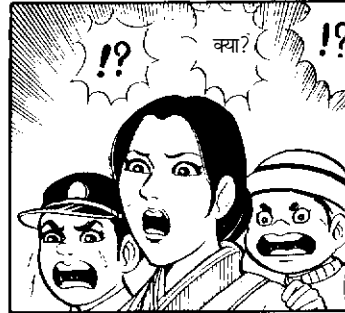
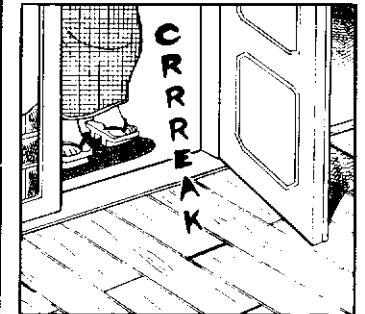
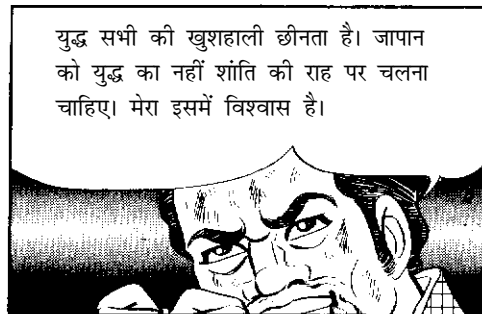


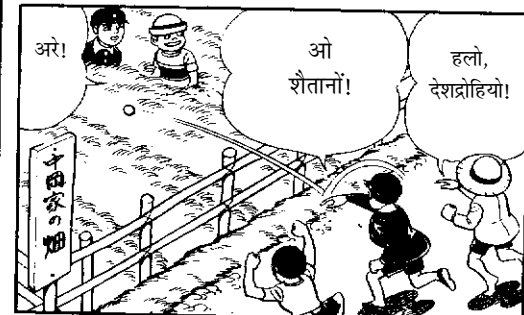
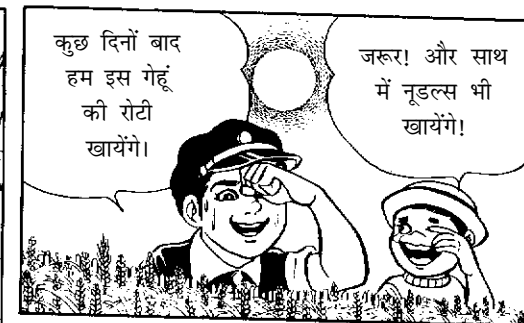
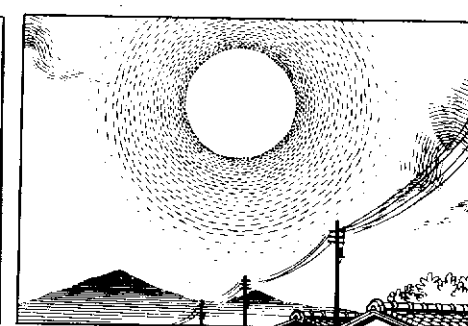
(चिन्ह: बेफजूल खर्चा एक दुश्मन है)

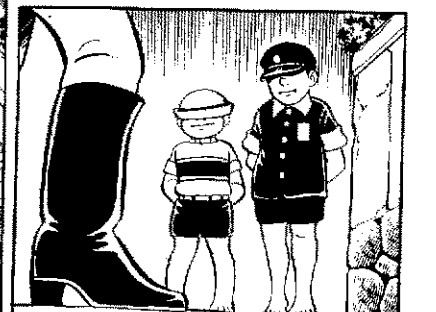
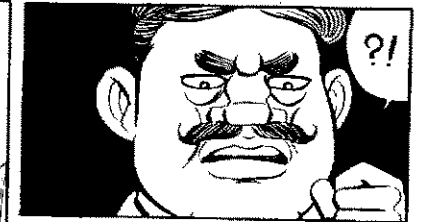
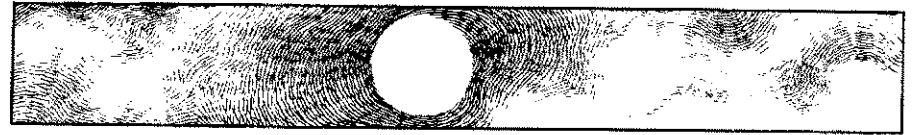
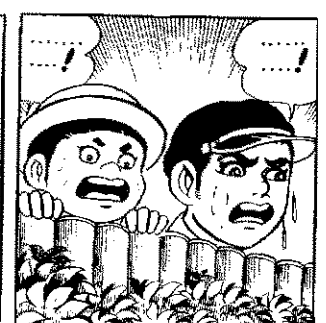
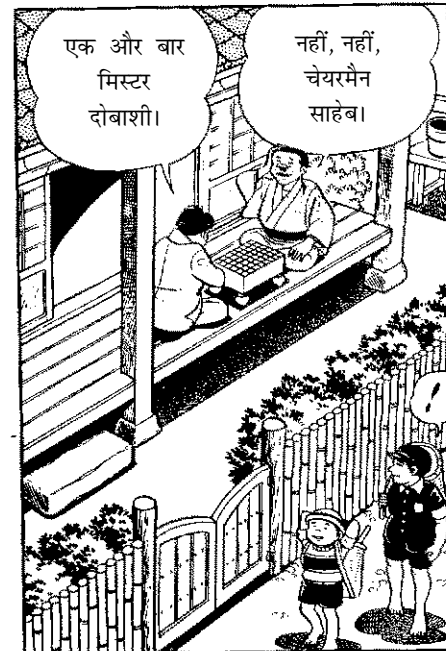
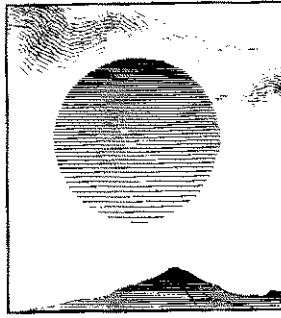
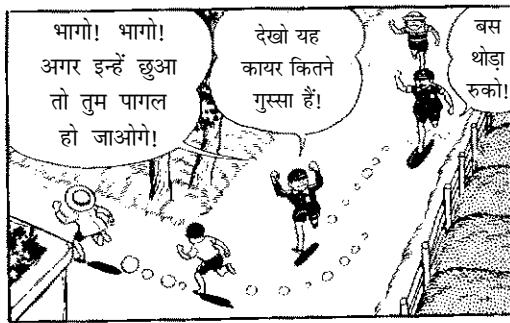


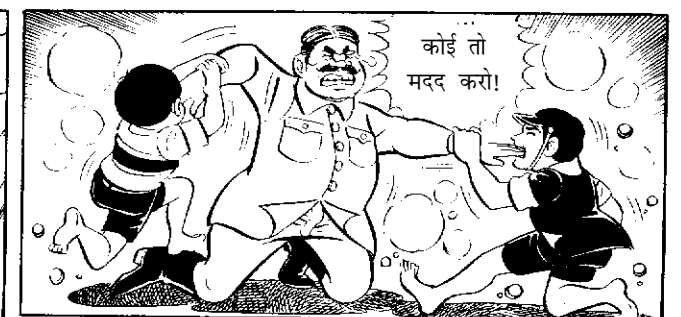
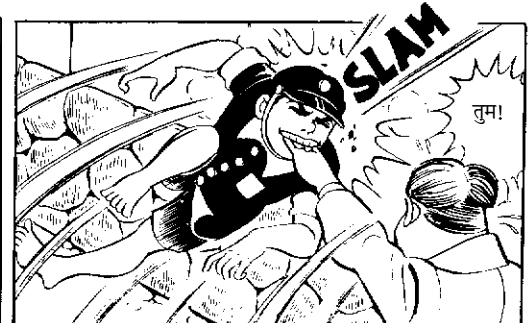
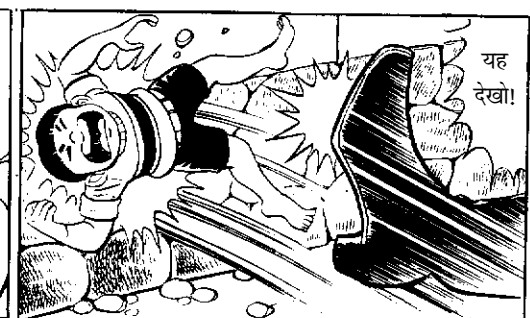
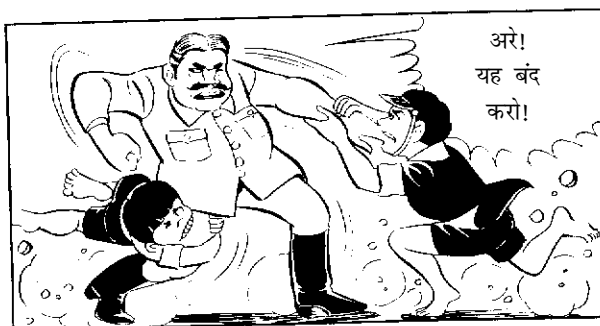
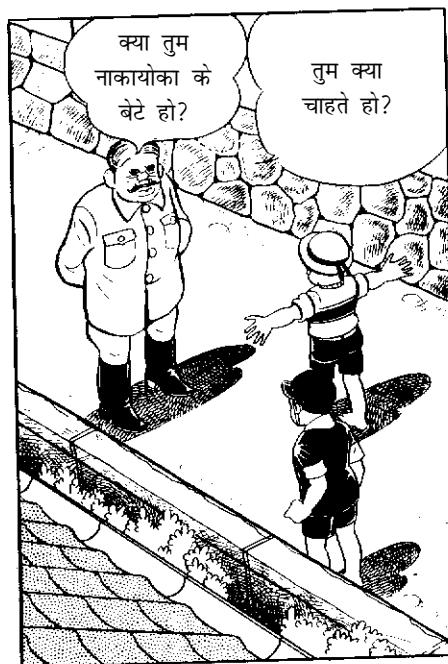
(चिन्ह: पश्चिम पुलिस स्टेशन)

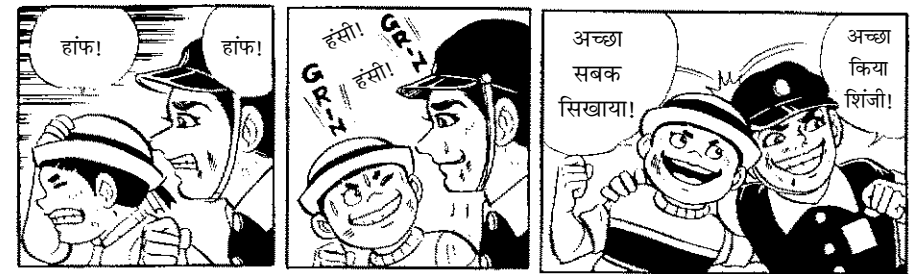


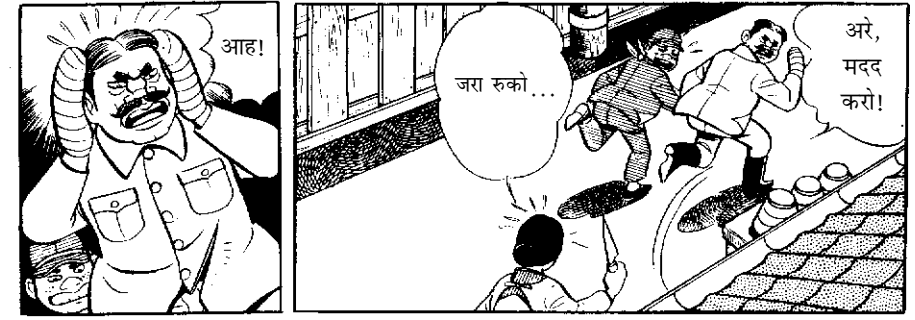
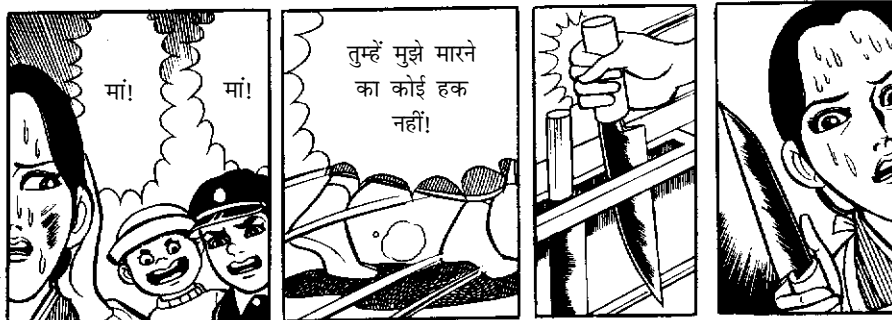
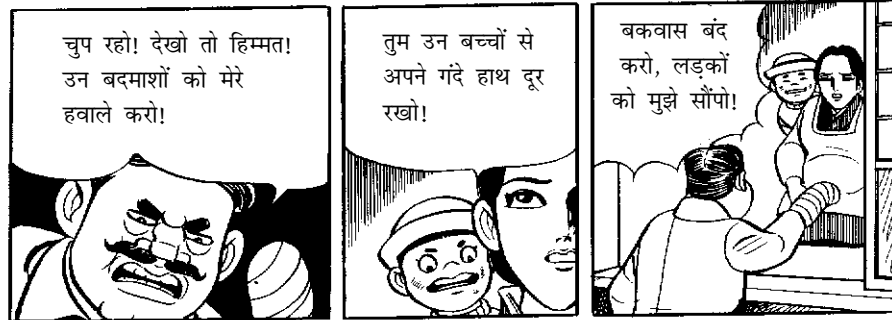
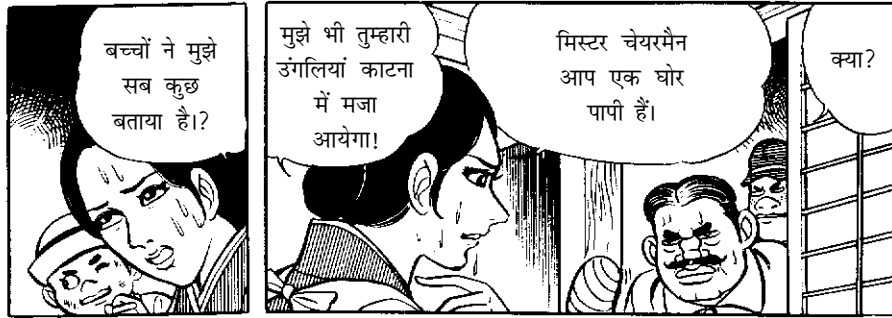


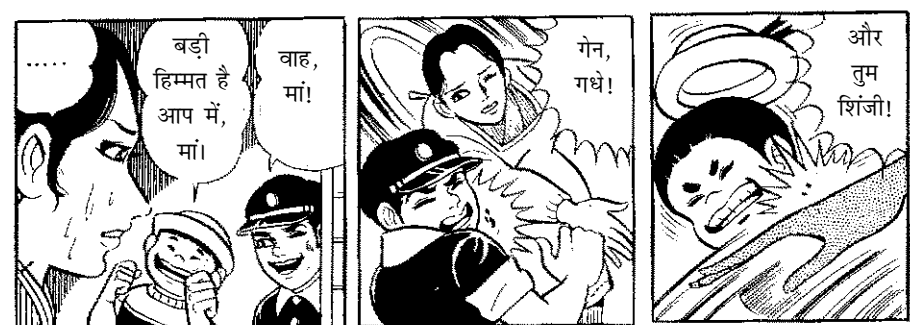
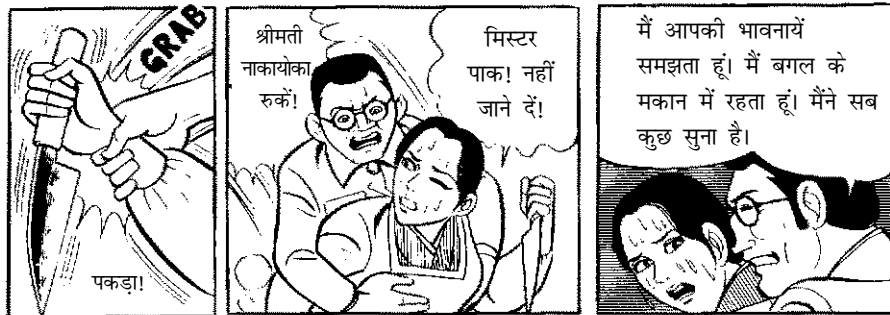


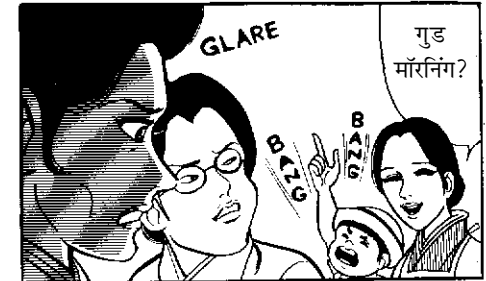
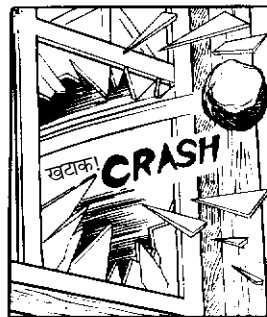
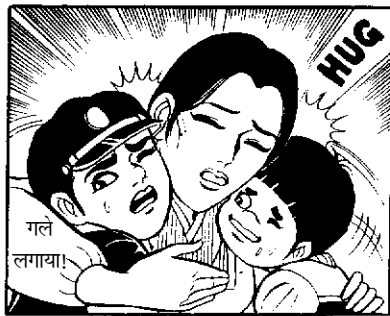






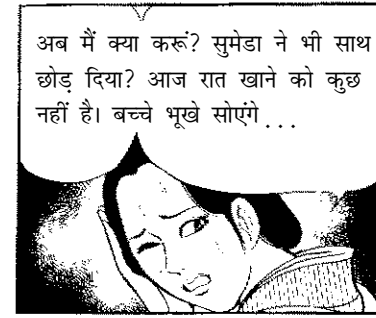
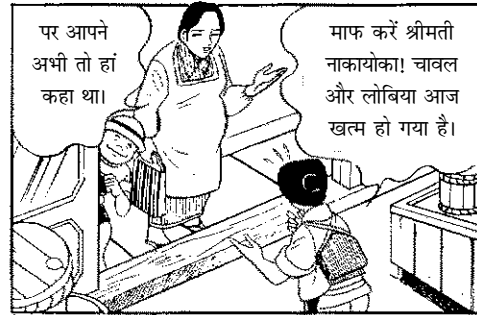




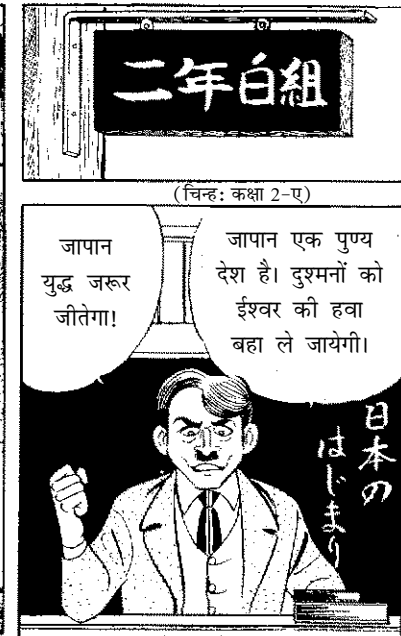


(चित्र: सुमेडाज)



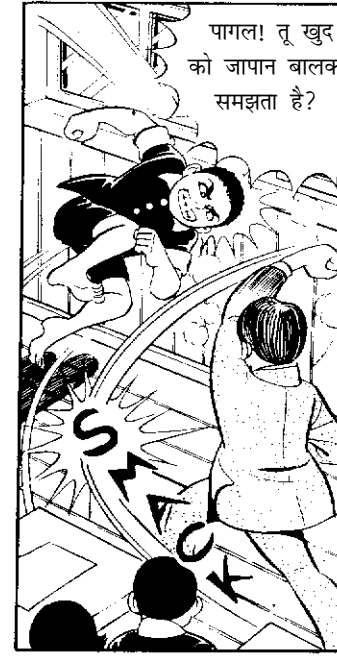
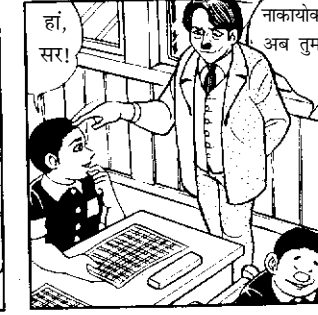


(चिन्ह: कामीयामा प्राइमरी स्कूल)

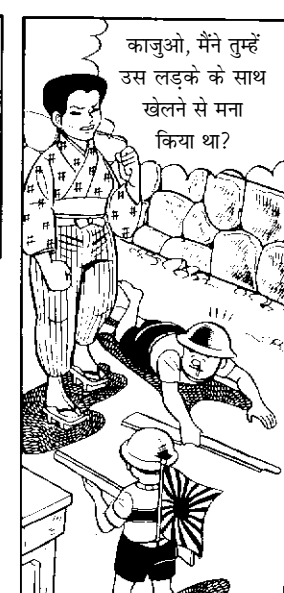
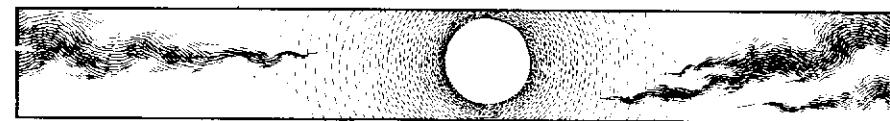


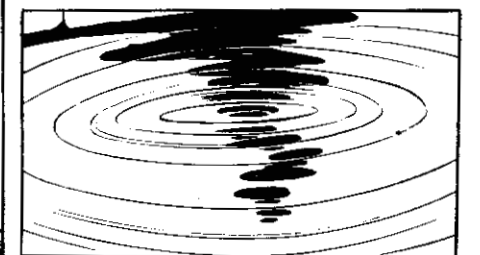
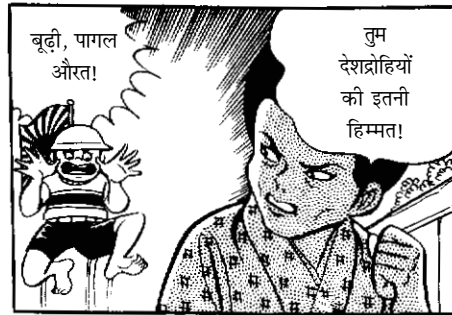
(ब्लैकबोर्ड: जापान का जन्म)

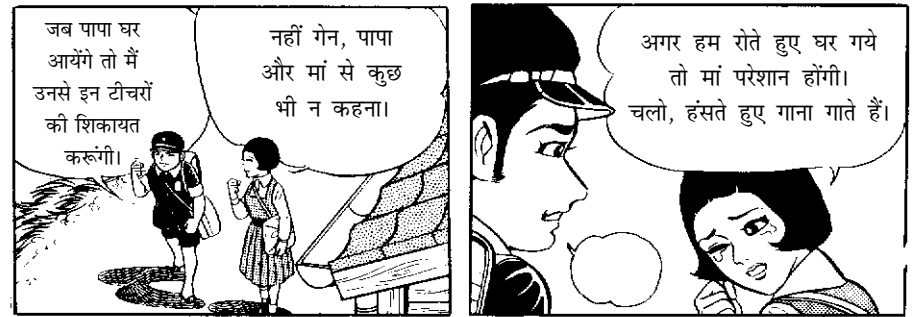


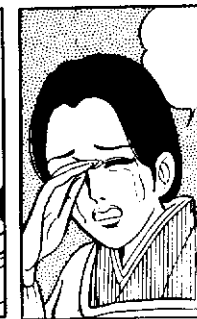


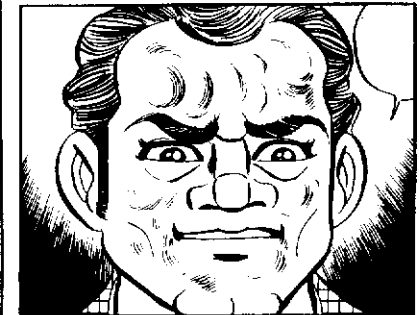
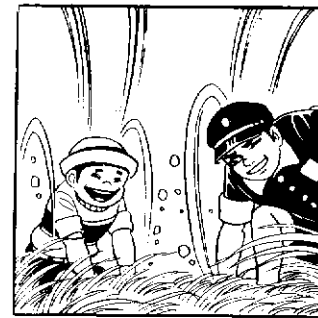
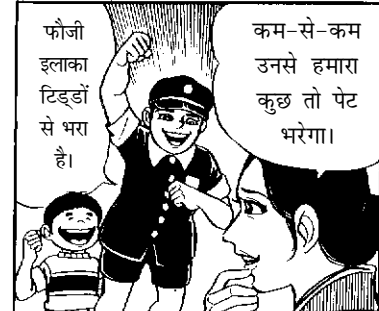
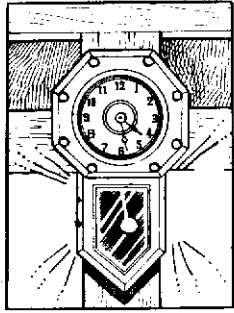


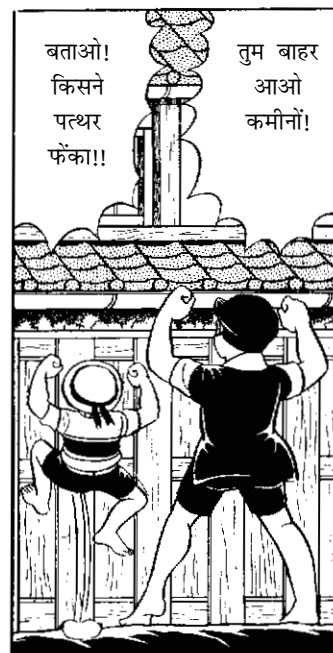
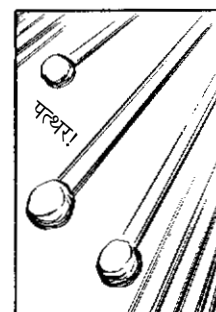
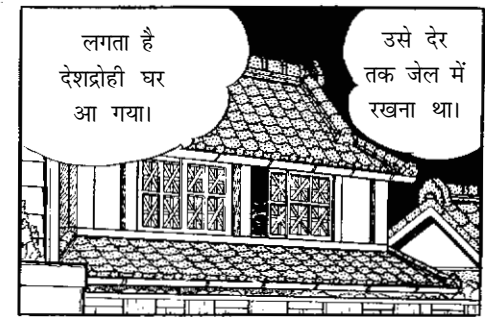
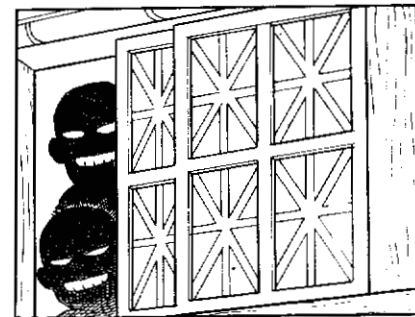
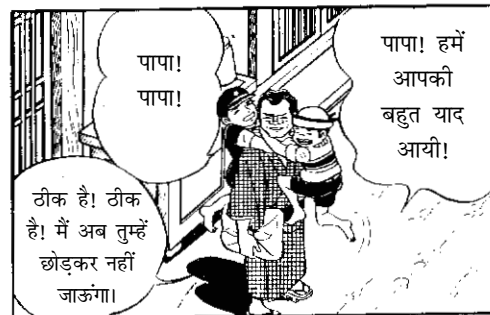


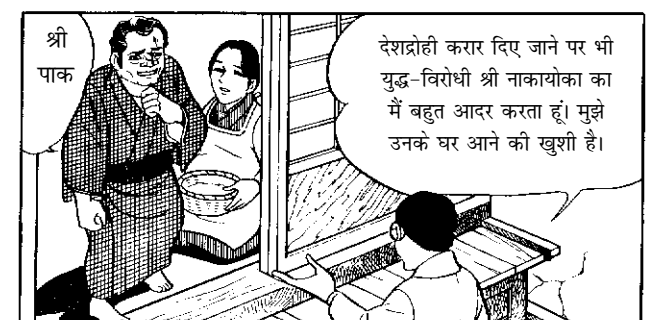
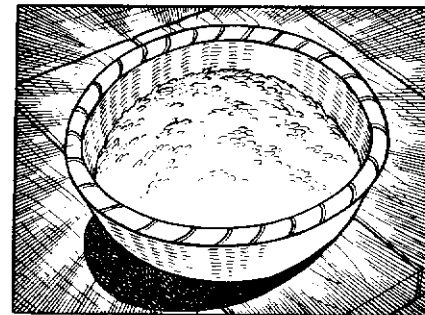
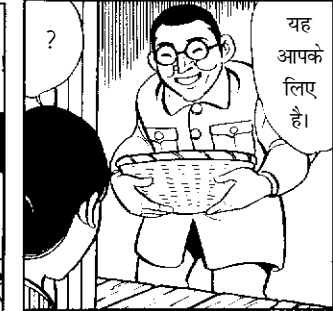
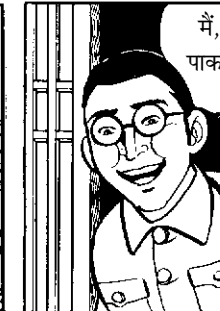
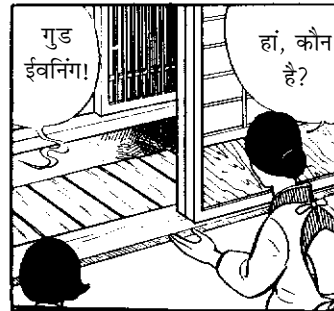
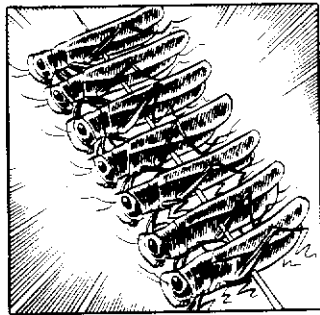


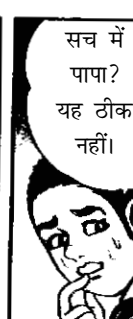
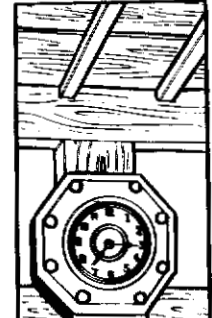


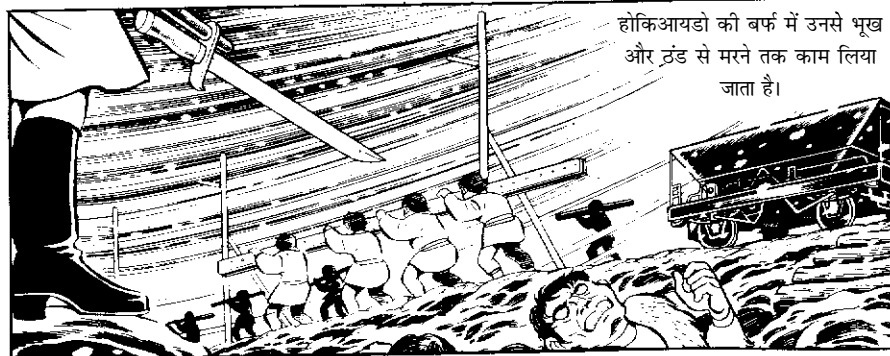
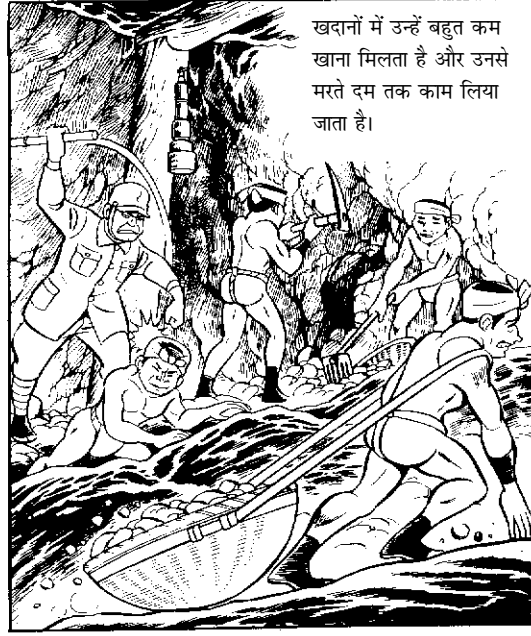
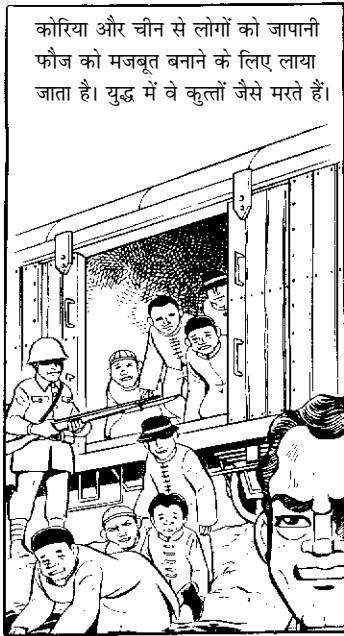


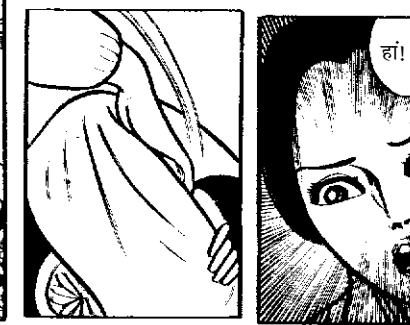
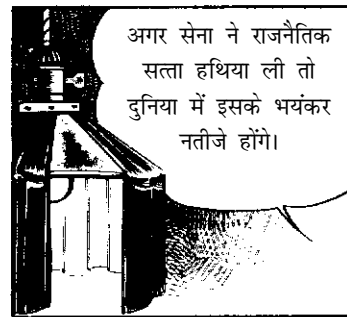


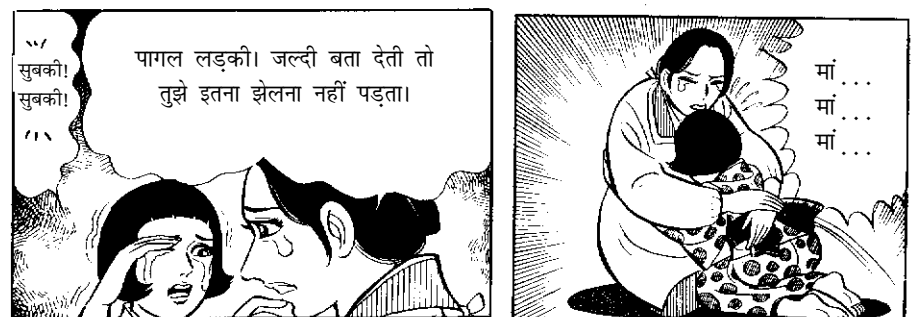
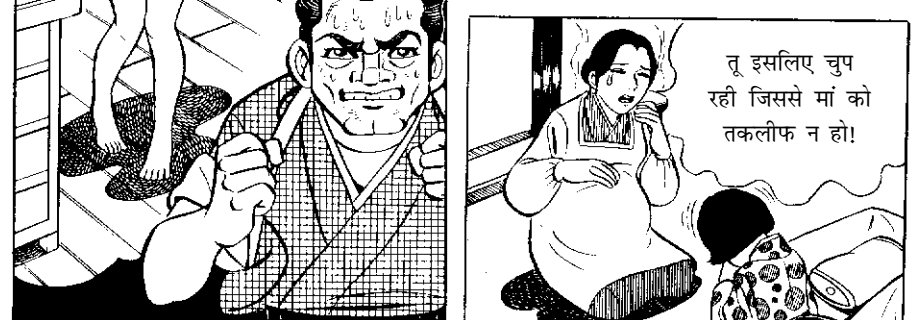
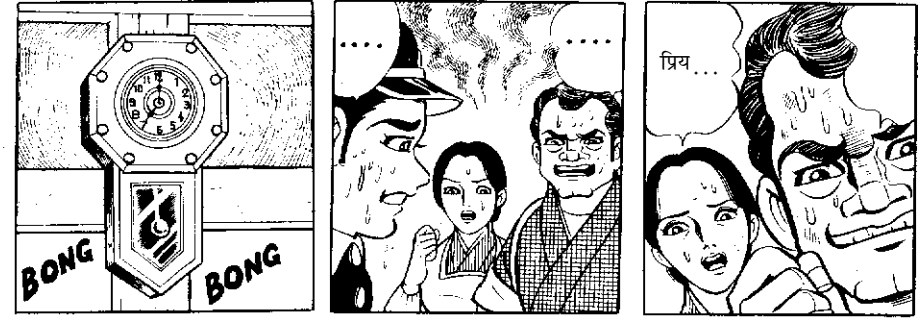
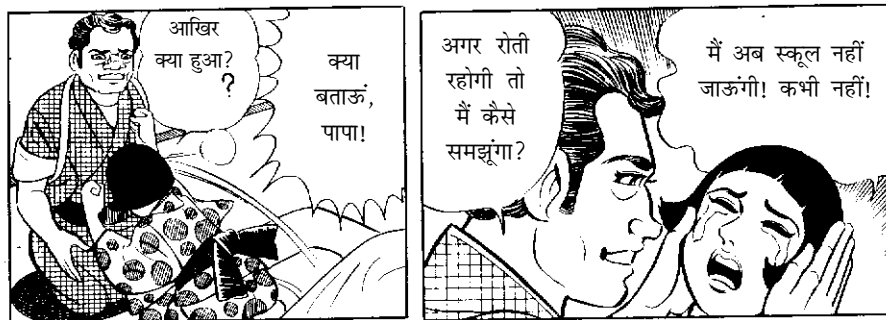










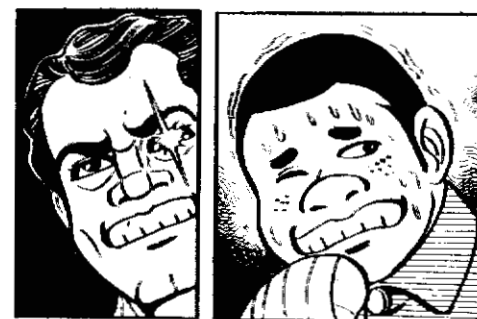
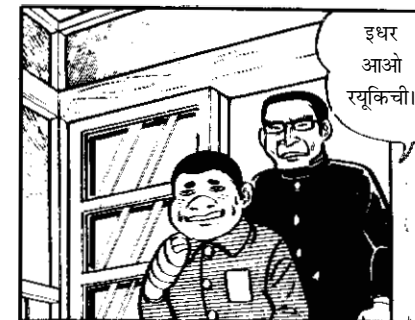




कामीयामा प्राईमरी स्कूल



शिक्षकों का कमरा





झापड़



ओह!

तुम और तुम्हारा बाप
कितने कमीने हो जो लोगों
को हमेशा फंसाते हो।



मुझे
माफ
करो।

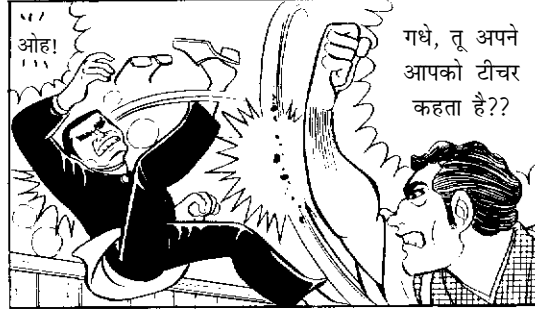
बरबाद
गधे!

Bonk
Bonk
Bonk



ओह!

अब?
?



ओह!

गधे, तू अपने
आपको टीचर
कहता है??



तूने मेरी बेटी की बिना
किसी सबूत के तलाशी
कैसे ली??



मिस्टर नाकायोका
मैं आपका गुस्सा
समझ सकता हूँ,
पर...

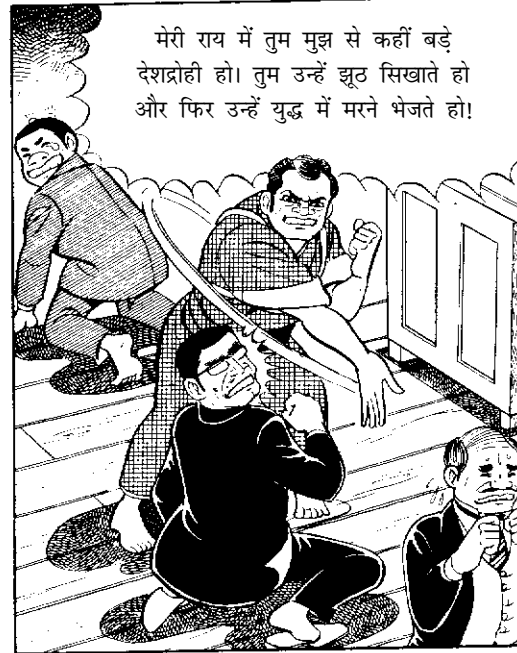
चुप
रह!!!



तुमने सारी जिंदगी के लिए उस बच्ची
का दिल दुखाया है। तुम बच्चों के
साथ रहने के काबिल नहीं हो!



नुमाटा तुमने मुझे देशद्रोही और युद्ध
विरोधी बुलाया। तुमने कहा कि इसी
वजह से आईको ने चोरी की। ठीक?



मेरी राय में तुम मुझ से कहीं बड़े
देशद्रोही हो। तुम उन्हें झूठ सिखाते हो
और फिर उन्हें युद्ध में मरने भेजते हो!



तुम शिक्षक होने
के काबिल नहीं
हो, गधे??



खबरदार तुमने
कभी मेरे बच्चों को
चोर बुलाया!

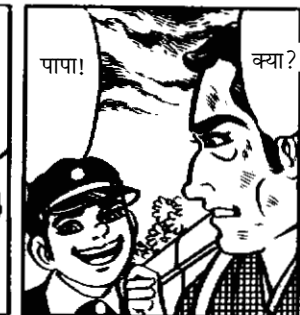


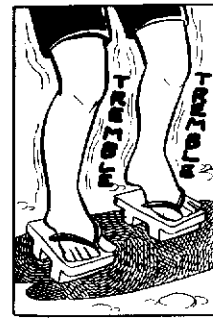
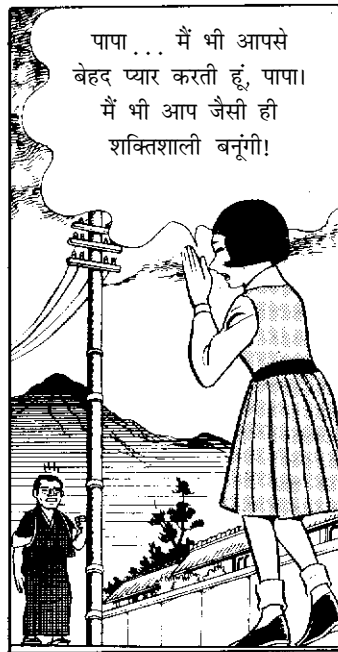
आईको
और गेन,
अब चलो।

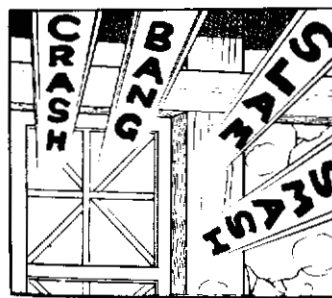
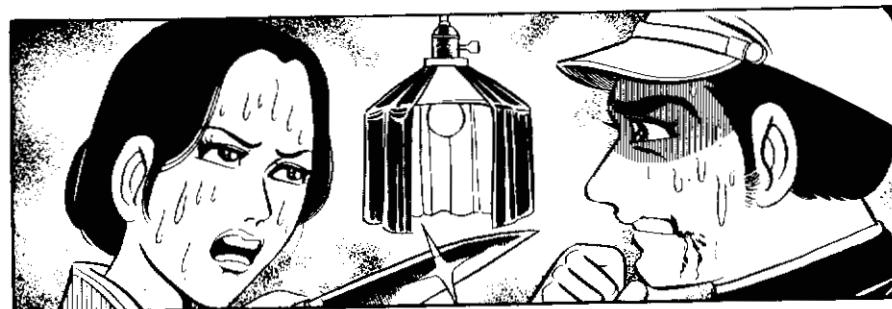
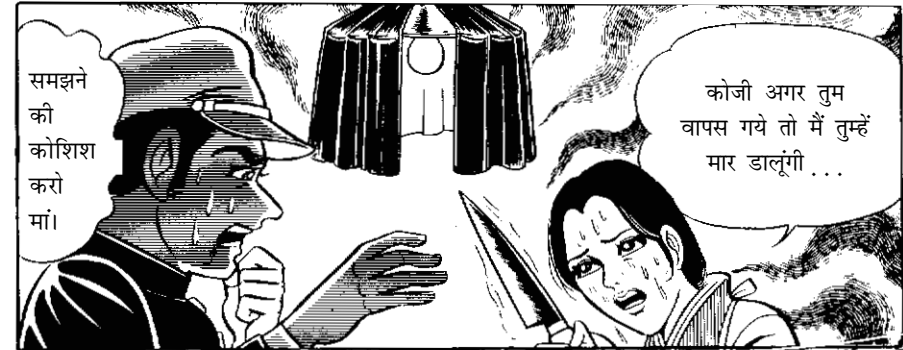


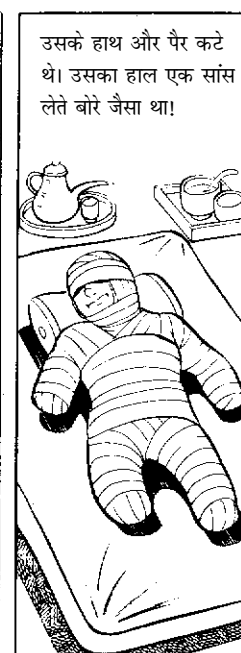
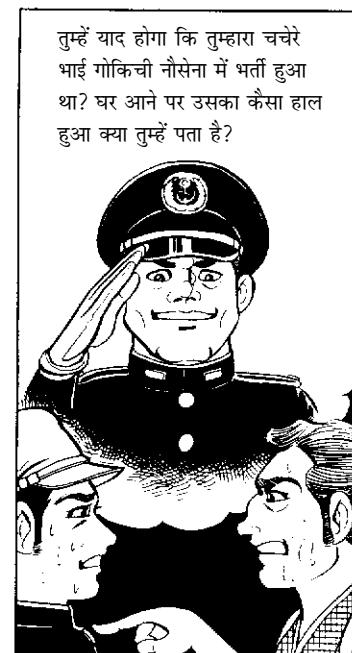
वो
देशद्रोही...

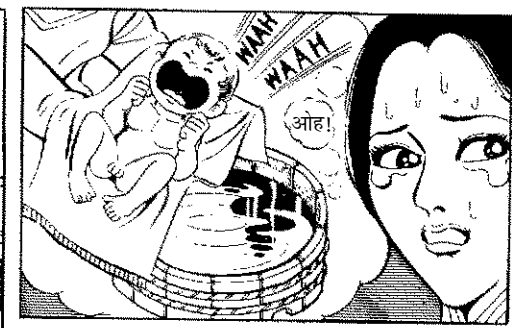
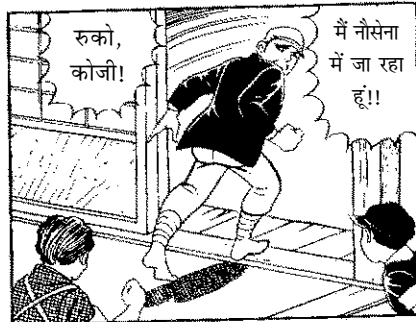
बाप रे!

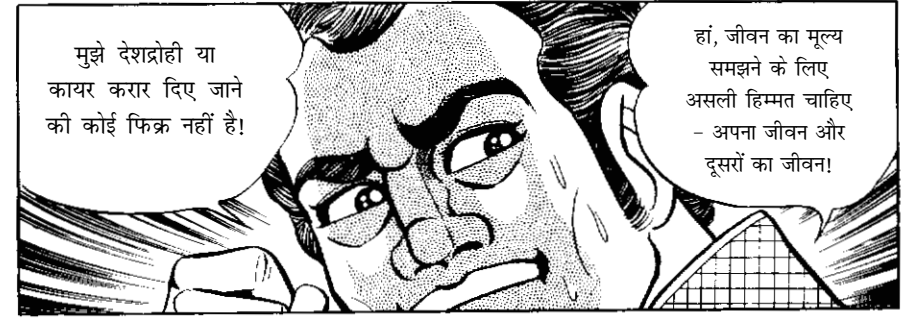
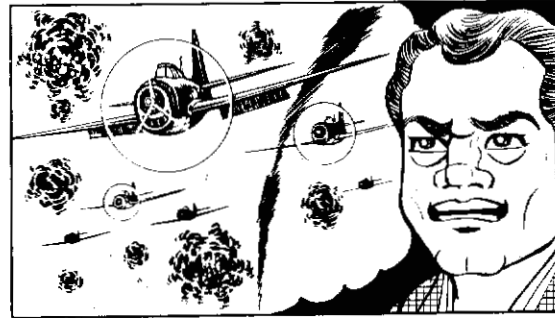
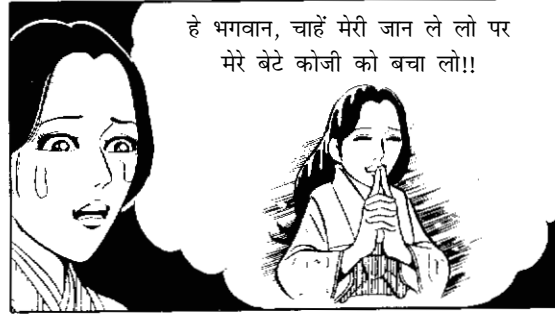


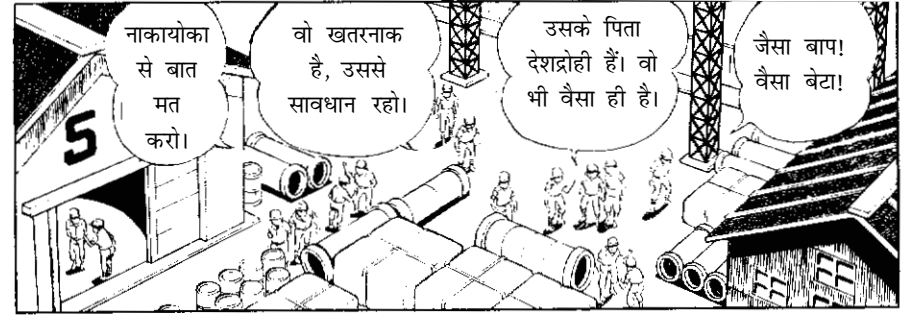


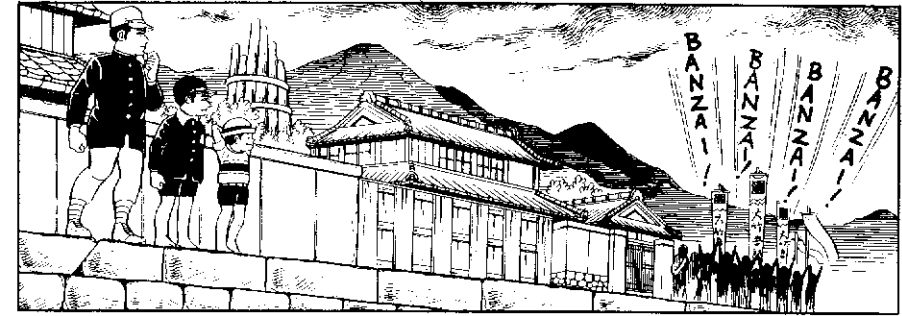




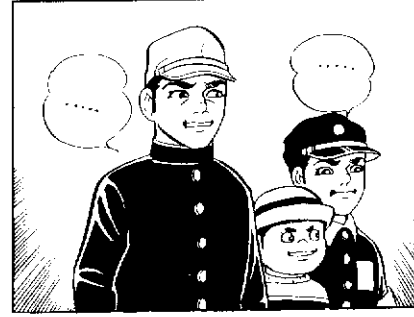
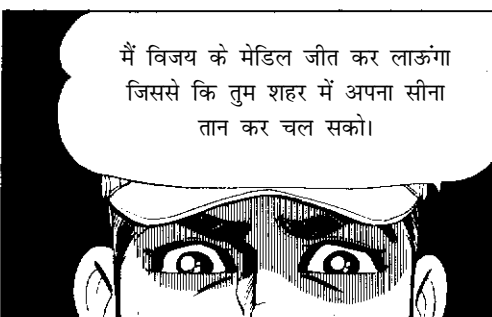




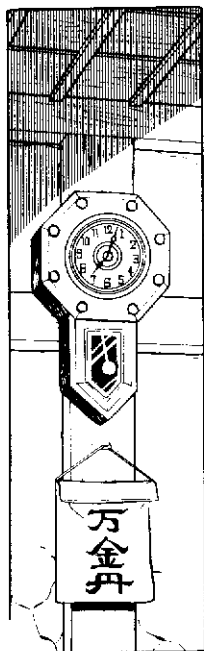




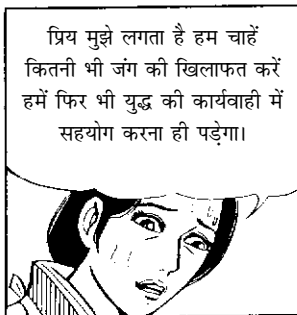
(बैनर: गोरो ओटाके - बधाई हो)



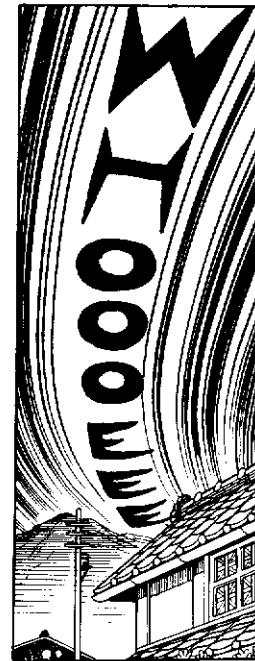




कोजी नौसेना में परिवार की खातिर गया। लोगों का मुझे देशद्रोही बुलाना उसे अच्छा नहीं लगा।



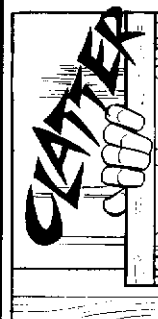
प्रिय मुझे लगता है हम चाहें कितनी भी जंग की खिलाफत करें हमें फिर भी युद्ध की कार्यवाही में सहयोग करना ही पड़ेगा।



एँअर रेड शुरू हो गईं!



प्रिय, एँअर रेड चालू है।



मूर्ख!!!

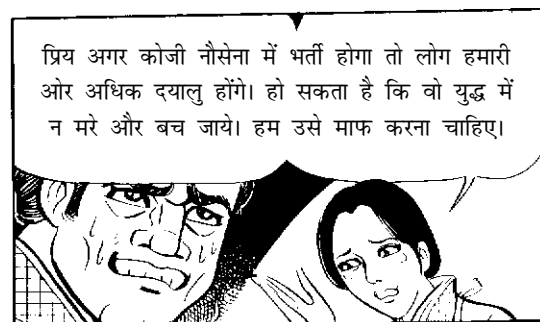


सुबकी... मुझ से और सहन नहीं होता। लोग मुझे देशद्रोही बुलायें यह मुझे सहन नहीं होता।

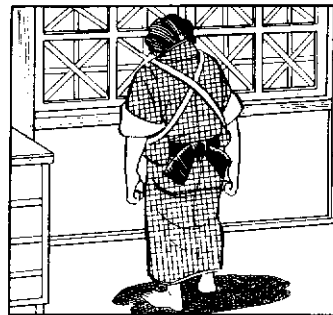


मुझे उन अधिकारियों से नफरत है जो लोगों को युद्ध के लिए लोग तलाशते हैं।

हरेक को धोखा दिया जा रहा है। उन्हें गोलियों का शिकार बनाया जा रहा है।



प्रिय अगर कोजी नौसेना में भर्ती होगा तो लोग हमारी ओर अधिक दयालु होंगे। हो सकता है कि वो युद्ध में न मरे और बच जाये। हम उसे माफ करना चाहिए।

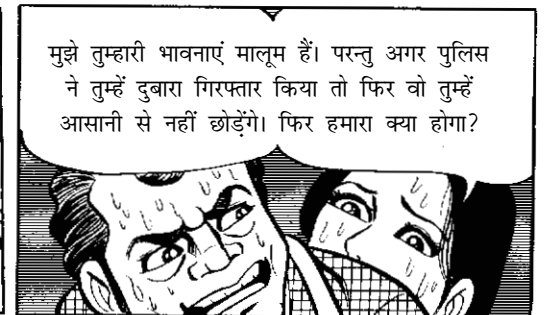
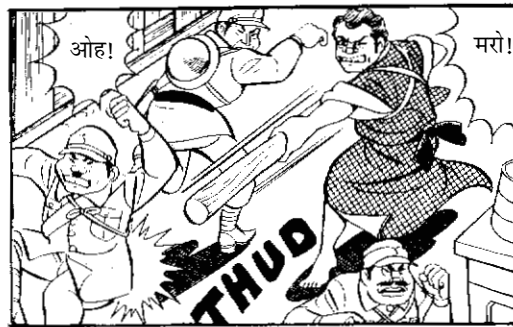


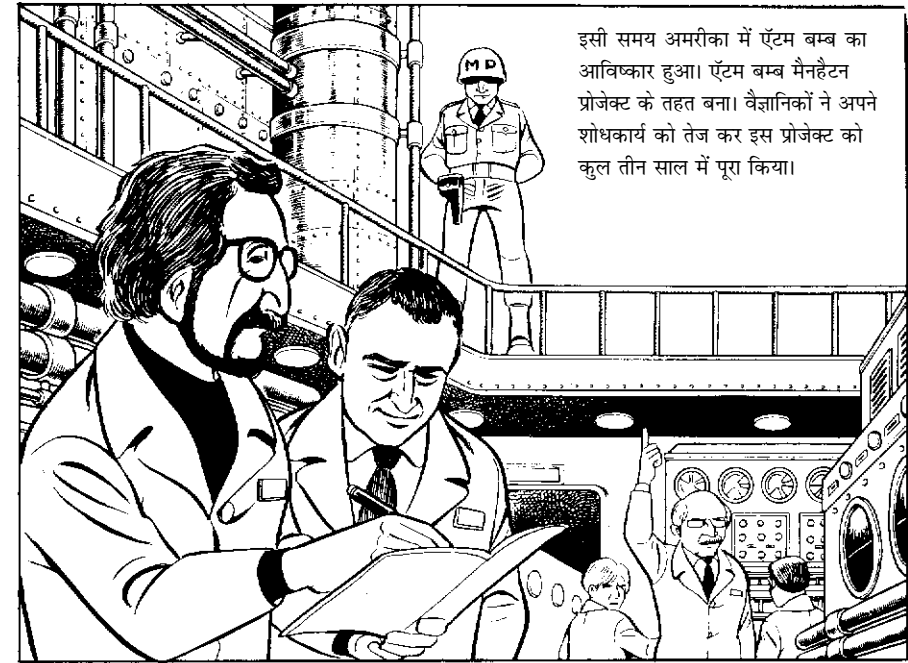
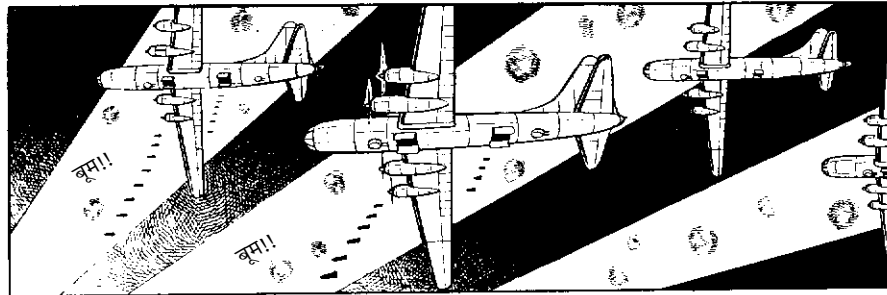
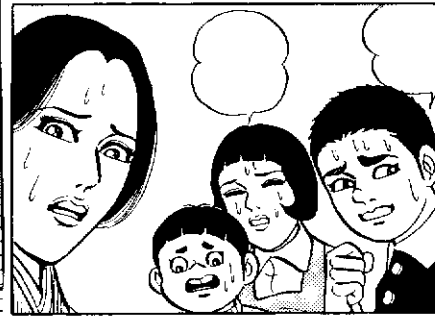
पागल, तू एकदम मूर्ख है कोजी!!



कोजी! चाहें कुछ भी हो, तुम मरना मत! चाहें कुछ भी हो मरना नहीं!!

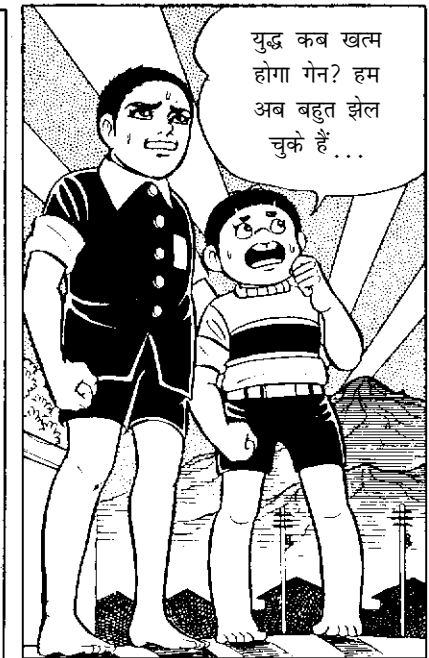
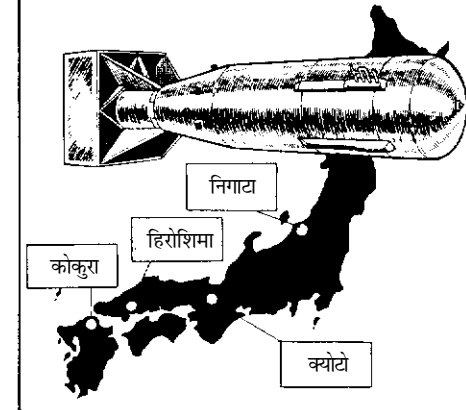
कायर बन, कमजोर बन, पर जिंदा वापस घर लौट!!!

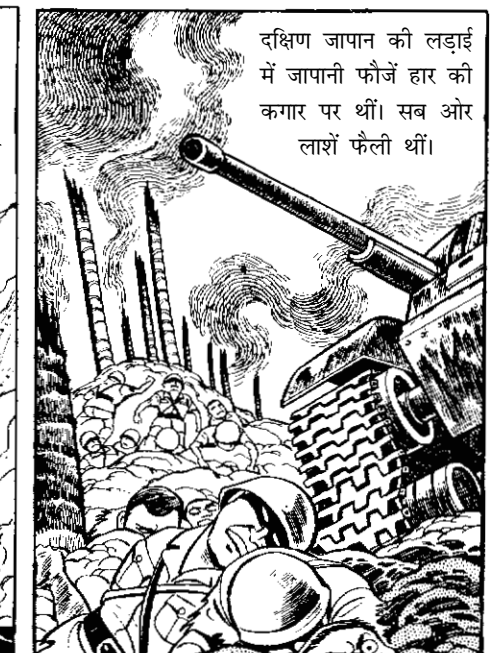
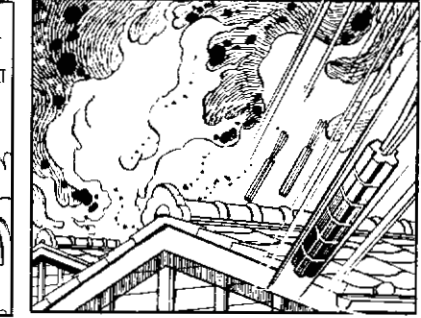
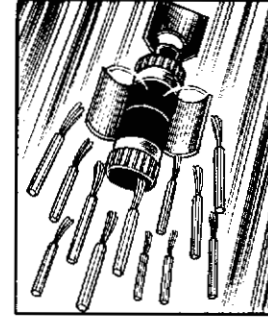
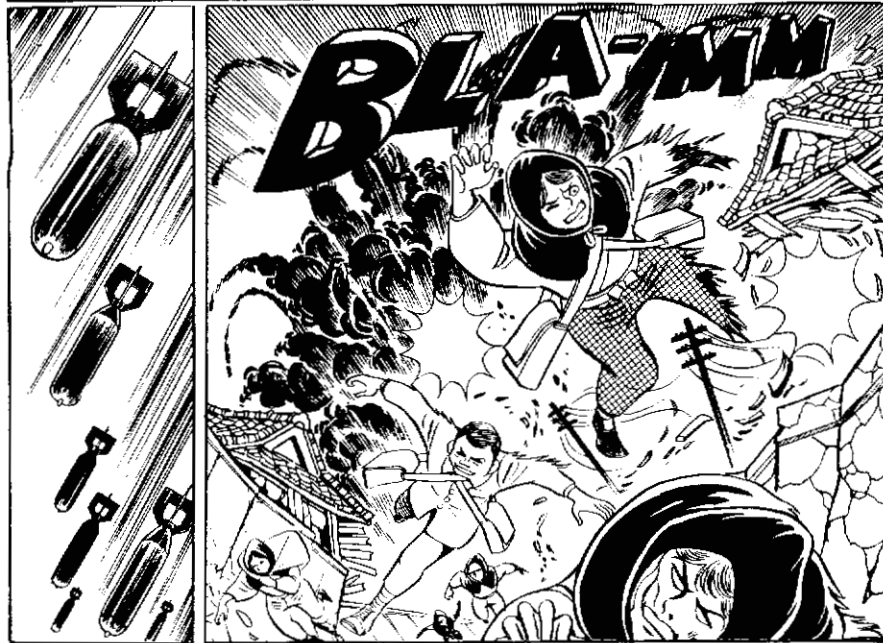
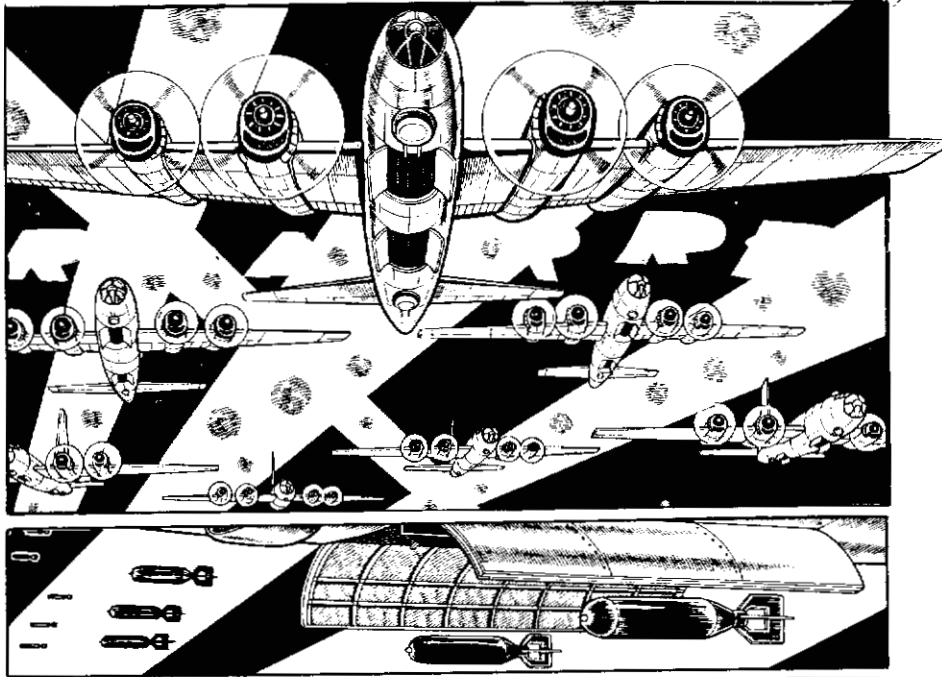


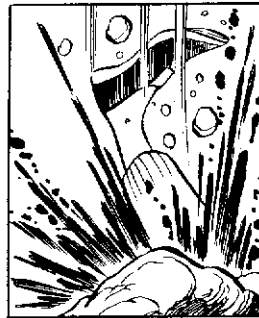
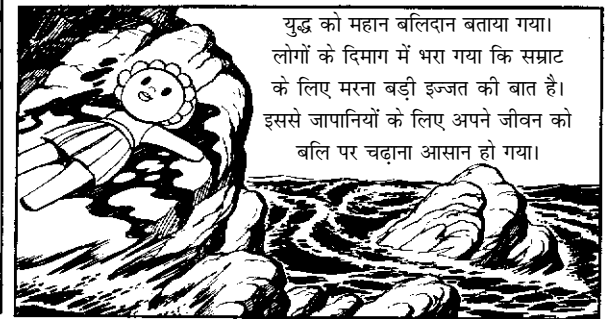
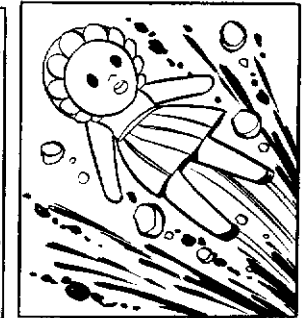
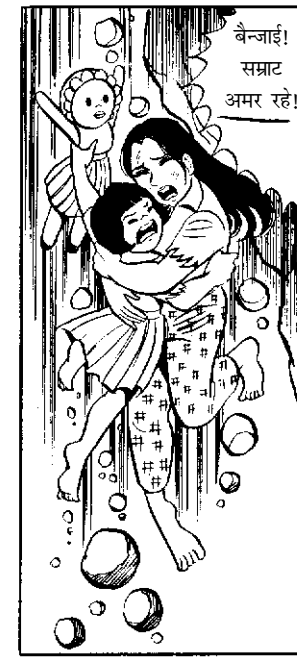
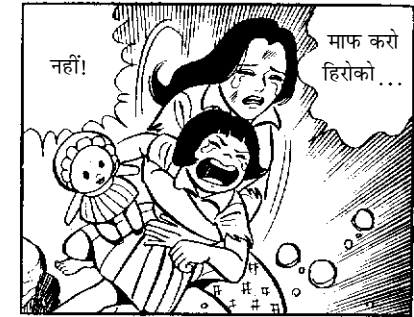
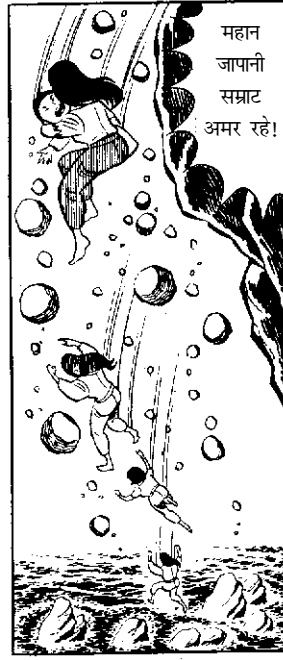
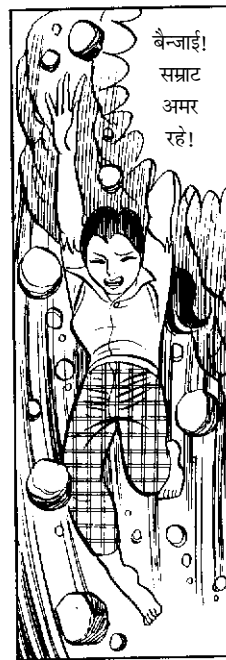
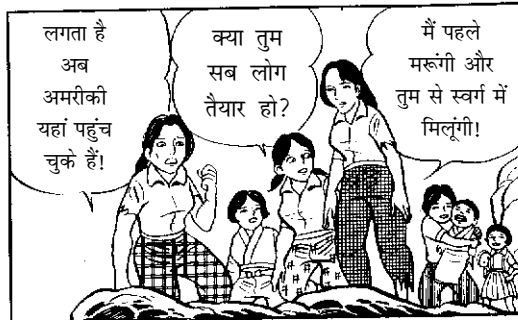


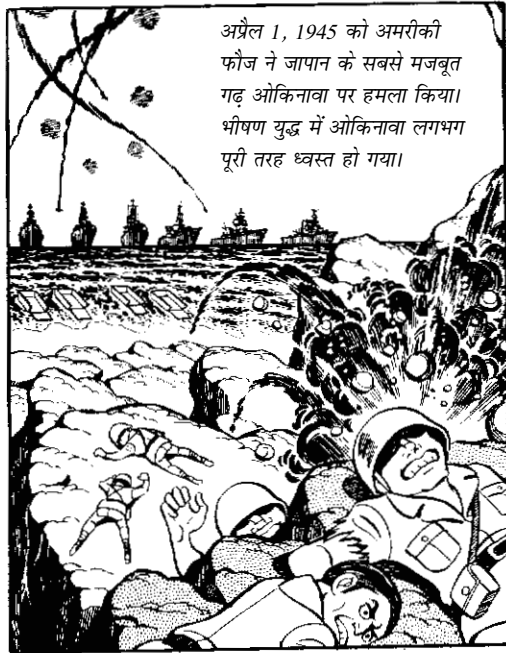
इसी समय अमरीका में एंटेम बम्ब का आविष्कार हुआ। एंटेम बम्ब मैनहैटन प्रोजेक्ट के तहत बना। वैज्ञानिकों ने अपने शोधकार्य को तेज कर इस प्रोजेक्ट को कुल तीन साल में पूरा किया।

एंटेम बम्ब में असीमित ताकत होती है। इस बम्ब को जापान पर गिराकर अमरीका प्रशांत युद्ध को अपने हित में खत्म कर सकता था। एंटेम बम्ब गिराने के लिए चार संभावित शहरों को चुना गया - कोकुरा, हिरोशिमा, क्योटो और निगाटा। तैयारियां अच्छी तरह पूरी हुयीं।

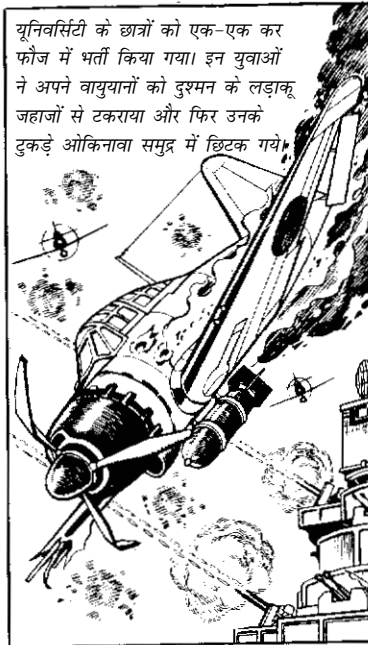








अप्रैल 1, 1945 को अमरीकी फौज ने जापान के सबसे मजबूत गढ़ ओकिनावा पर हमला किया। भीषण युद्ध में ओकिनावा लगभग पूरी तरह ध्वस्त हो गया।



यूनिवर्सिटी के छात्रों को एक-एक कर फौज में भर्ती किया गया। इन युवाओं ने अपने वायुयानों को दुश्मन के लड़ाकू जहाजों से टकराया और फिर उनके टुकड़े ओकिनावा समुद्र में छिटक गये।



उस समय सभी जापानियों का जीवन अधर में लटका था। उनका नारा था 'हम आखिरी आदमी तक लड़ेंगे।' इस वजह से युद्ध के नायकों ने लड़ाई खत्म होने नहीं दी।

(चिन्ह: 'दुश्मन परेशान है युद्ध की जोरदार तैयारी करो जिससे ब्रिटिश और अमरीकी राक्षसों की हार हो।')



जापानी नौसेना का झूठा प्रचार: 'जापान की महान नौसेना ने आज सुबह-सुबह दुश्मन के दस पोत ध्वस्त किये और साथ में पांच भारी पोत और 120 हवाईजहाज भी मार गिराये...'

बैन्जाई! हमारी नौसेना सच में बहुत बलशाली है!!
अगर ऐसा ही चलता रहा तो जापान निश्चित युद्ध जीतेगा।



युद्ध के नायक रेडियो, अखबारों आदि के जरिए लगातार झूठा प्रचार करते रहे। साथ में वो लोगों से और कुर्बानियां देने की अपील भी करते रहे।



आम लोगों को पागल बनाया गया। एंअर रेड की परेशानियां आम लोगों ने झेलीं। उनकी जिंदगी पर रोजाना बम्ब का खतरा मंडराता था।



कृपा हजार टांके वाला कमरबंद बनाने में मेरी मदद करो!

कृपा इसमें हाथ बंटायें!



क्या तुम मेरी मदद करोगी?

हां, जरूर!



लड़ाई पर कौन जा रहा है?

मेरा बड़ा भाई।



उससे कहना कि हिम्मत से लड़े।



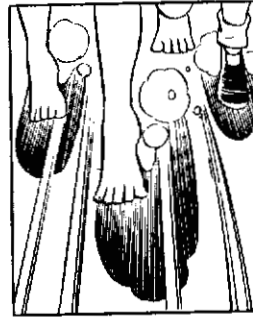
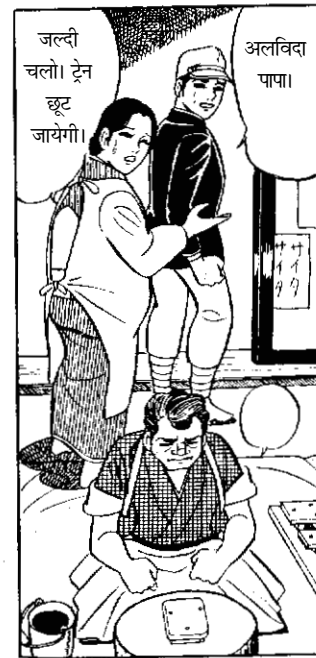
यह लो।

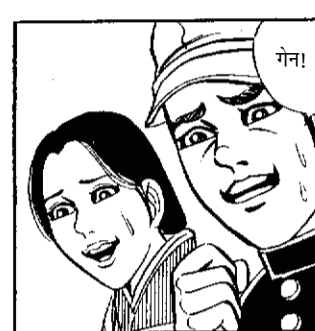
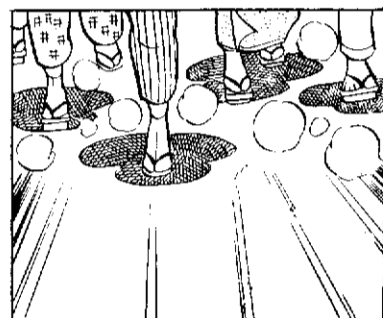
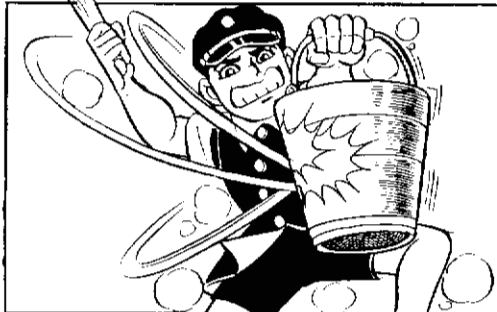
शुक्रिया।

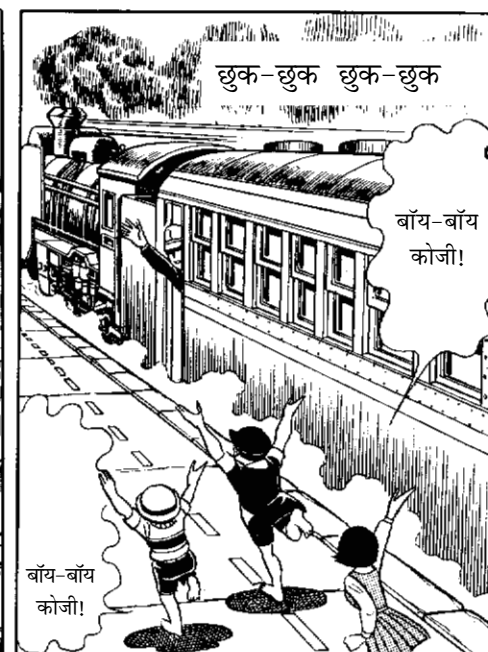
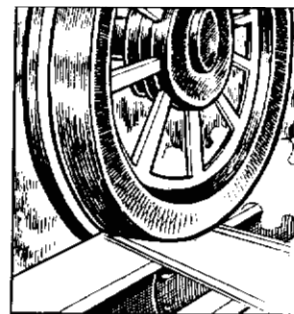
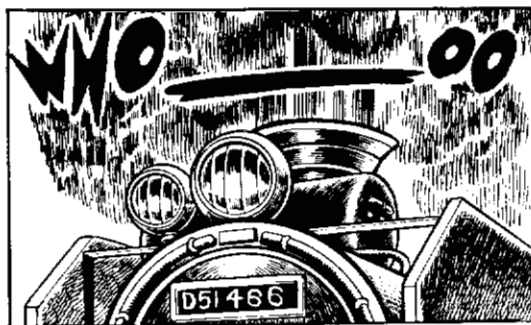
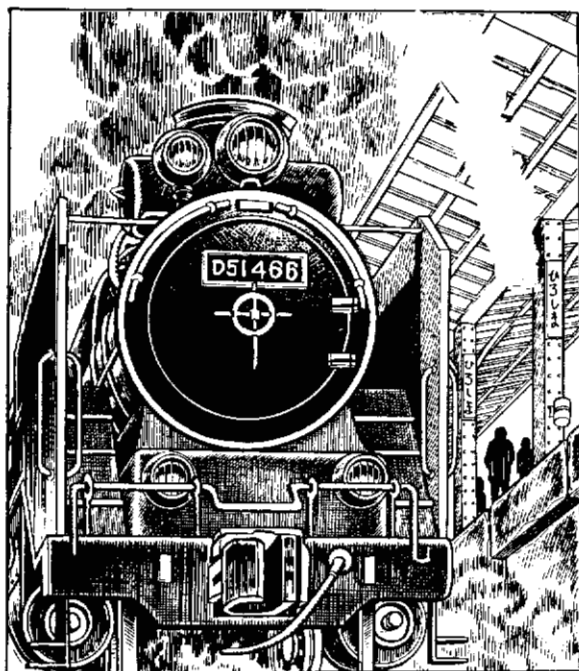


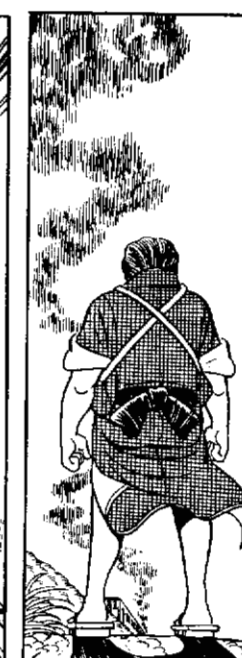
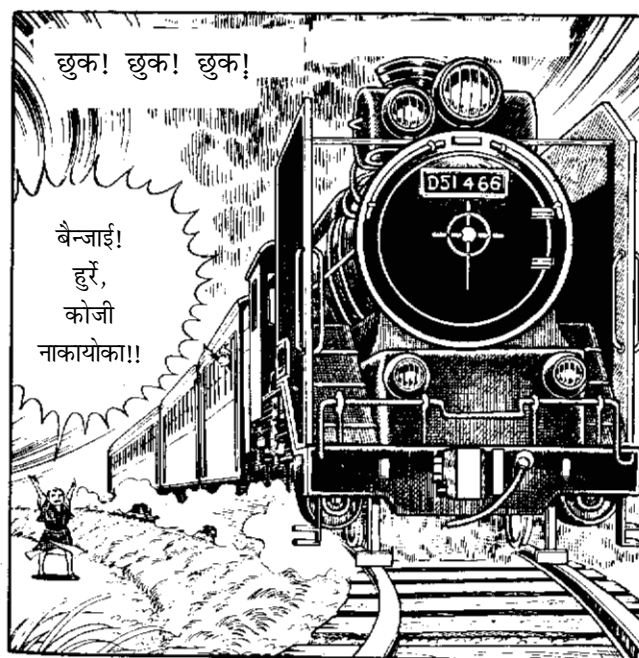
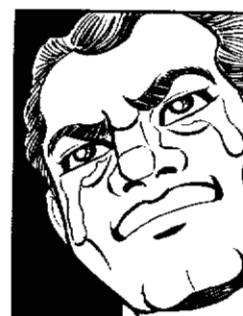
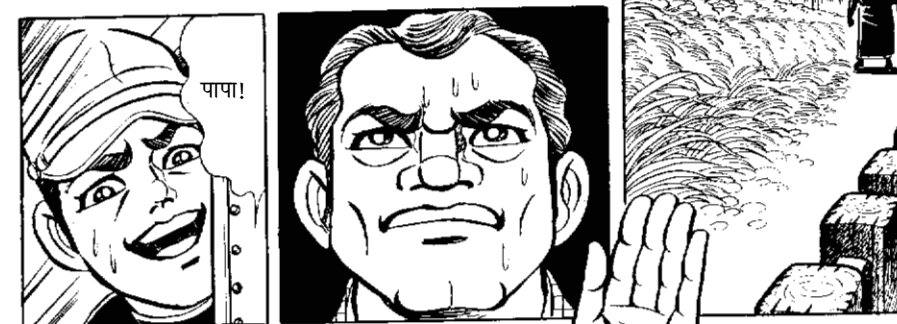
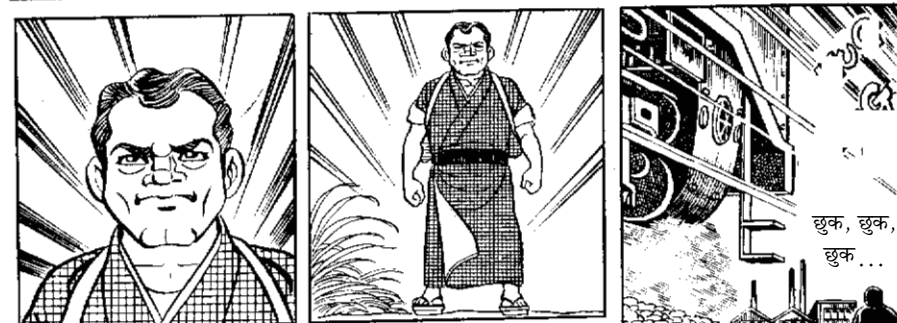
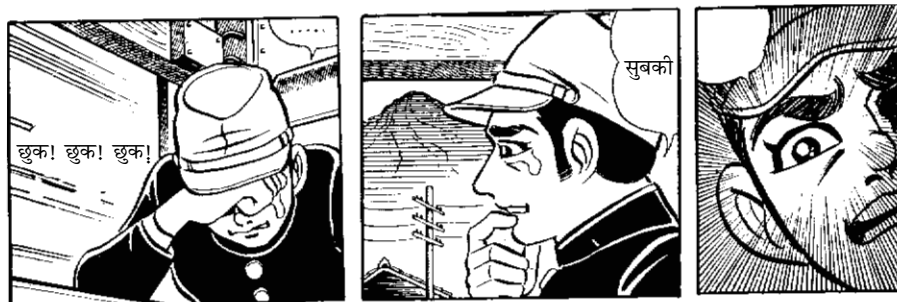
बहन अभी कितने और टांके चाहिए?

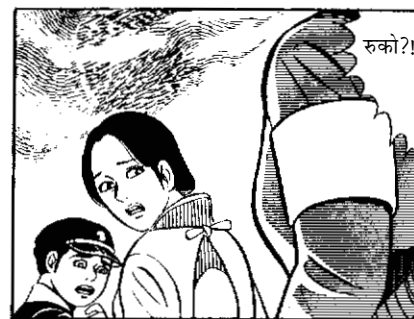
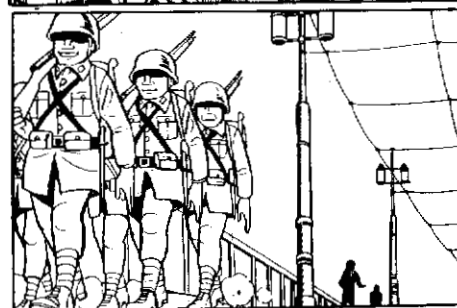
पंद्रह और... तब एक हजार होंगे।





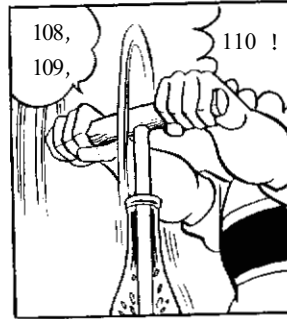
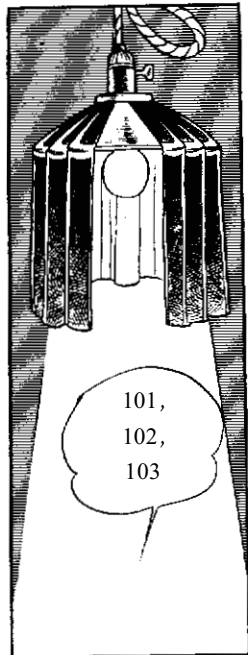
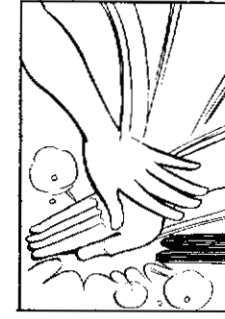


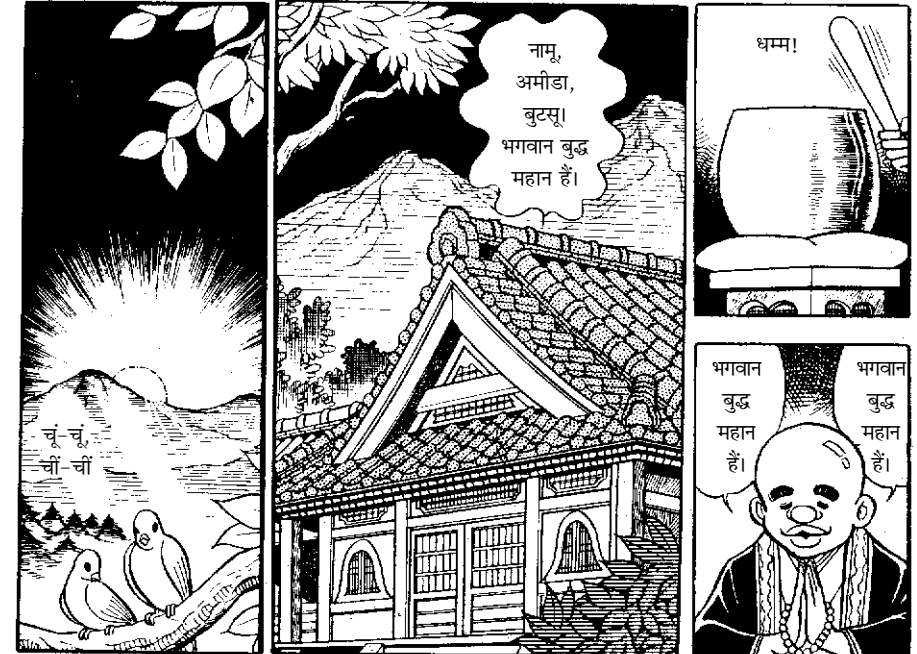
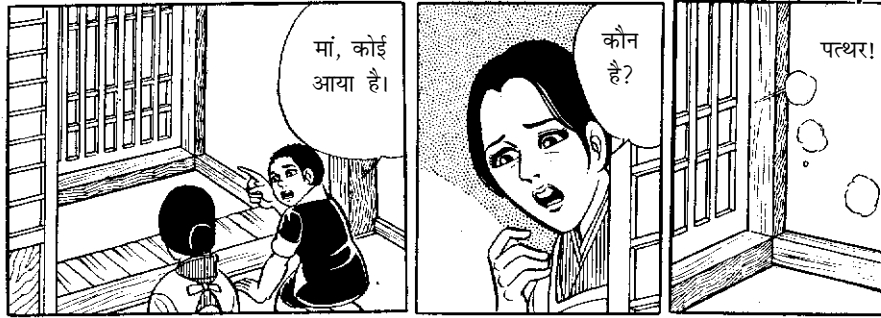




(चिन्ह: अमरीकी राक्षस रुजावेल्ट, ब्रिटिश राक्षस चर्चिल)

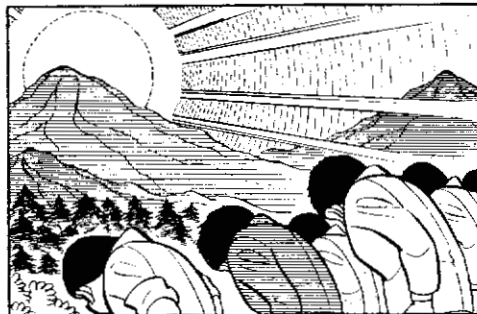








टोकियो में महल की ओर मुंह करके झुककर सम्राट को नमस्कार करो!



अरे, तामुरा! सम्राट को देखे बिना हम कैसे उन्हें नमस्कार कर सकते हैं?

क्योंकि सम्राट भगवान हैं और पूरे जापान की देखभाल करते हैं।



अजीब बात है! अगर उनकी निगाह पूरे जापान पर है फिर अमरीका हम पर कैसे बम्ब बरसा रहा है?

गधे! मुझे क्या पता? सम्राट की शक्ति पर यकीन करो, बस!



मुंह बायीं ओर! हिरोशिमा की ओर - सुबह का सैल्यूट!



गुड मॉरनिंग फादर! गुड मॉरनिंग फादर!

हम सब की अच्छी सेहत है और आज हम जापान के शक्तिशाली बच्चे बनने का प्रयास करेंगे!

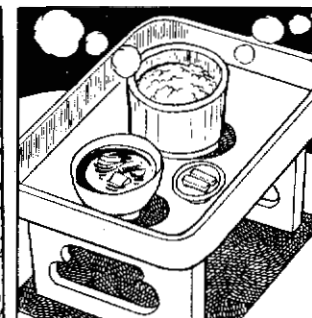


परेड खत्म! वाह!



अरे!

अब बदिया नाश्ता!



फिर वही आलू का शोरबा और दलिया...



अब सम्राट को धन्यवाद देकर खाना शुरू करेंगे।

काश मैं एक बार पेट भर कर खा पाता।

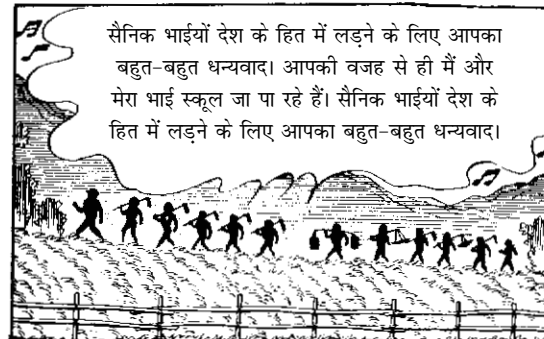


मुझे लगा था कि गांव में आकर मुझे भरपेट खाने को मिलेगा।



लगता है सारे टीचर पेट भर कर सफेद चावल खाते हैं!

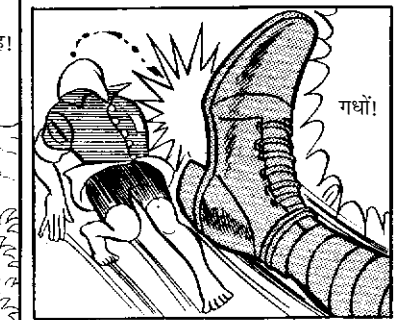
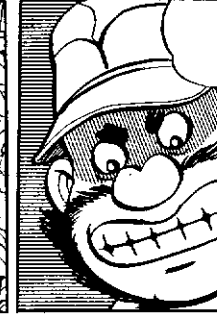
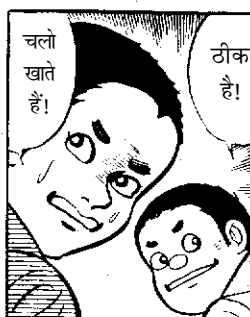
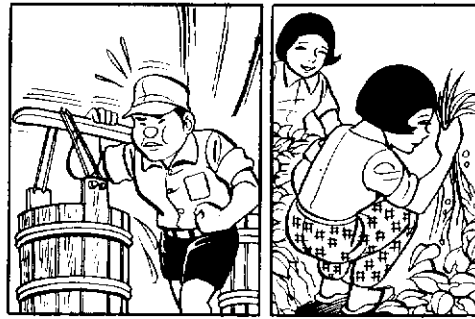
टीचर सच में खुशनासीब हैं...

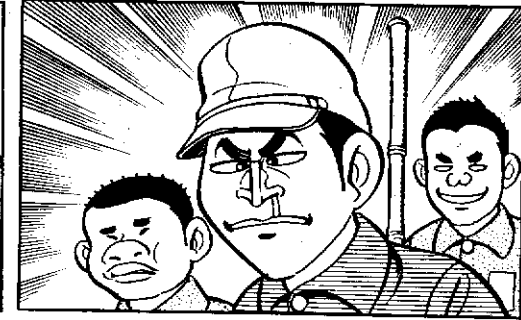
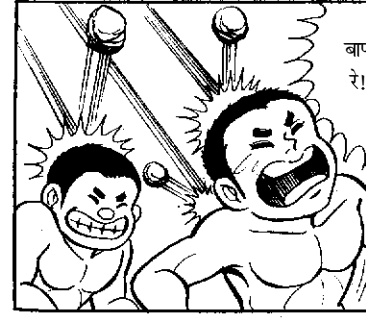
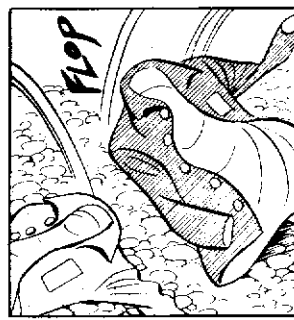
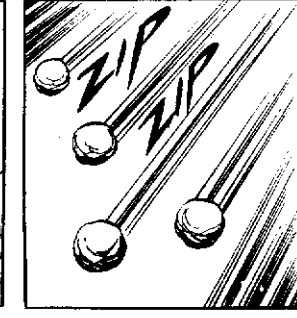
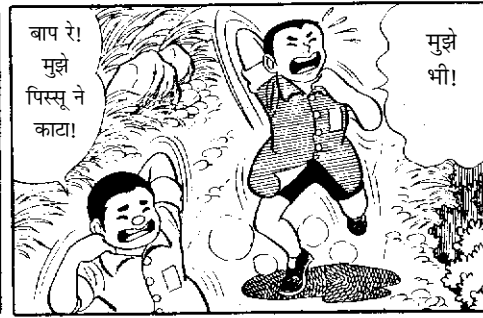
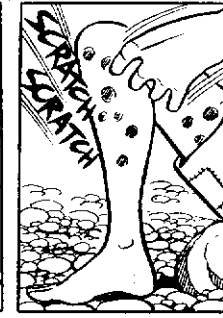
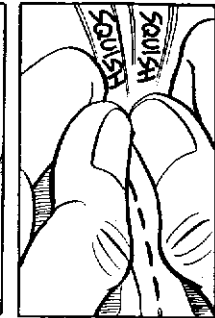
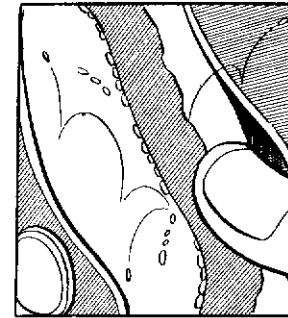


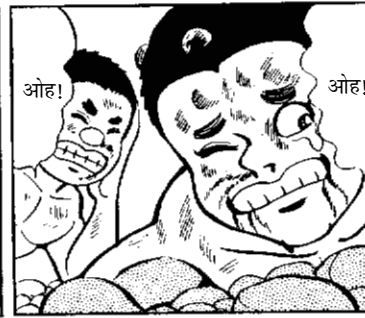
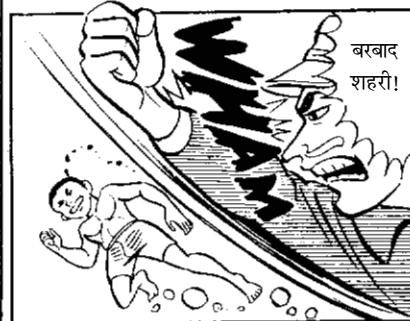
सैनिक भाईयों देश के हित में लड़ने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। आपकी वजह से ही मैं और मेरा भाई स्कूल जा पा रहे हैं। सैनिक भाईयों देश के हित में लड़ने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

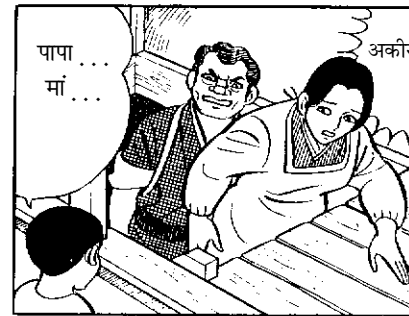
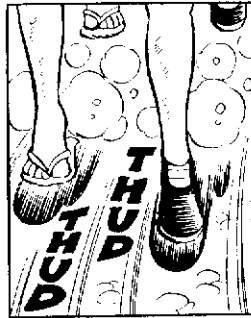
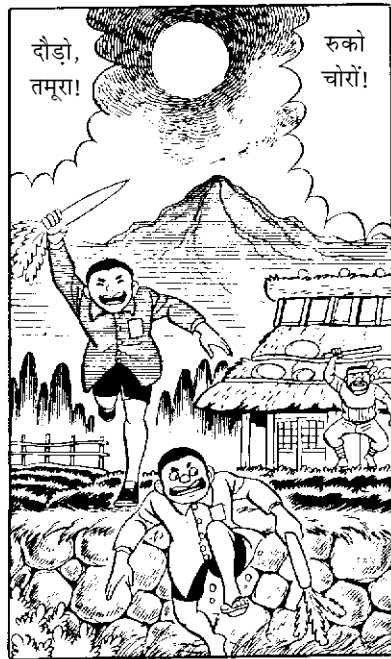


अब काम शुरू!

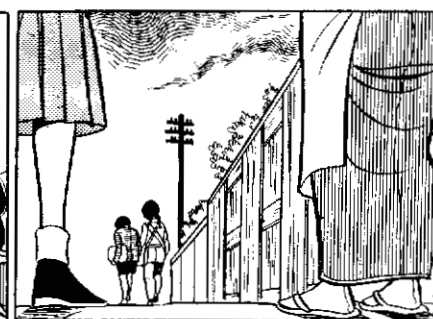
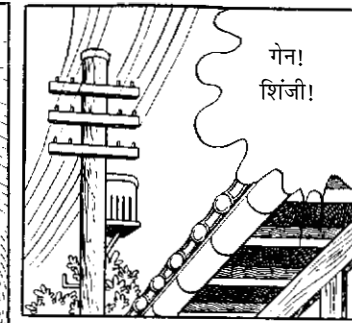
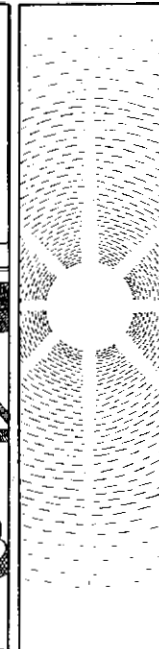
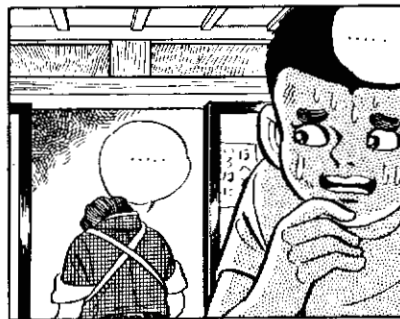


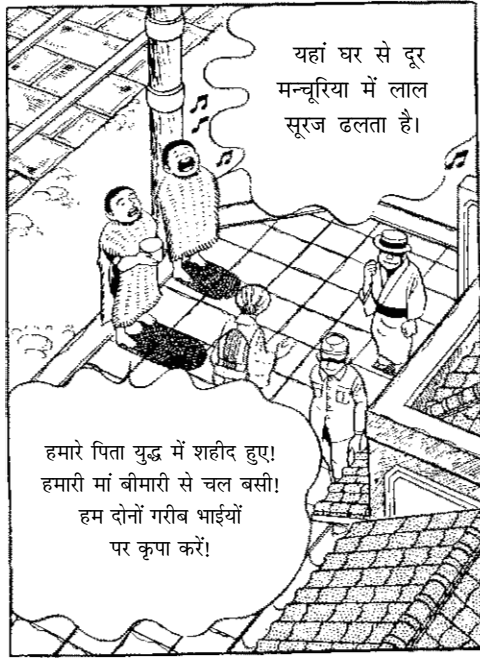


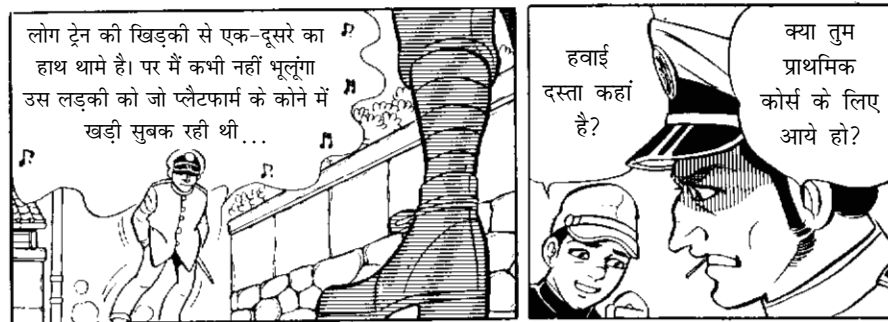
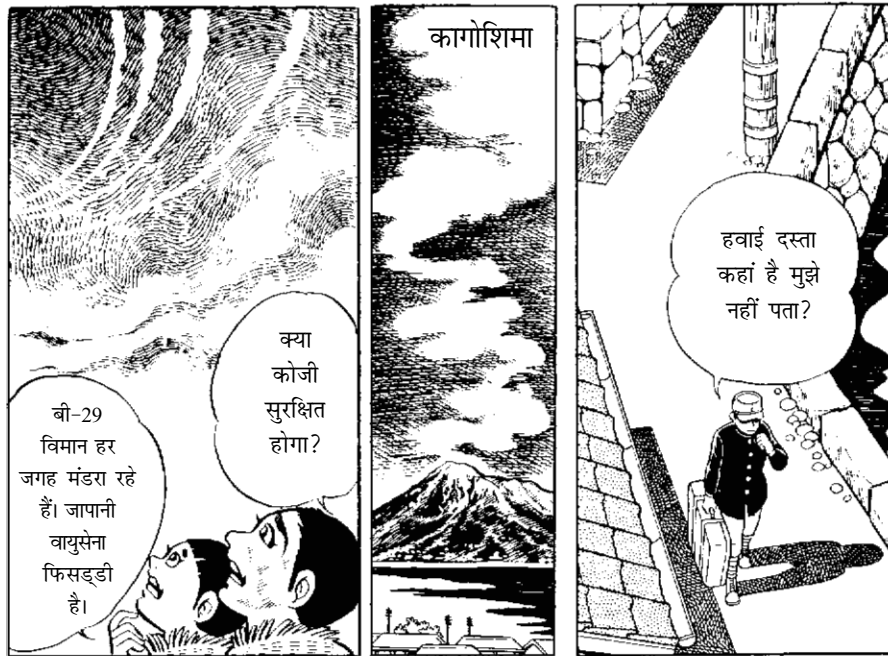


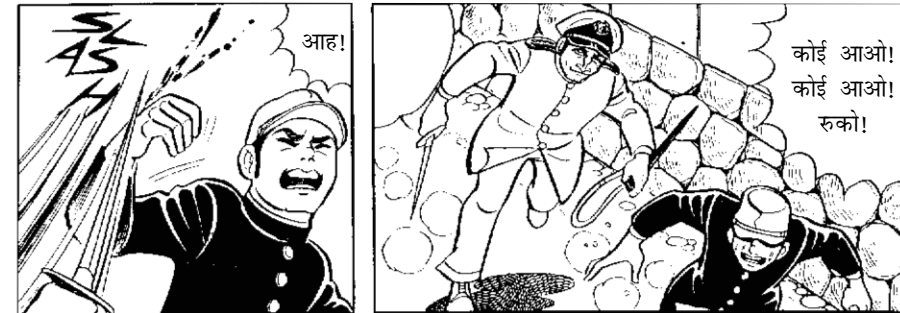
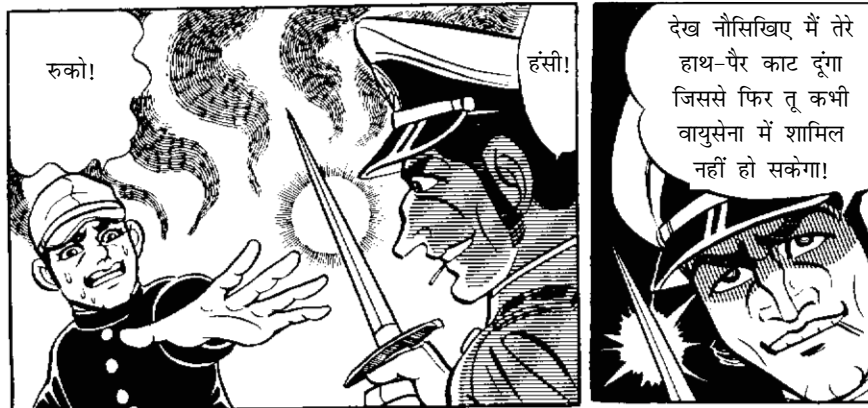


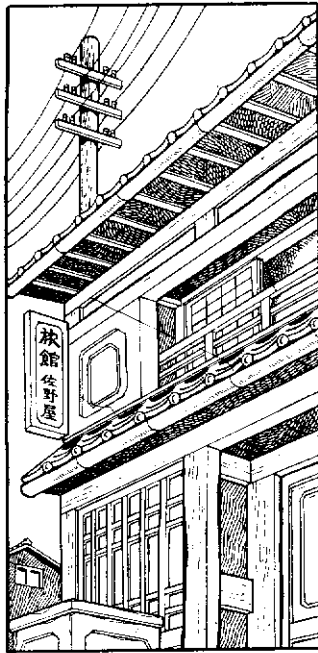




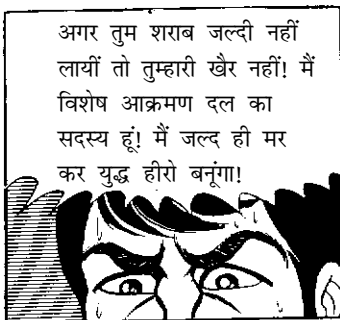








(चिन्ह: सराय)





लोग बूढ़े होते हैं
और मरते हैं!!



परंतु अब
नौजवान लोग
जिनका आगे
भविष्य है मर
रहे हैं।

वो बूढ़े जनरल जिन्होंने
युद्ध शुरू किया और जो
आर्डर देते हैं वो साले
क्यों नहीं मरते?



कुमाई,
तुमने बहुत
पी ली।

मैं मरना नहीं चाहता।
मैं बहुत कुछ करना
चाहता हूँ।



अगर युद्ध शुरू करने
वाले मूर्ख कमीने लड़ना
चाहते हैं तो वो किसी
बियाबान द्वीप पर जाकर
लड़ें!



मैं यूनिवर्सिटी में
अपने अधूरे शोध
को पूरा करना
चाहता हूँ।

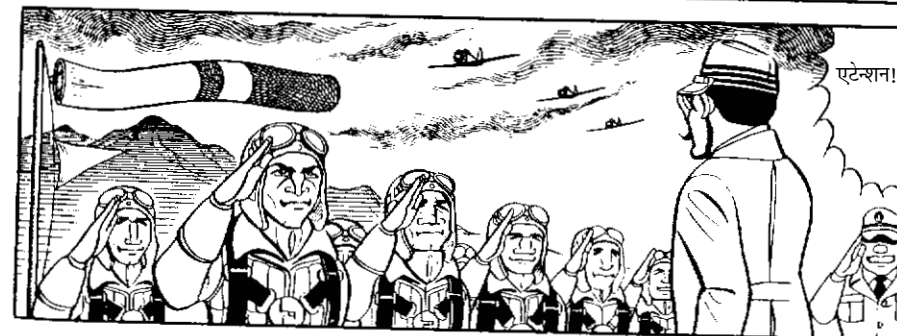
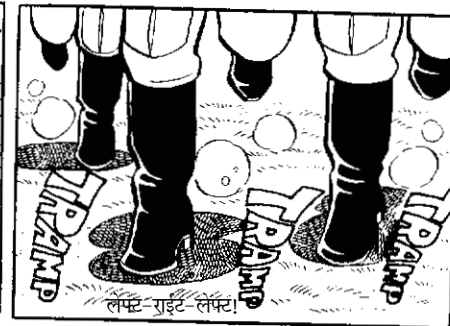
मैं भी
कुमाई!



2 अक्टूबर 1943 को उन्होंने
यूनिवर्सिटी के छात्रों को भी फौज
में भर्ती कर युद्ध में भेजा!



21 अक्टूबर को टोक्यो क्षेत्र के
77 कालेजों और यूनिवर्सिटी
छात्रों को मीजी मंदिर के प्रांगण
में आयोजित भव्य परेड के बाद
युद्ध में भेजा गया!

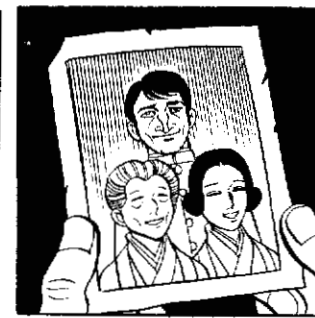
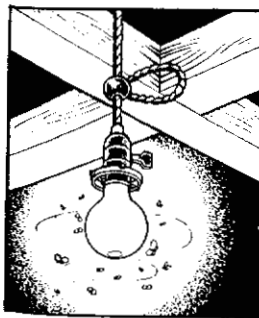
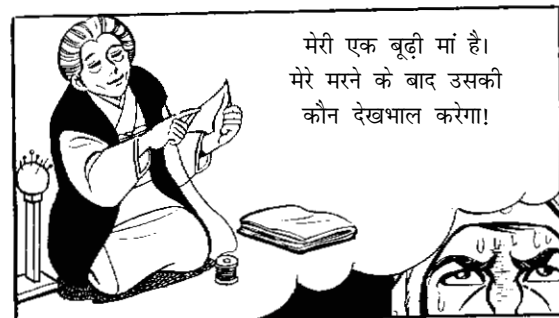
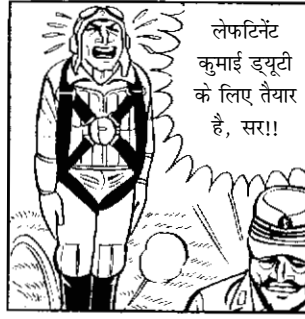
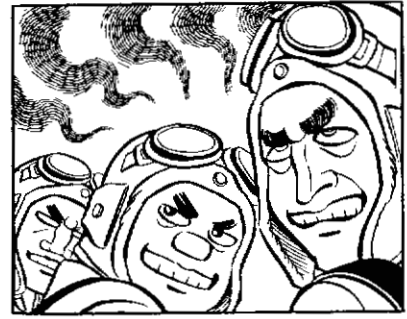
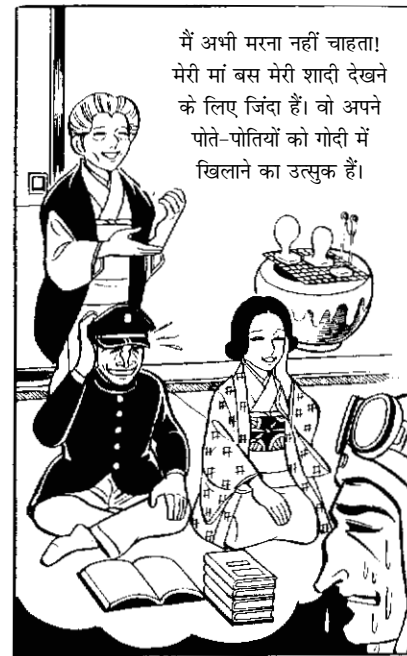
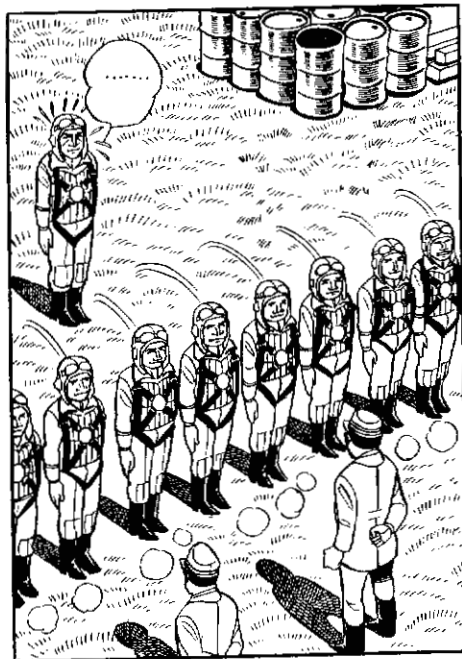


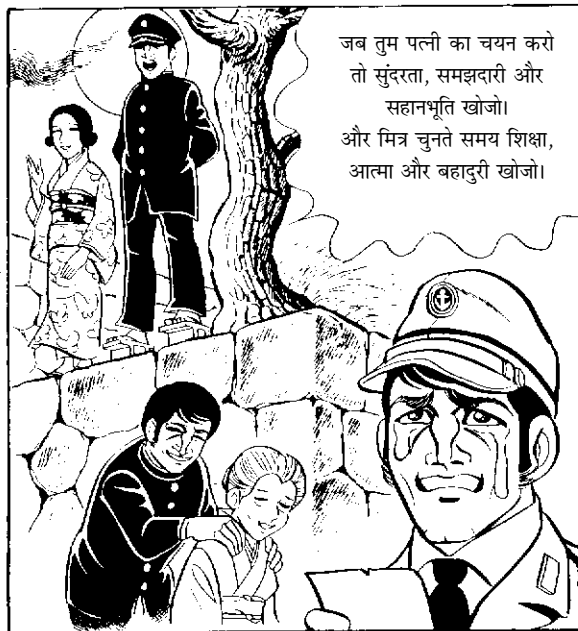
हम कामाकाजी
विशेष दस्ते के
लिए रंगरूट
भर्ती कर रहे हैं।

युद्ध अब बहुत मुश्किल होता
जा रहा है। हम अपील करते
हैं कि आप लोग दुश्मन के
जहाजों पर बम्ब बरसायें।

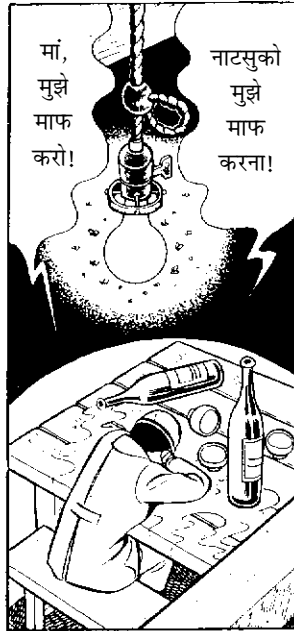


शामिल
होने वाले
आगे
आयें!



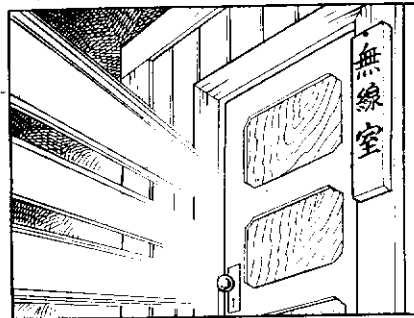


जब तुम पत्नी का चयन करो
तो सुंदरता, समझदारी और
सहानुभूति खोजो।
और मित्र चुनते समय शिक्षा,
आत्मा और बहादुरी खोजो।



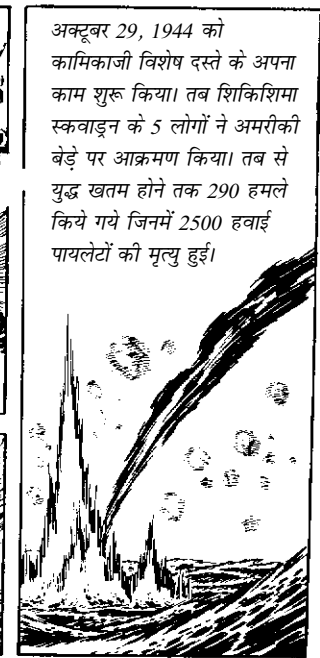
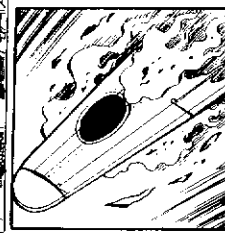
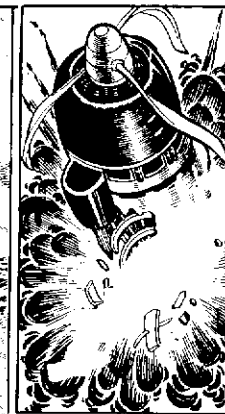
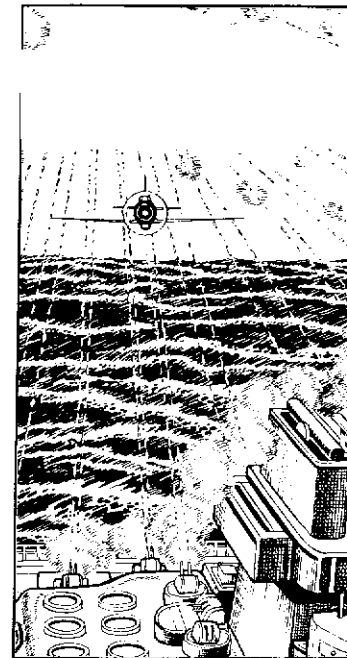
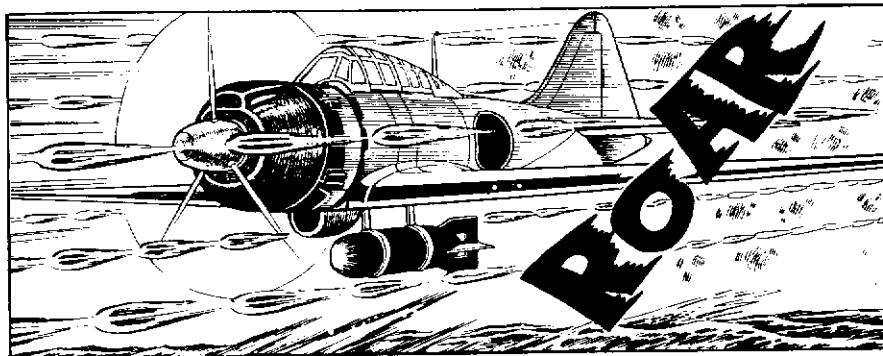
मां,
मुझे
माफ
करो!

नाटसुको
मुझे
माफ
करना!



पायलेट सकाटा
रिपोर्टिंग! दुश्मन के
जहाज पर वार करने
को तैयार!

चलो
करो!



अक्टूबर 29, 1944 को
कामिकाजी विशेष दस्ते के अपना
काम शुरू किया। तब शिकिशिमा
स्कवाड्रन के 5 लोगों ने अमरीकी
बेड़े पर आक्रमण किया। तब से
युद्ध खतम होने तक 290 हमले
किये गये जिनमें 2500 हवाई
पायलेटों की मृत्यु हुई।



कामीहाना और केम्पू स्कवाड्रन
के तीस जहाज ध्वस्त हुए और
कोई सफलता नहीं मिली!!

सफलता नहीं
मिली पर वो पूरी
कोशिश नहीं कर
रहे हैं!



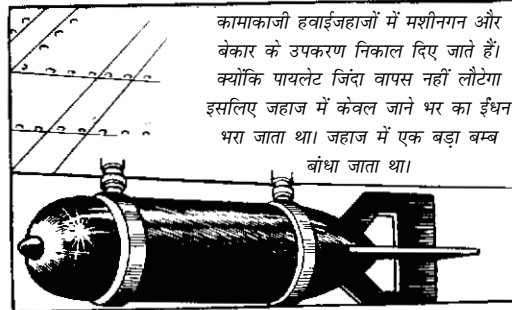
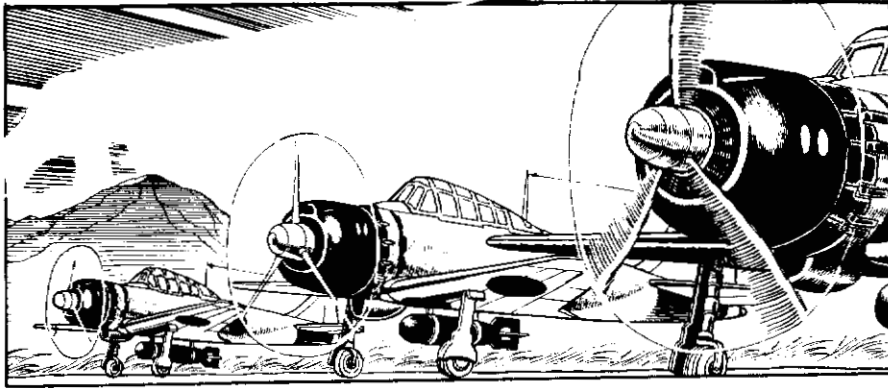
अगर अगली
स्कवाड्रन इससे कुछ
अच्छा करे तो मुझे
खुशी होगी।



मूर्खों! कामाकाजी के सभी
वायुयान धीरे-धीरे नष्ट हो
रहे हैं - हर एक में एक
पायलेट मर रहा है!



क्या तुम लोग कोई
खेल, खेल रहे हो?
क्या यह लोग भी इस
मशीन का हिस्सा हैं?



कामाकाजी हवाईजहाजों में मशीनगन और बेकार के उपकरण निकाल दिए जाते हैं। क्योंकि पायलेंट जिंदा वापस नहीं लौटेगा इसलिए जहाज में केवल जाने भर का ईंधन भरा जाता था। जहाज में एक बड़ा बम्ब बांधा जाता था।



मेरे लिए प्रार्थना करो!

हां, सर!



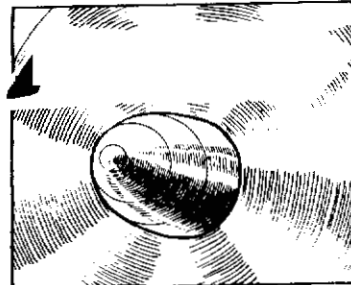
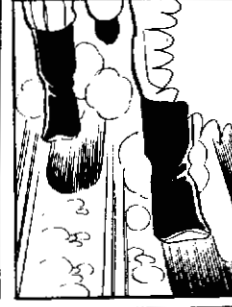
जाने से पहले एक जाम! शायद आखरी!



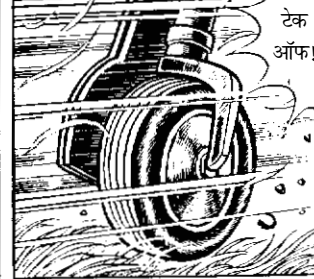
गुडलक!



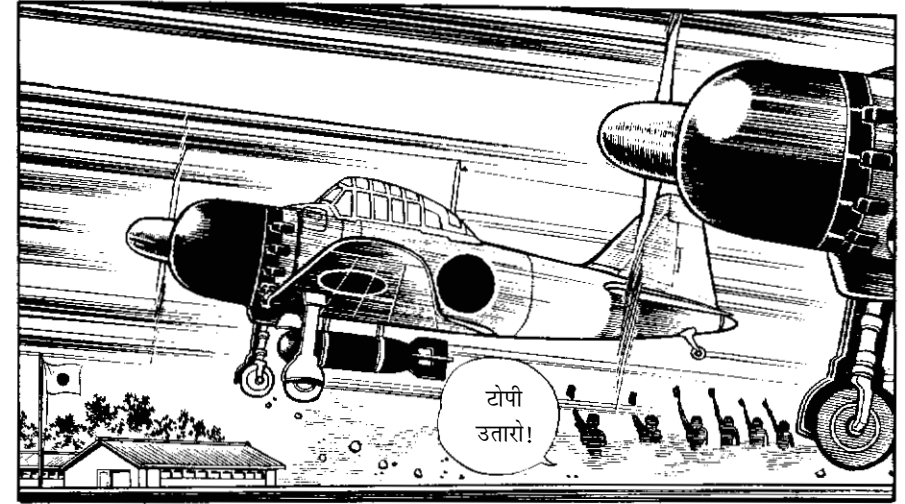
केनशिन स्कवाड्रन अब उड़ने को तैयार है!



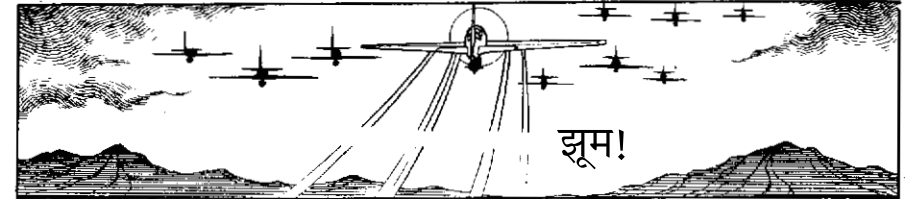
मां, नाटसुको, मुझे माफ करना।



टेक ऑफ!



टोपी उतारो!



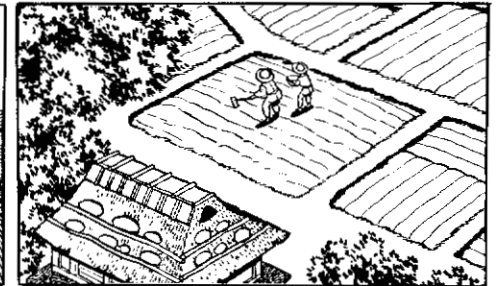
झूम!



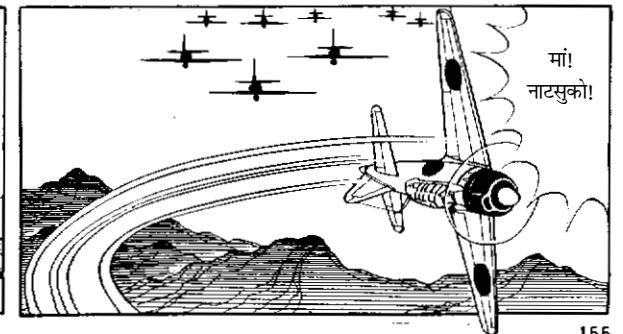
यह हवाईजहाज मुझे सीधे घर के ऊपर से ले जायेगा!



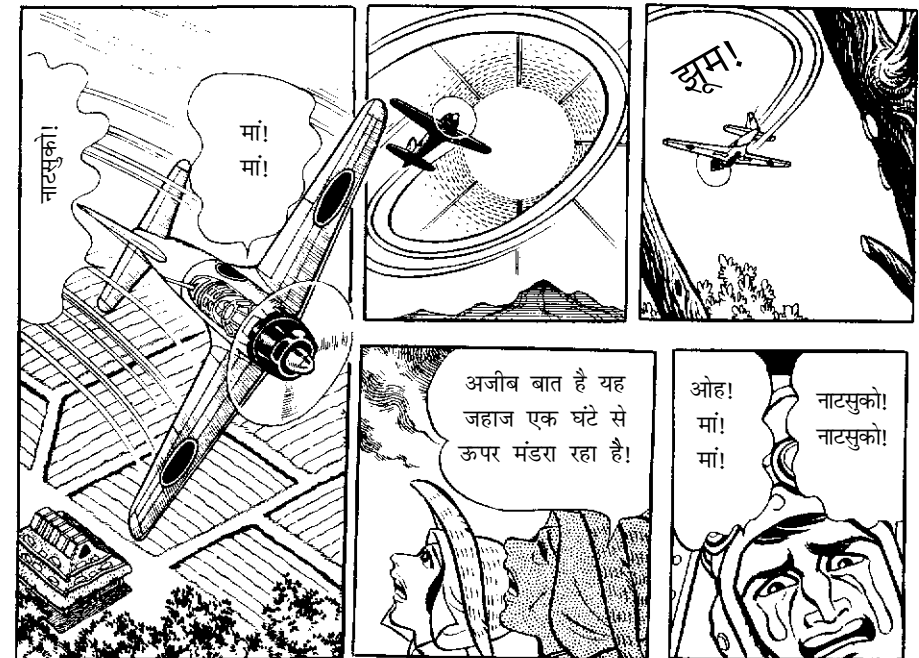
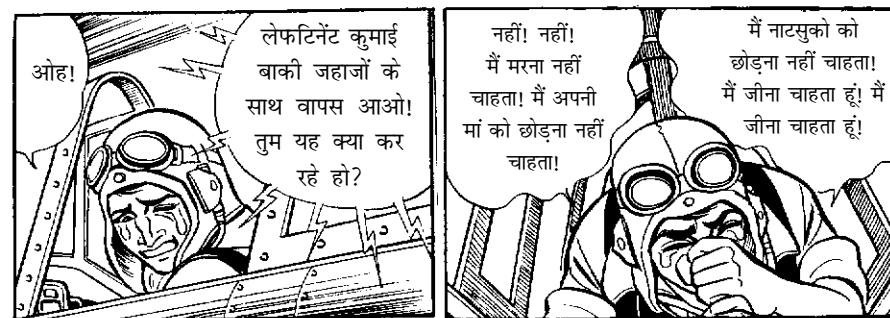
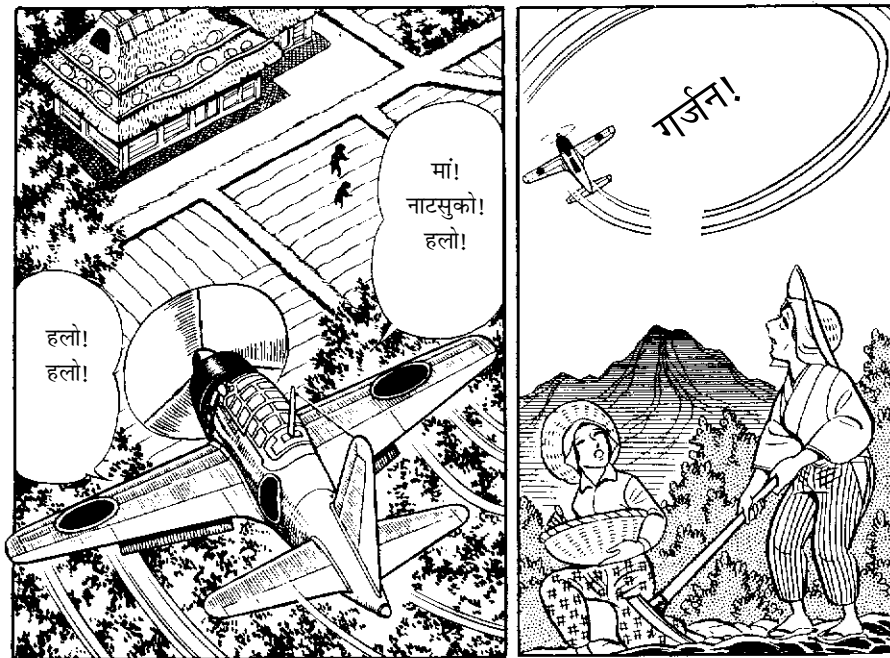
आह!

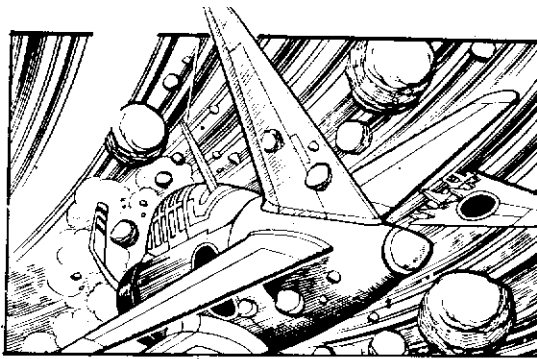


मां और नाटसुको!



मां! नाटसुको!





हांफना!
हांफना!



कराहना



डाईजिरो

क्या?



डाईजिरो!



मां!



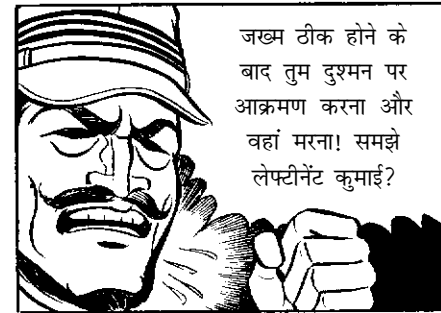
मां!
मां मैं डरा
हूँ। मैं मरने
से डरता हूँ।



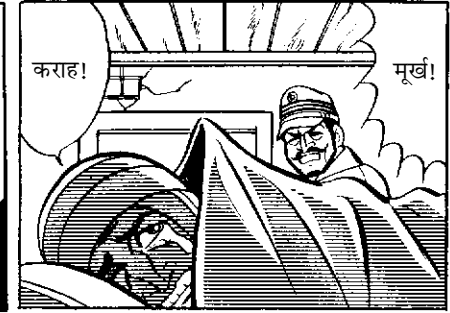
सम्राट का मंहगा जहाज नष्ट करने के
पाप का तुम क्या प्रायश्चित्त करोगे?
हमारे पास लोग तो बहुत हैं, पर
जहाजों की बेहद कमी है!

कायर! तुम्हारे मित्र
दुश्मन पर हमला
करते हुए शहीद हुए!

लेफ्टीनेंट कुमाई तुमने
अपने यूनिट की नाक
कटाई है। तुम्हें शर्म
आनी चाहिए।



जख्म ठीक होने के
बाद तुम दुश्मन पर
आक्रमण करना और
वहां मरना! समझे
लेफ्टीनेंट कुमाई?



कराह!

मूर्ख!



मेरी मां अब दिन भर रोती है,
क्योंकि पड़ोसी उसे देशद्रोही की मां
बुलाते हैं। यह सब मेरी गलती है।



मिस्टर
कुमाई!

मुझे बुरा क्यों समझा जा
रहा है, जब कि मैंने
ईमानदारी से काम किया?



बेटा! तुम जिंदा रहो!
जिंदा और मुक्त रहो, जैसे हम नहीं रह पाये!
ऐसी दुनिया निर्माण करो जिसमें तुम अपनी प्रेमिका से
शादी कर सको और परिवार के साथ सुखी रह सको!



यह किसी मर्द
के करने लायक
काम है!



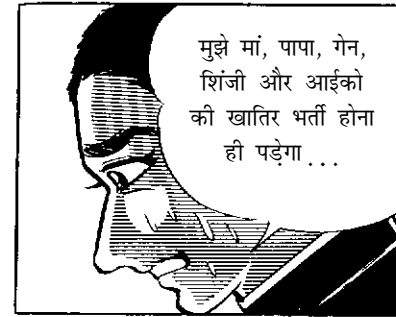
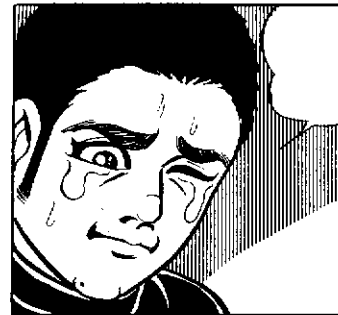
श्री कुमाई
मुझे थोड़ी
साके दें?



दारू
पियो?

आपकी साके
लाजवाब है!

वाह!

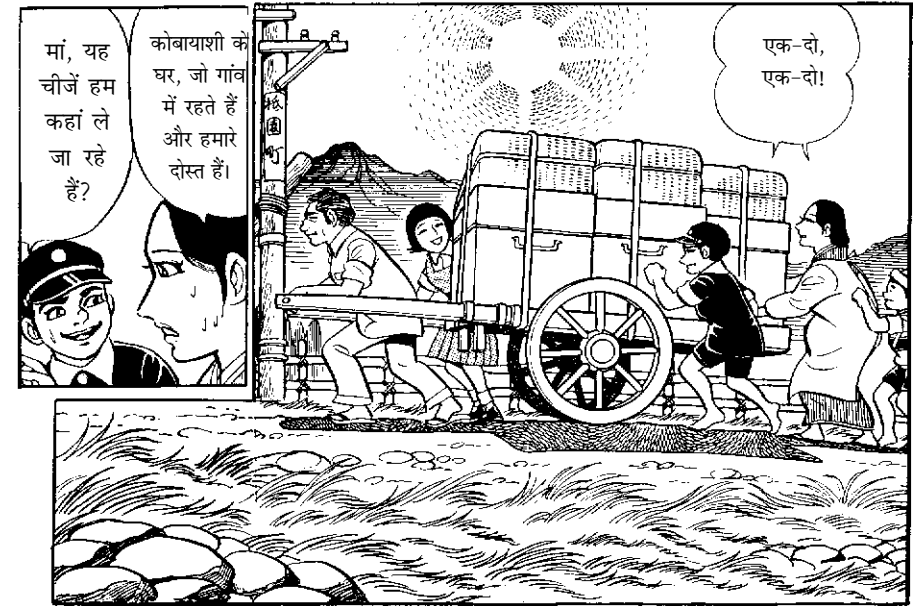
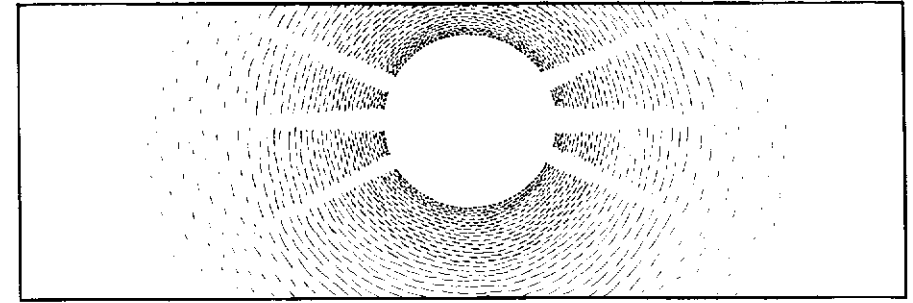
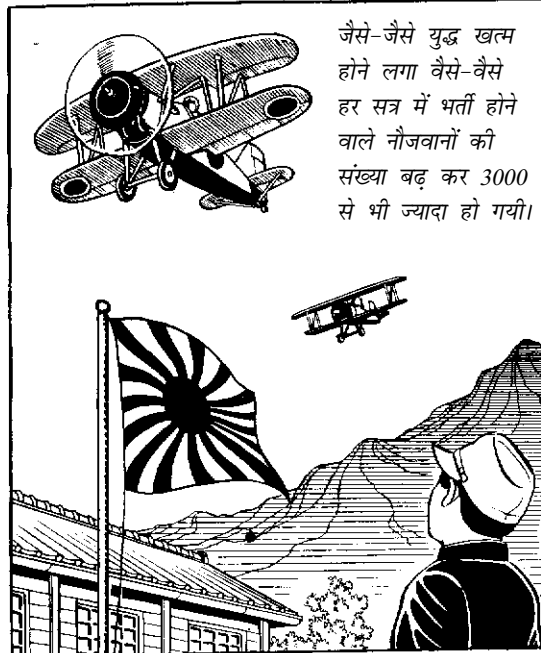


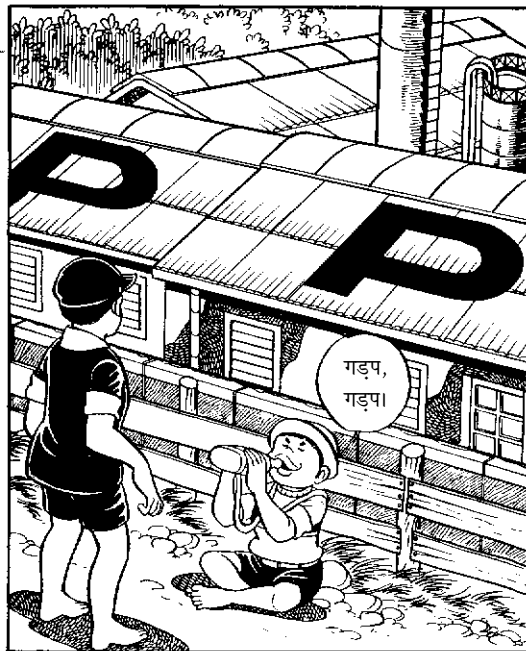
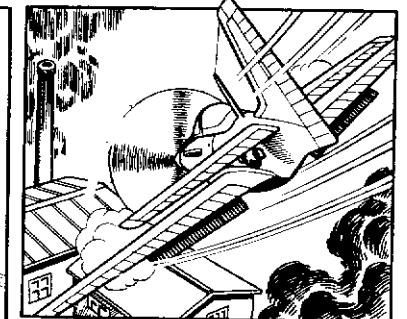
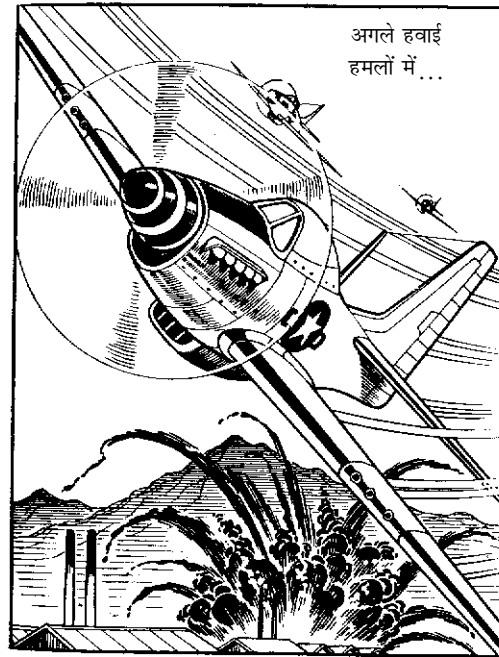
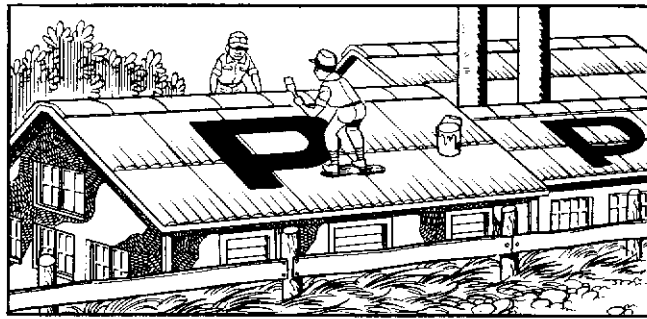
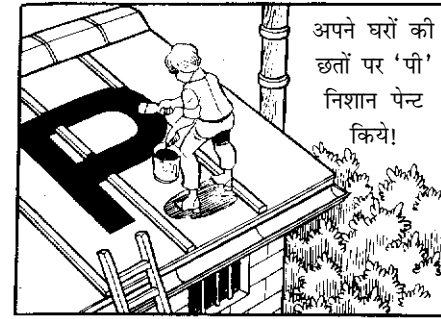


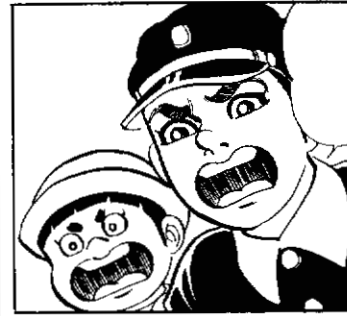
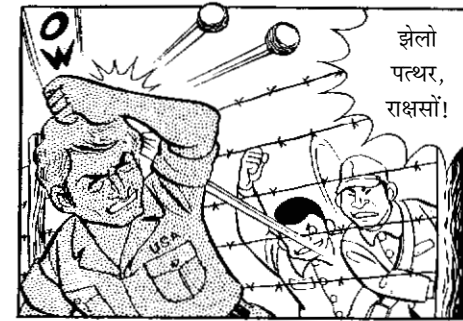
(चिन्ह: कागाशिमा नौसेना एअर कोर)

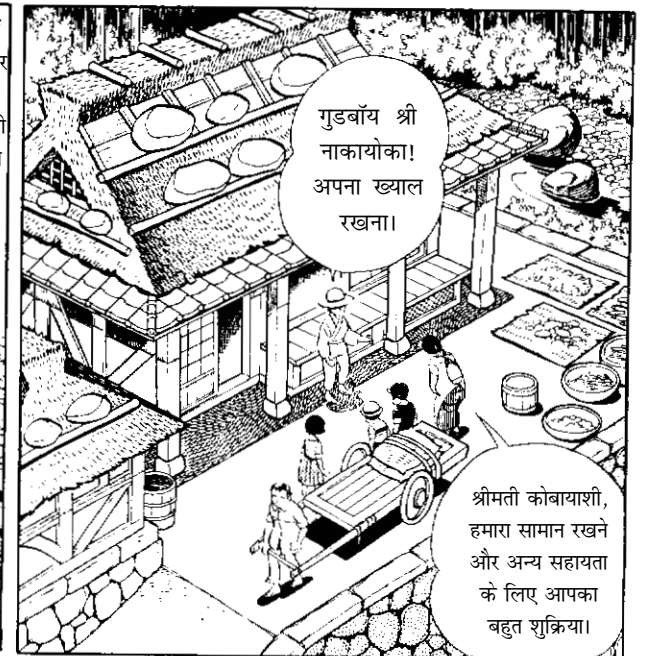
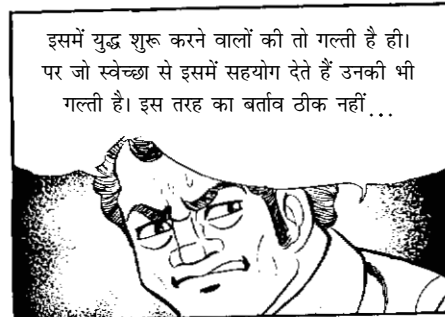


पोस्टर: यूथ ट्रेनिंग कोर में भर्ती होने वाले नौजवानों का स्वागत है।











ही!
ही!
ही!
ही!

हा!
हा!
हा!
हा!

कितना अच्छा हुआ
शिंजी! उन्होंने हमें
इतनी सारी
शकरकंदी भेंट कीं!

हां
भाई!
क्या
बात है!



हम भाग्यशाली हैं। यह शकरकंदियां
महीना भर चलेंगी और बच्चों को भूखे
पेट नहीं सोना होगा।



क्या हम
शकरकंदी
खायें,
मां?

मां! हमें
शकरकंदी दो!
देरी सही नहीं
जाती!



ठीक
है!

वाह!



चबाना, चबाना



क्या स्वाद
है, शिंजी!

हां!

क्या
स्वाद
है!



दुनिया के सारे भिखमंगे
गेट के सामने थामे अपना कटोरा
श्रीमान हमें पेट भर चावल दो!



मुझसे यह सब देखा नहीं
जाता, किमी! देखो यह
कच्ची शकरकंदी खाकर
कितने खुश हैं!



हो!



रुको!
यह कहाँ
से लाये?

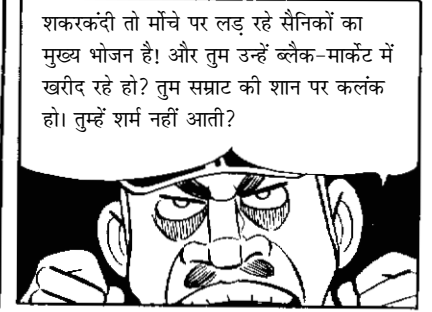


हमारे
दोस्त ने
हमें दिए
हैं।

मुझे क्यों पागल
बना रहे हो? तुमने
इन्हें ब्लैक-मार्केट
में खरीदा!
क्यों है न?



तुम आखिर अपने आप को क्या समझते
हो? जापानी लोग भूखे पेट युद्ध लड़ रहे
हैं। उधर तुम मजा लूट रहे हो।



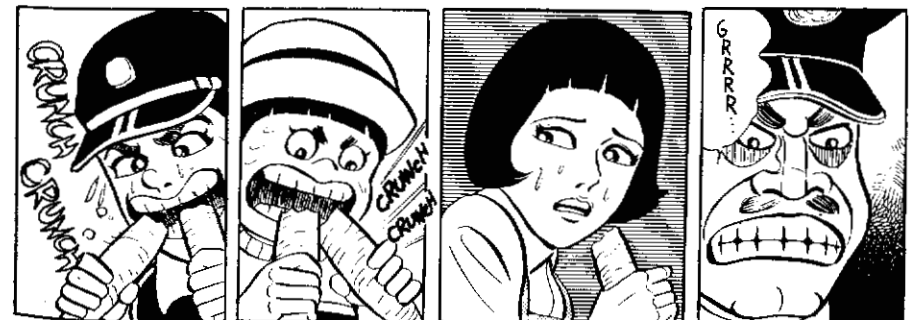
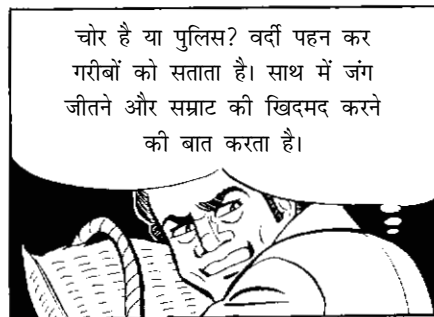
शकरकंदी तो माँचे पर लड़ रहे सैनिकों का
मुख्य भोजन है! और तुम उन्हें ब्लैक-मार्केट में
खरीद रहे हो? तुम सम्राट की शान पर कलंक
हो। तुम्हें शर्म नहीं आती?

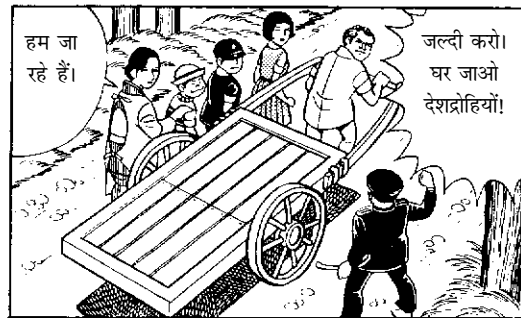
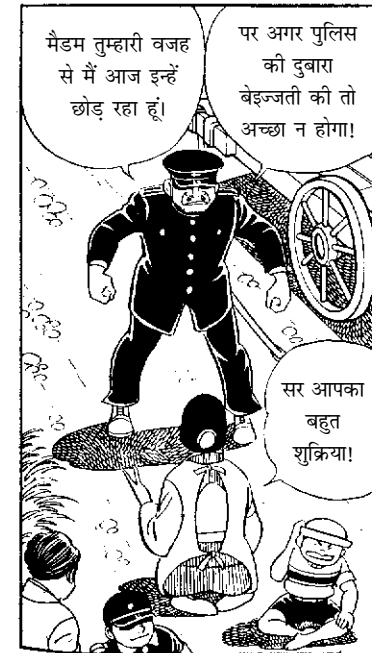


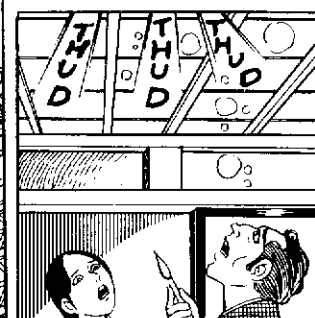
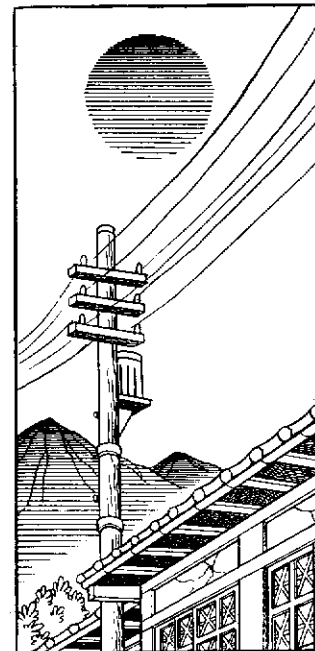
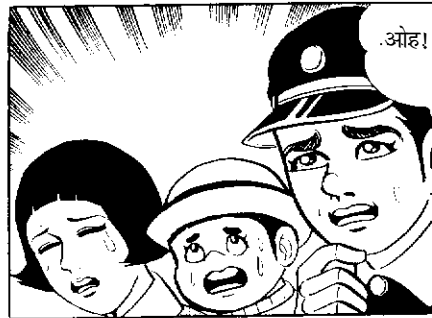
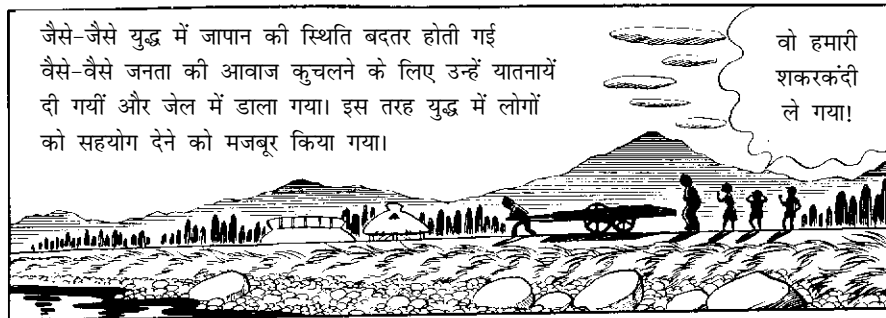
देशद्रोही!

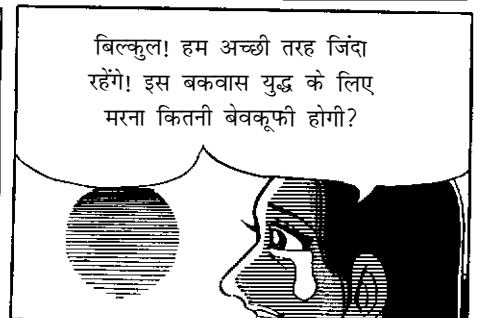
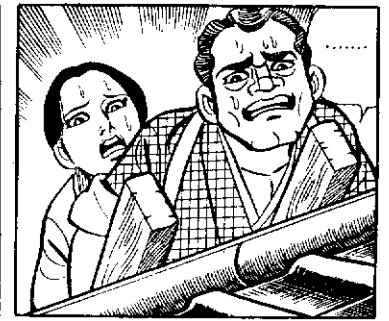


पापा!





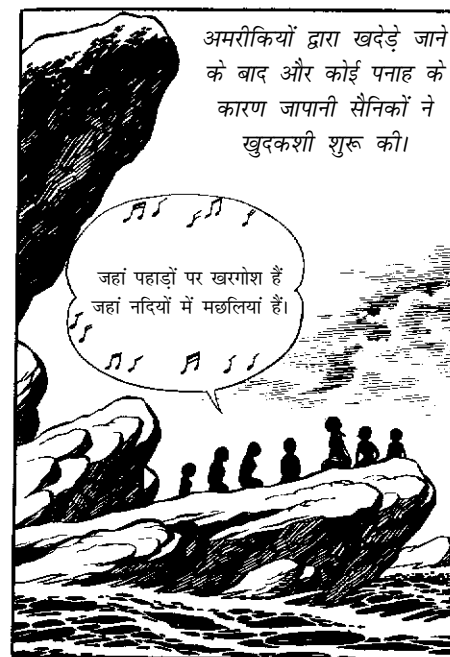
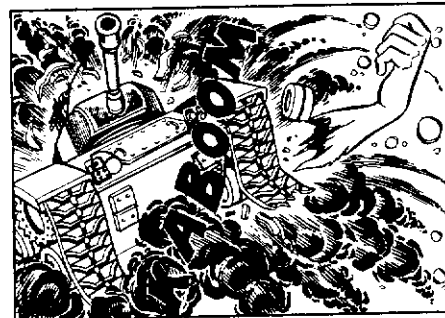




जून 23 1945 को जापान की आखिरी उम्मीद पर भी पानी फिर गया। ओकिनावा द्वीप लाशों से भर गया...



छात्रों को जबरदस्ती फौज में भर्ती किया गया। छात्रों ने शरीर से बम्ब बांधे और टैंकों के रास्ते में लेट गये।



अमरीकियों द्वारा खदेड़े जाने के बाद और कोई पनाह के कारण जापानी सैनिकों ने खुदकशी शुरू की।



वो बम्ब की लपटों में झुलस कर राख हो गये।



या फिर मशीनगनों से भूने गये।



अपने देश जापान की रक्षा ने लिए वो अमरीकियों से बहादुरी से लड़े। पर सब कुछ बेकार गया।

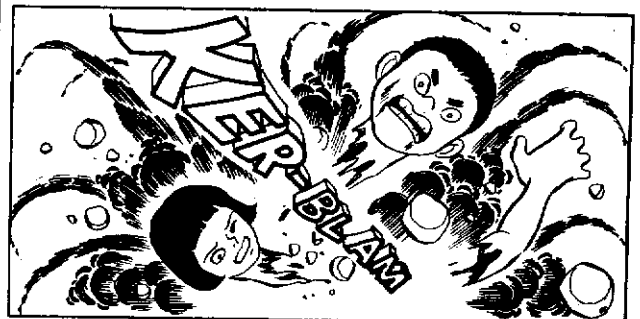
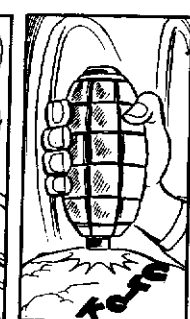


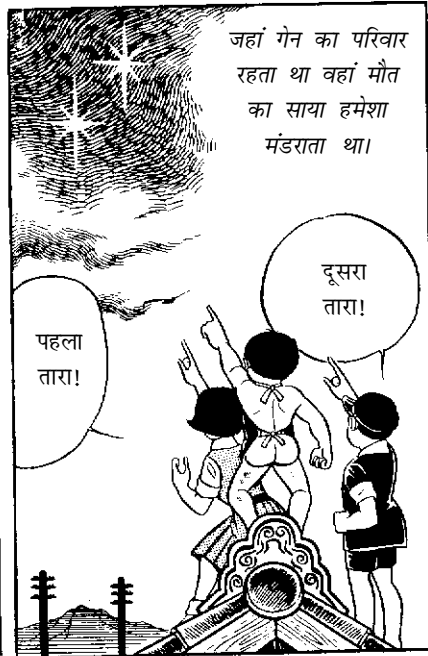
बैन्जाई सम्राट अमर रहे!

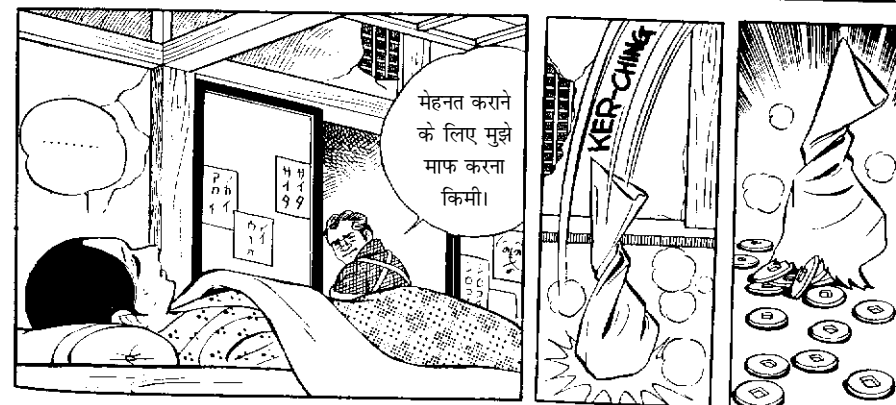
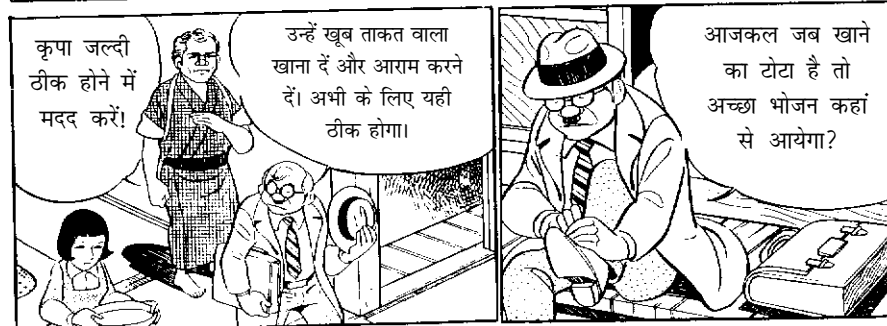
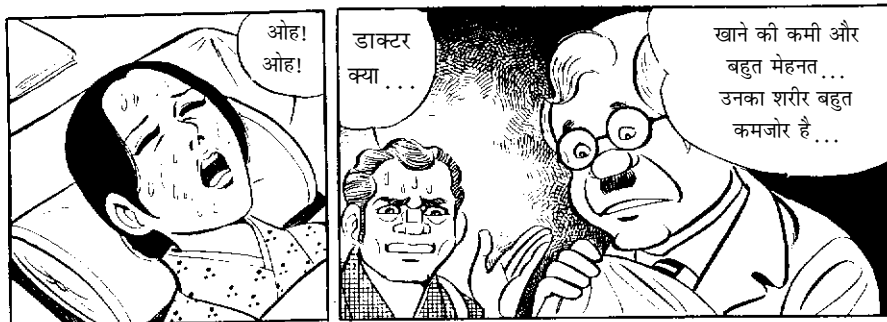
बैन्जाई जापानी सम्राट अमर रहे!

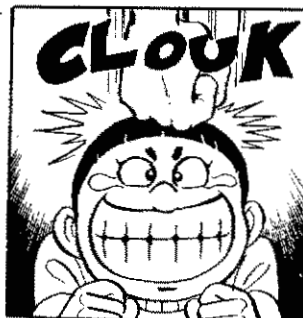
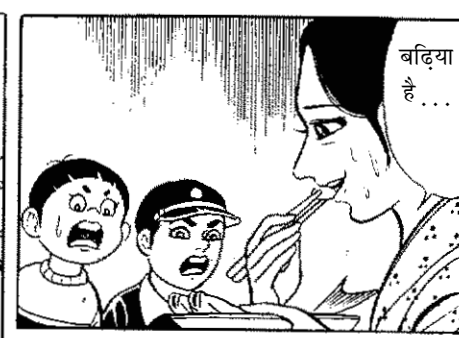
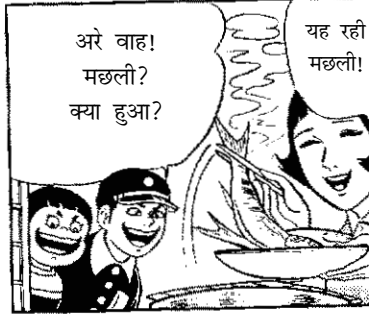
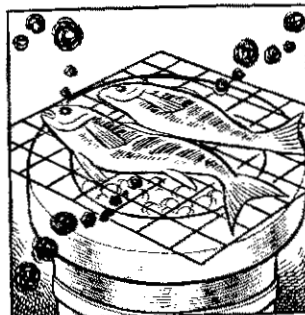


ठीक है! सब तुरन्त मर जायेंगे!

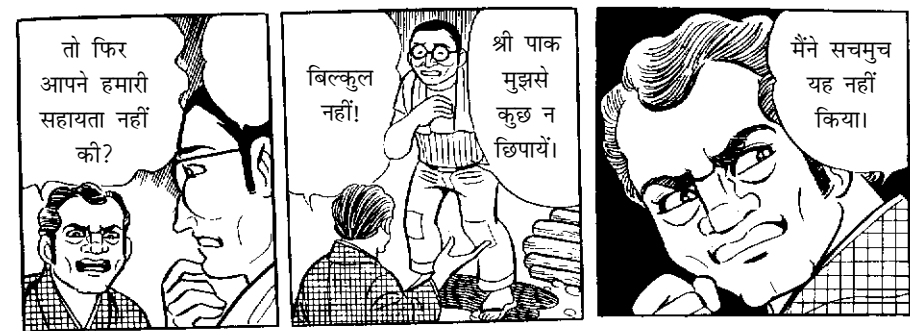














प्रिय आप
नाकायोका को
इतना नहीं
सतायें।



हाल में मुझे
नाकायोका के
युद्ध-विरोधी विचार
ठीक लगते हैं।

हमें रोजाना हवाई हमलों
से बचने के लिए छिपना
पड़ता है। खाने की भी
किल्लत है।

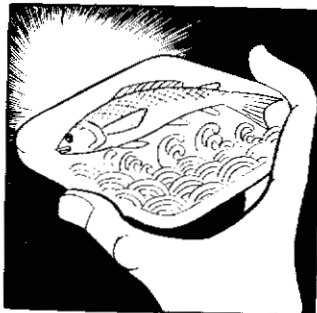


युद्ध के पक्ष में एक
भी अच्छी बात नहीं
है! युद्ध ने हमारा क्या
भला किया है?

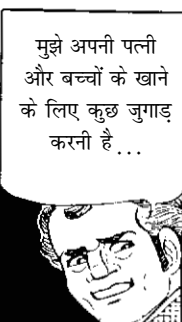


मूर्ख! जापान के
युद्ध जीतने के
बाद हालात
सुधरेंगे।

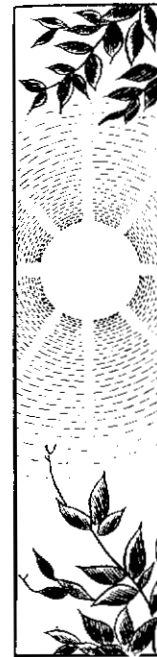
सच में?
मुझे यह
सबकुछ झूठ
लगता है।



कल मैं इस कीमती क्लिप को
गिरवी रखकर कुछ कर्ज
लाऊंगा। इससे मुझे खर्च के
लिए कुछ पैसे मिल जायेंगे।



मुझे अपनी पत्नी
और बच्चों के खाने
के लिए कुछ जुगाड़
करनी है...



दूर-दराज जंगल
में एक बूढ़ा रहता
था अपनी बूढ़ी
पत्नी के साथ।

हां!
हां!
हां!

देखो
जरा!

वाह!



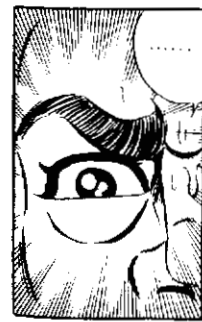
क्या हो
रहा है?
कुछ भिखारी
अच्छा नाटक
कर रहे हैं।



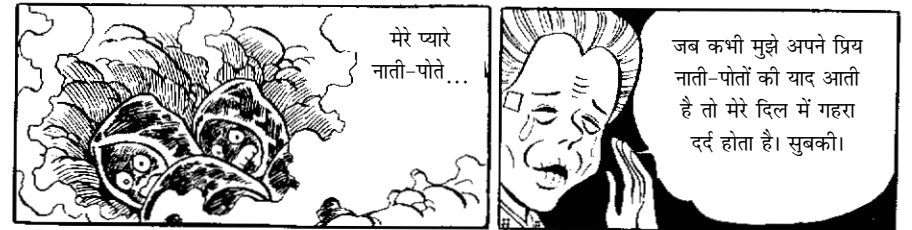
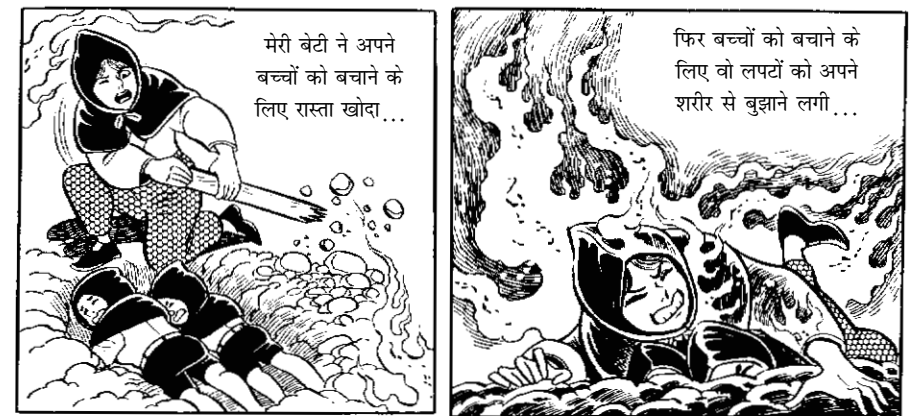
लगता है उनके पिता
युद्ध में शहीद हुए और
मां बीमारी से मरी।

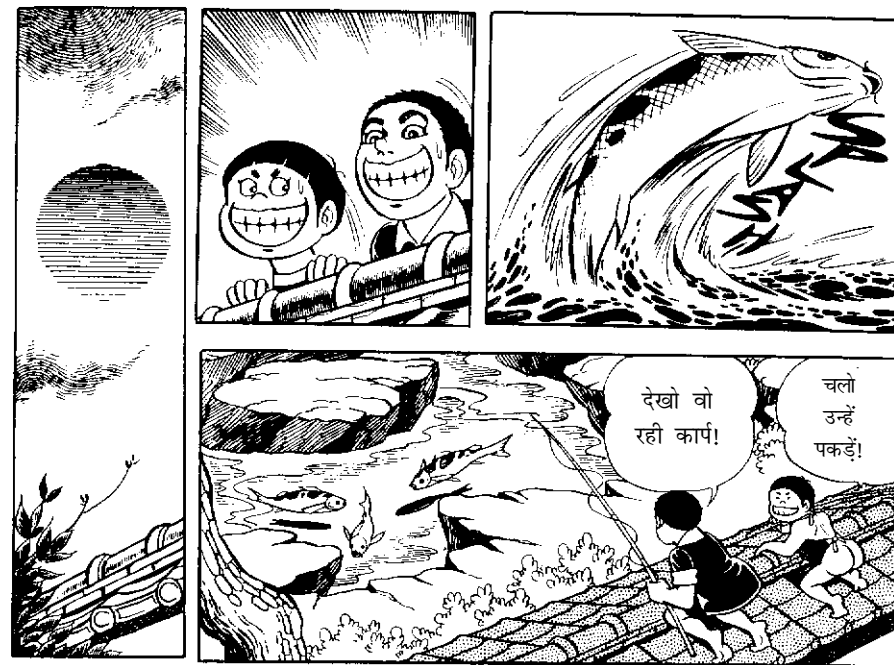
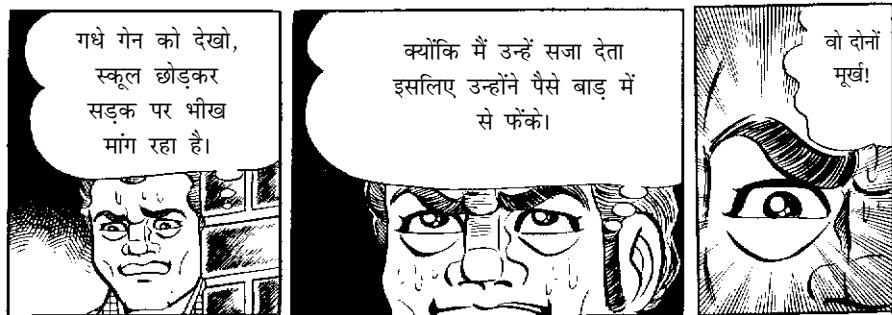
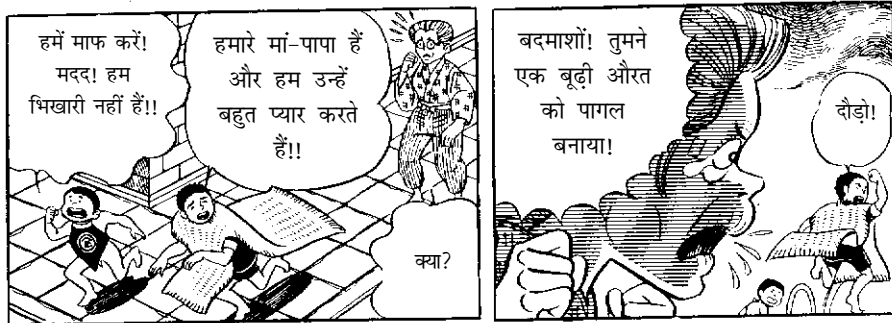


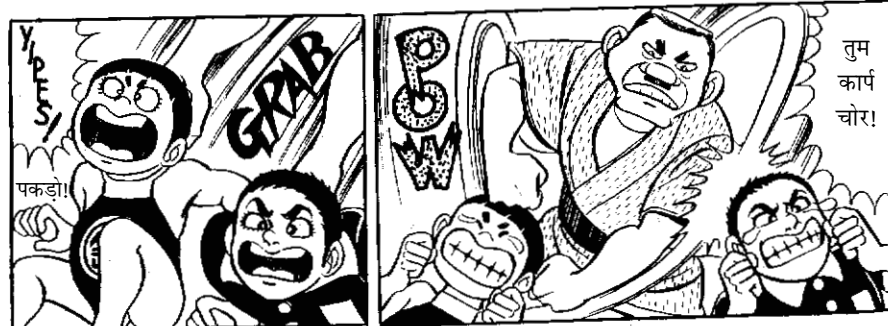
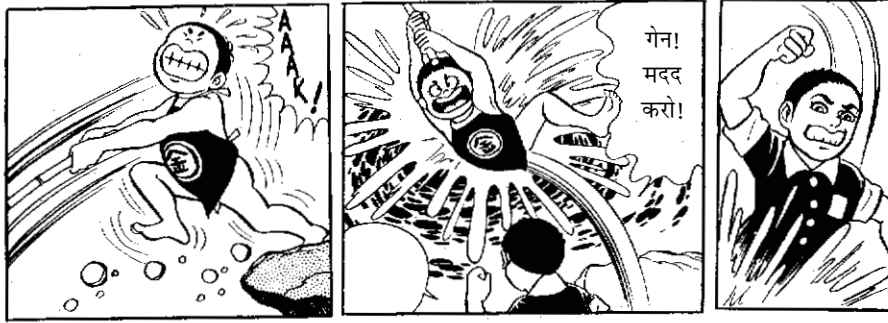
क्या!?

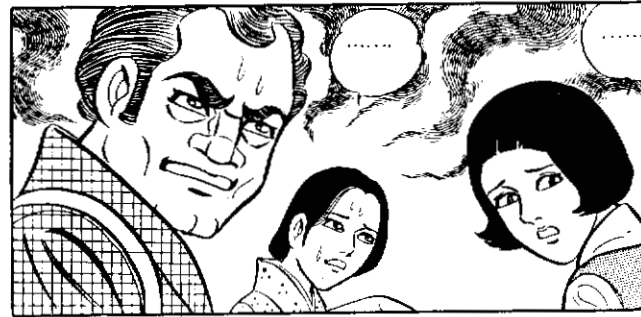


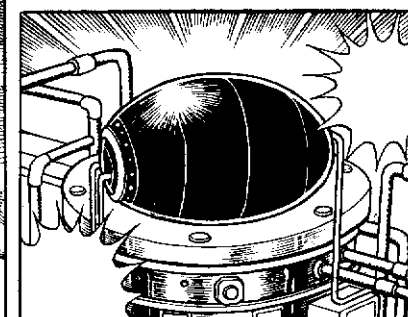
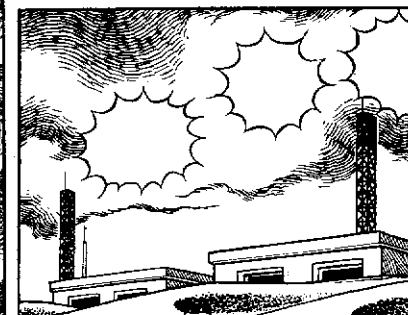
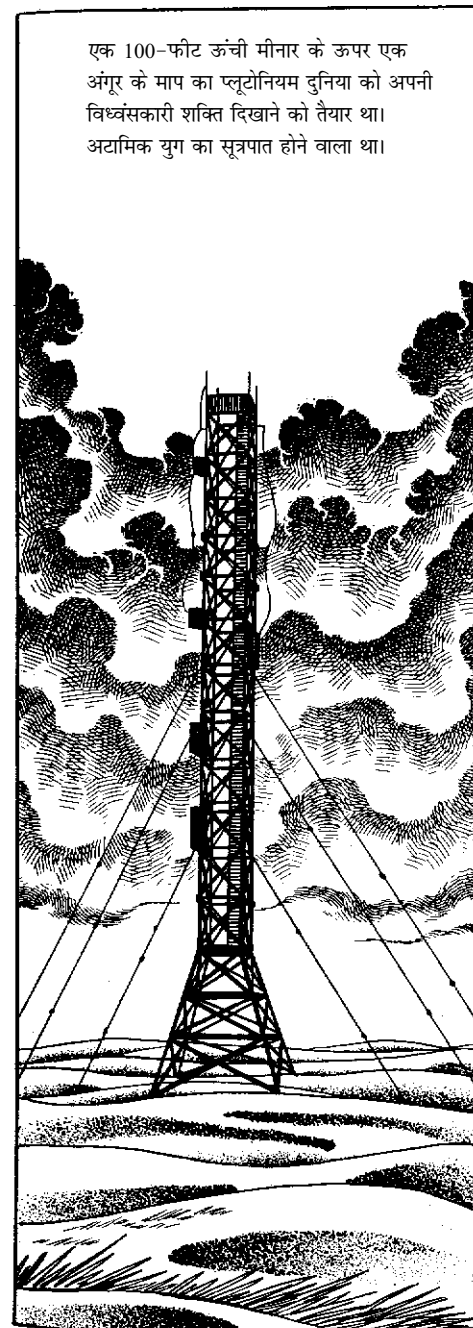
हां! इस बूढ़े को अपनी पत्नी
से प्रेम था, और पत्नी को बूढ़े
से। और धीरे-धीरे उन्होंने
अपना गुजारा चलाया। हां!

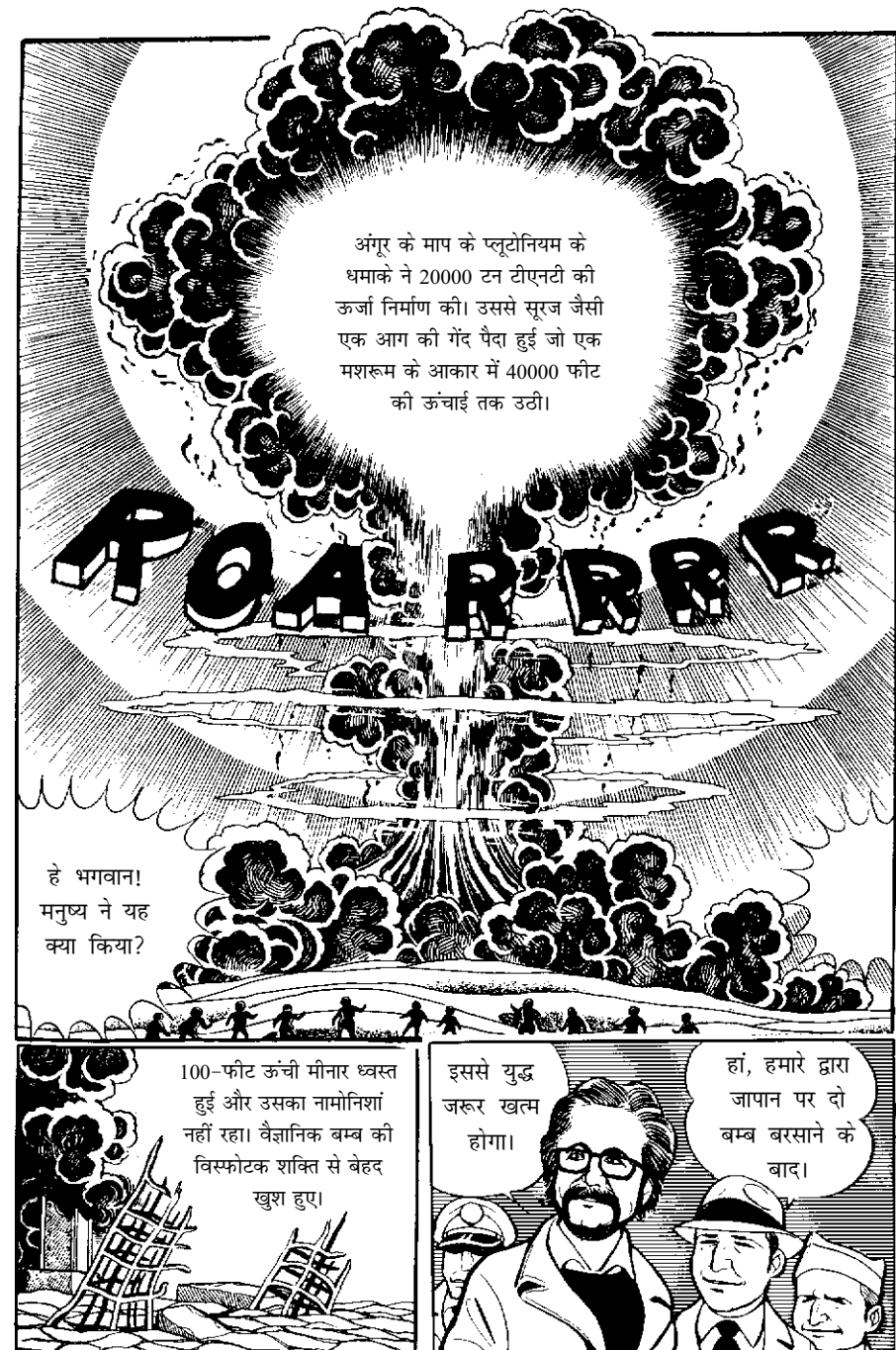
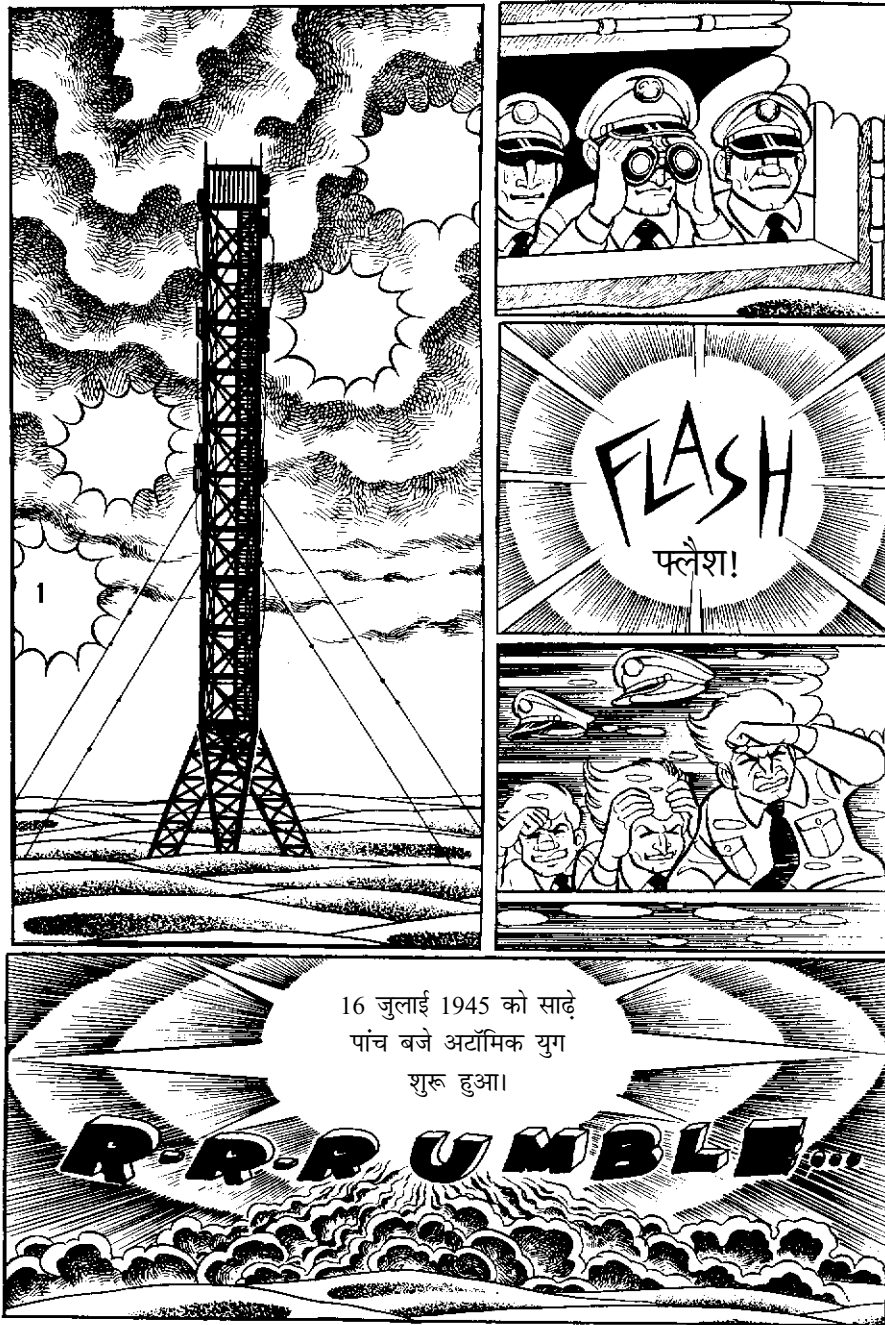








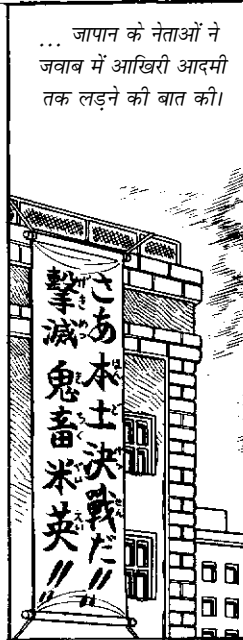




पोस्टर: 'अब हमें अपने वतन के लिए लड़ो!' 'अमरीकी और ब्रिटिश राक्षसों को खत्म करो!'



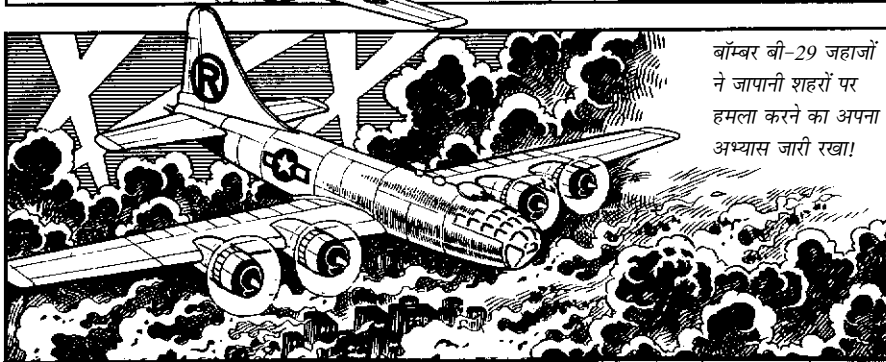
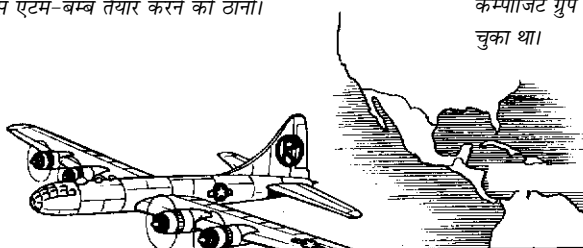
कुछ हफ्ते बाद 26 जुलाई को जापान के साथ लड़ने वाले तीन देशों - अमरीका, ब्रिटेन और इंग्लैंड के बीच पोट्सडैम में एक वार्ता हुई जिसमें जापान से बिना शर्त युद्ध बंद करने और आत्मसमर्पण की मांग की गयी। जापान को धमकी दी गई कि विरोध से उसकी सेना को बहुत क्षति पहुंचेगी और जापान ध्वस्त हो जायेगा। पर...



... जापान के नेताओं ने जवाब में आखिरी आदमी तक लड़ने की बात की।

इसलिए अमरीका ने जल्दी से एक ठोस एंटेम-बम्ब तैयार करने की ठानी।

एक गुप्त बॉम्बर स्वाडरन - 509 कम्पोजिट ग्रुप पहले ही स्थापित हो चुका था।

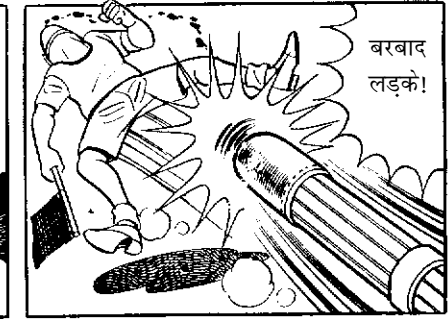
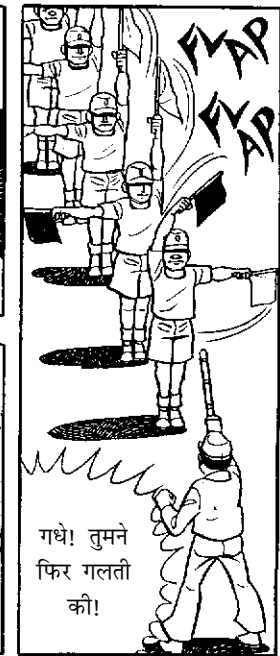
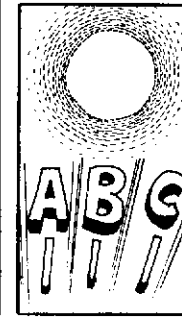
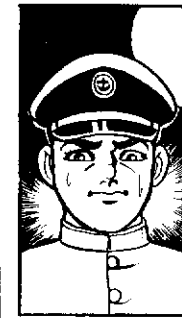


बॉम्बर बी-29 जहाजों ने जापानी शहरों पर हमला करने का अपना अभ्यास जारी रखा!



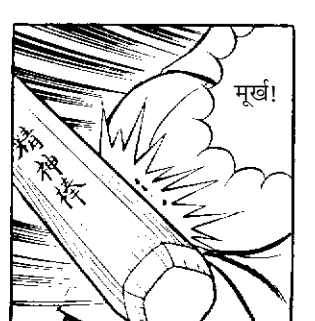
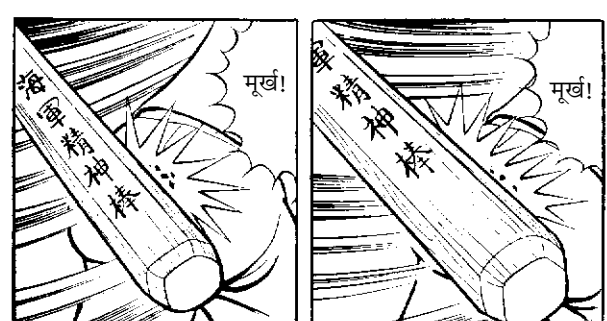
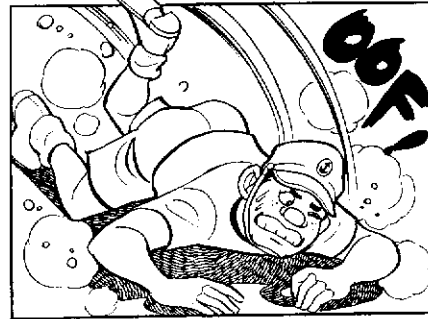
युद्ध के तेवर बदल रहे हैं और मुश्किलें बढ़ रही हैं। पर जब तक लोग 'यमाटो' की भावना से ओतप्रोत हैं तब तक जापानी साम्राज्य अवश्य जीतेगा।

तुम जैसे नवयुवक हमारे उज्ज्वल भविष्य की आशा हैं। रोजाना मेहनत करो जिससे कि तुम एक दिन मोर्चे पर जाकर लड़ सको!



वो गधा है! काश वो किसी दूसरे यूनिट में होता।







क्या तुमने
इससे कोई
सबक
सीखा?

आपका बहुत
शुक्रिया सारजेन्ट
ओकावारा!!



खारिज

कल से
परेड और
कठिन
होगी!



लगता है
उसकी कोई
हड्डी टूटी
है।

मेरे नितम्बों से
खून टपक
रहा है!



तुम यहाँ
पर क्यों
आये?

मुझे यूथ ट्रेनिंग
के लिए कभी
नहीं आना
चाहिए था!



दूर से सब इतना महान लग रहा था।
हर समय पिटाई होगी यह मुझे नहीं
पता था। अब सहन नहीं होता!



हैनाडा, तेरी वजह
से हमें भुगतना
पड़ता है!

कौनो, शिकायत
बंद करो। हैनाडा
अपनी पूरी
कोशिश कर
रहा है।



मैं बस घर
जाना चाहता हूँ
नाकायोका।

हैनाडा
अब
उठो!

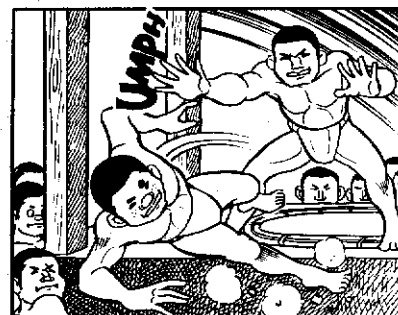


दर्द के मारे
मैं रात को
सो नहीं
पाऊंगा!

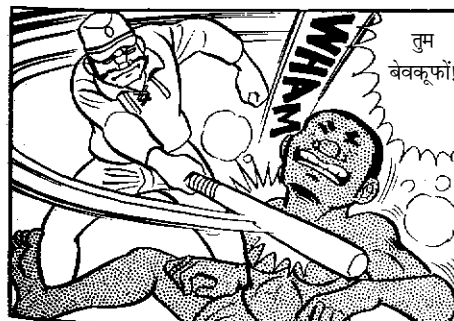
मेरे नितम्ब
दुख रहे हैं!



कोजी और उसके साथी दिन-रात सैनिक
ट्रेनिंग लेते रहे। सैनिकों को आज्ञाकारी बनना
चाहिए यह उनमें कूट-कूट कर भरा गया।



हैनाडा, तुम सब में तिलचट्टों
की अंतड़ियाँ हैं! कुश्ती तक
नहीं लड़ी जाती! तुम दुश्मन
को कैसे मारोगे!?

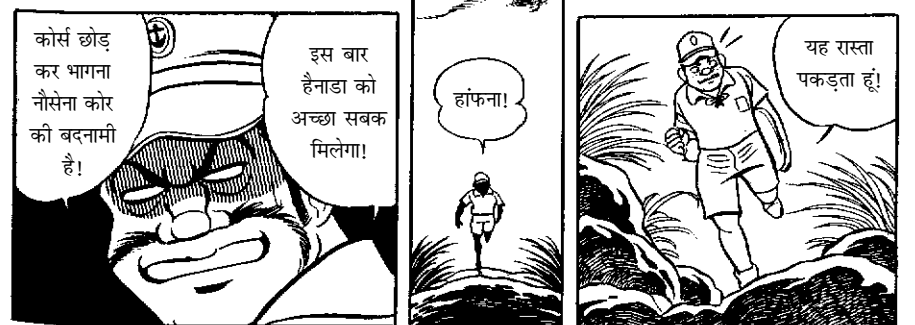
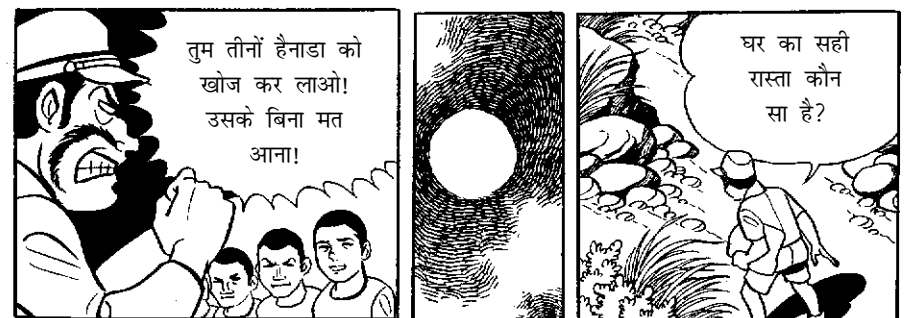
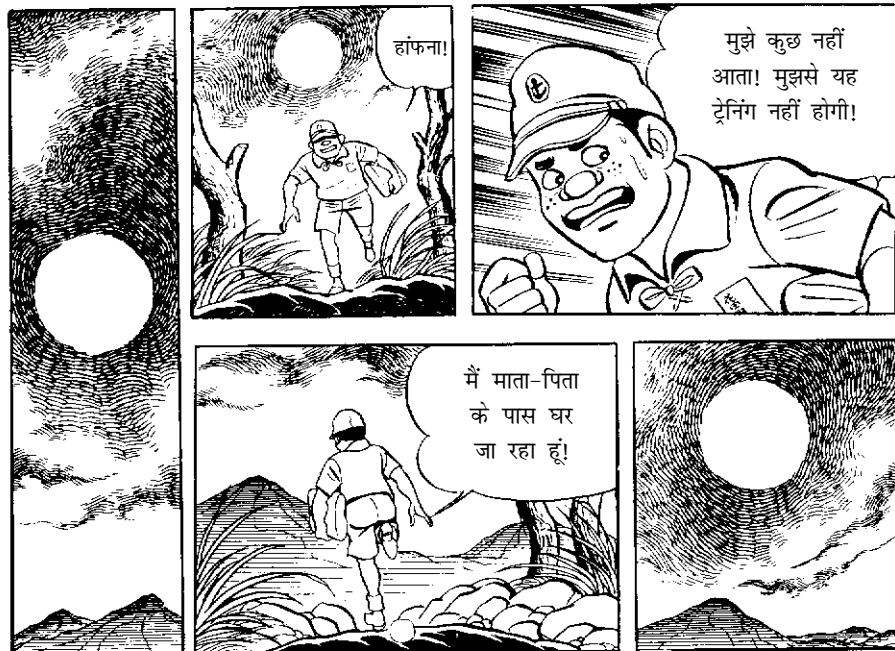


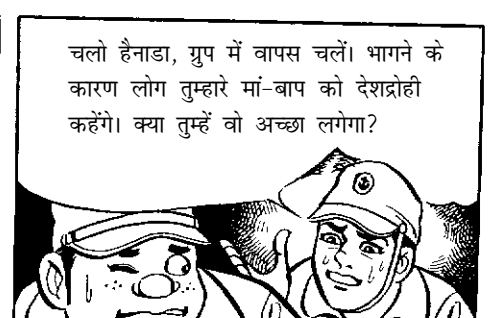
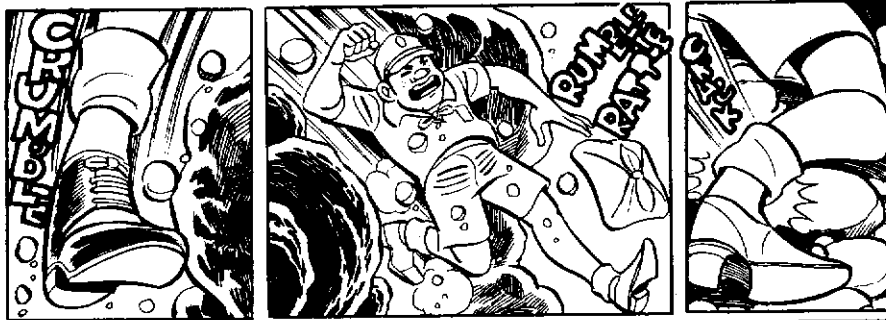
तुम
बेवकूफों!

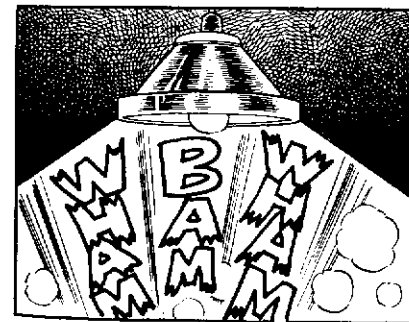
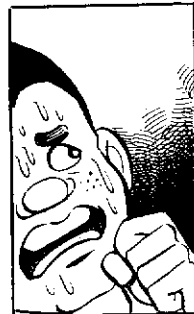
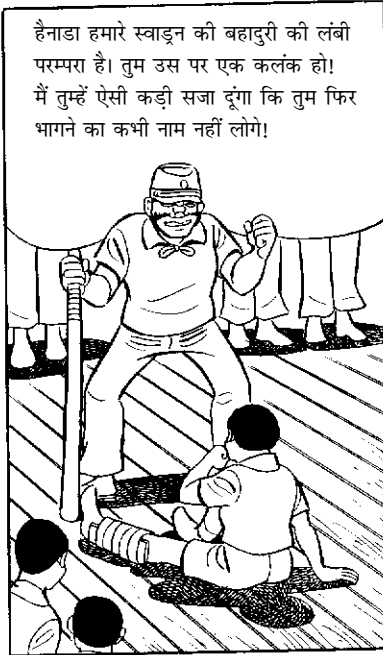
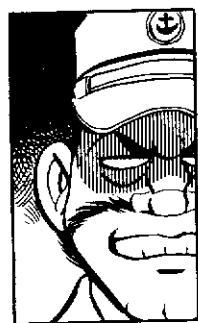
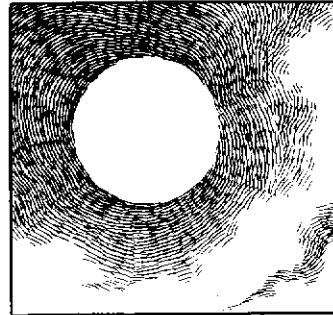


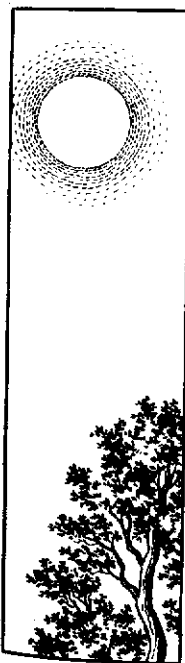
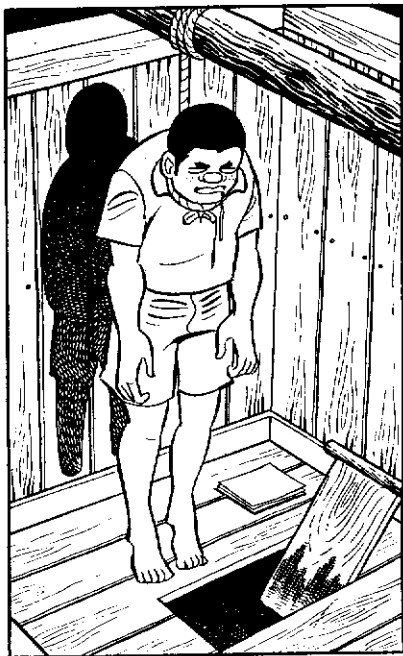
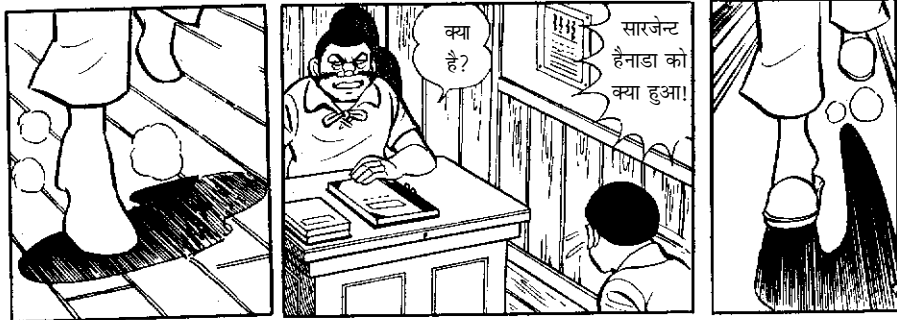
उसे
मत
छुओ

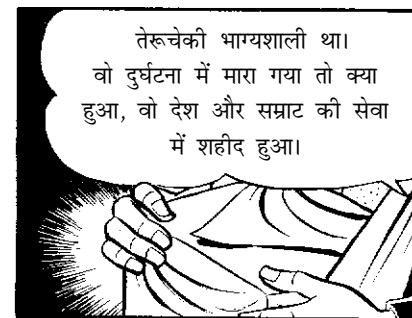
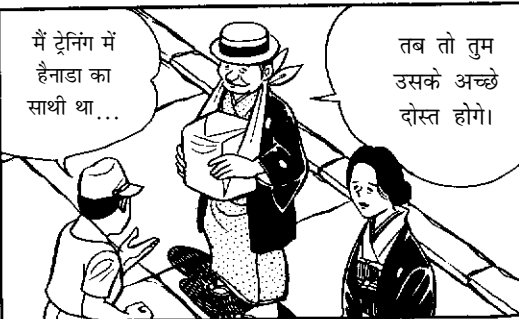
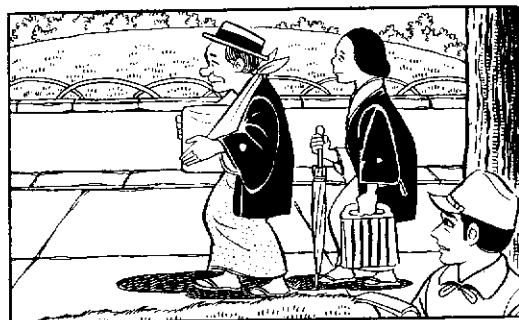
हैनाडा का
शरीर टंडा
पड़ गया है।

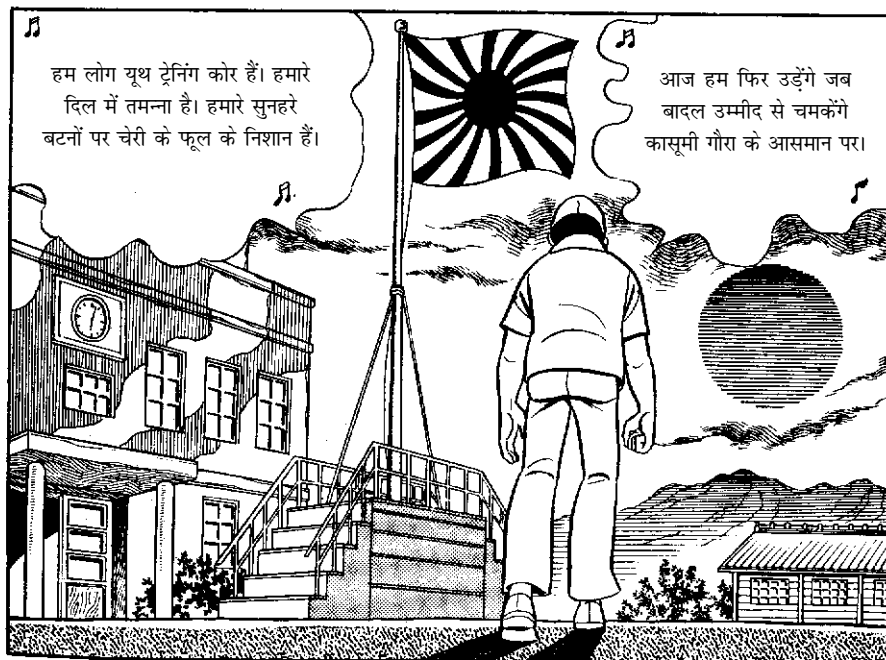
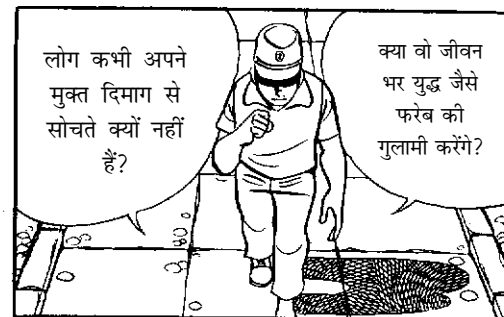
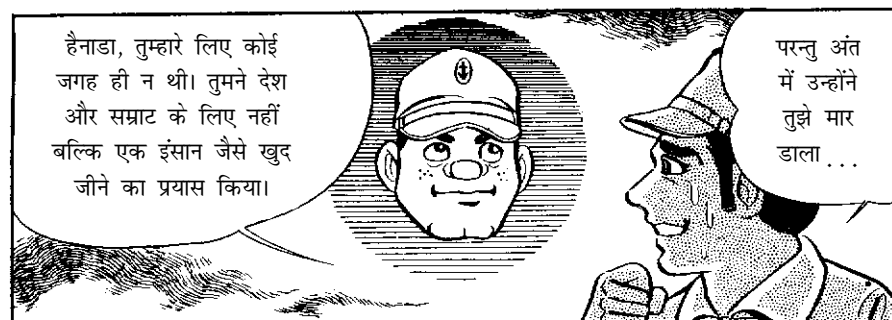


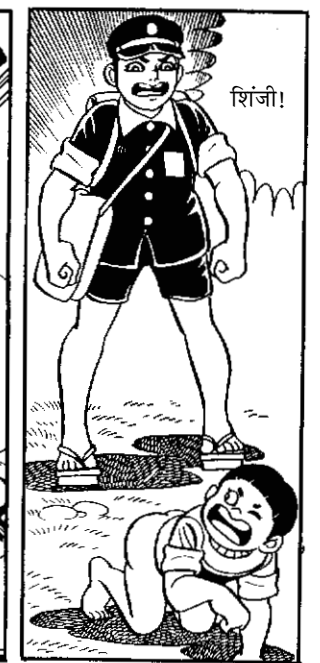
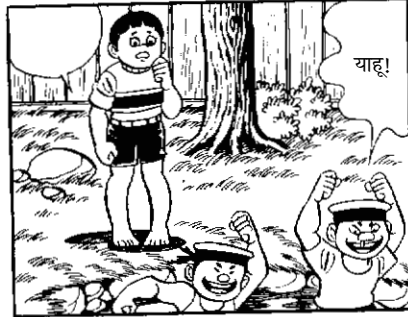
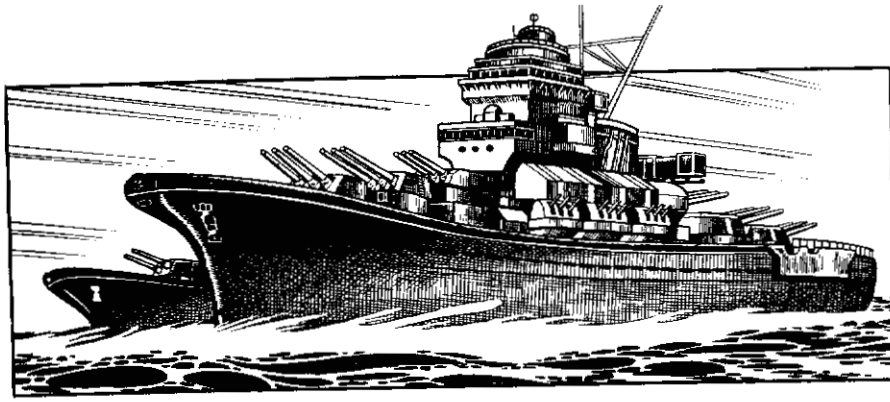


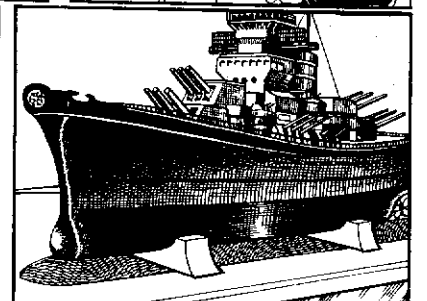
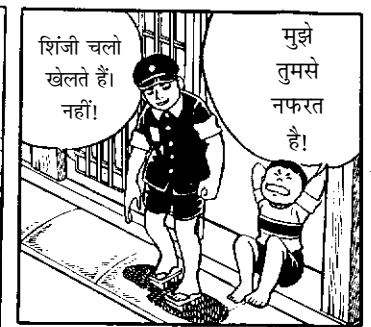
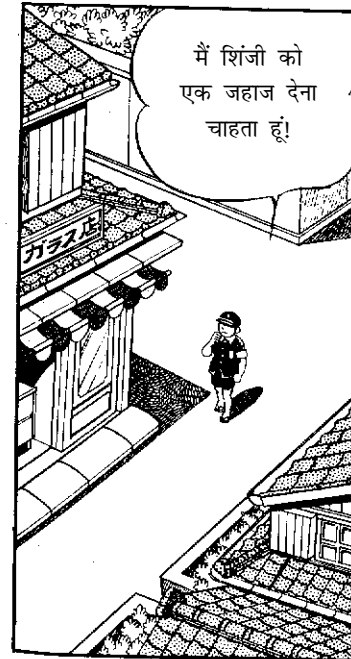
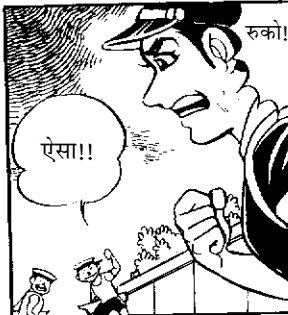
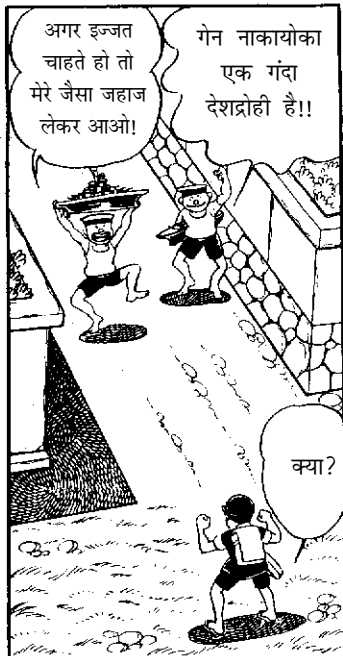


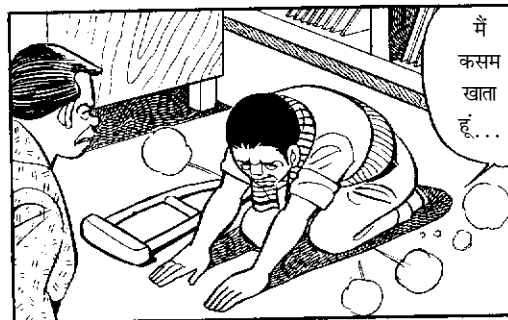


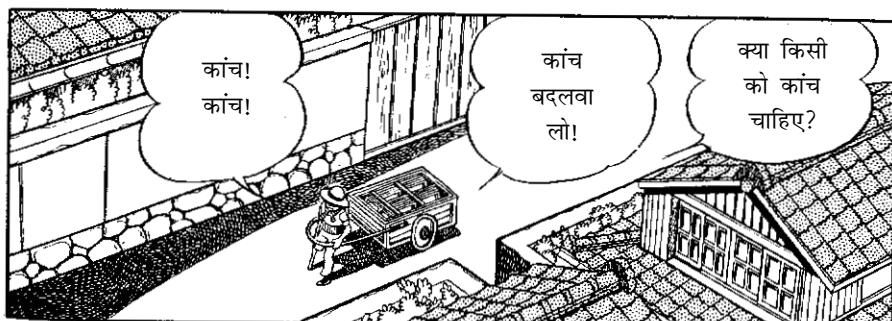
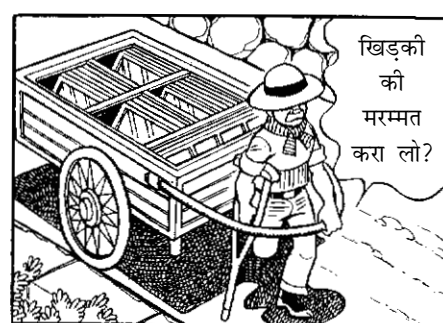


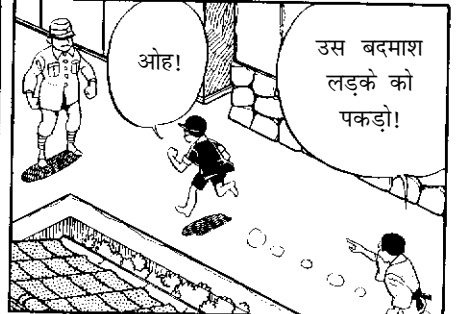
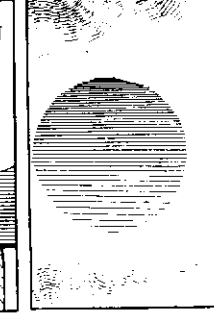
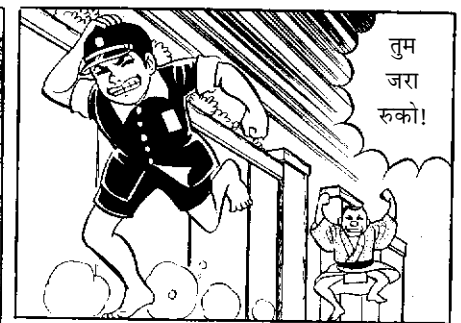
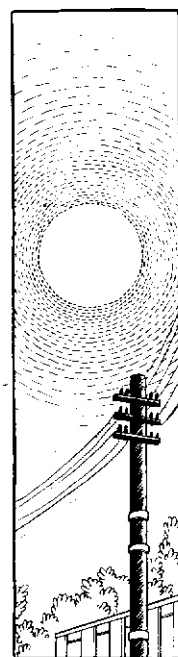
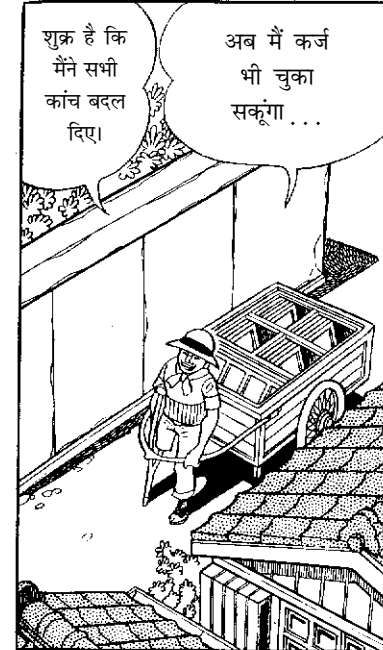
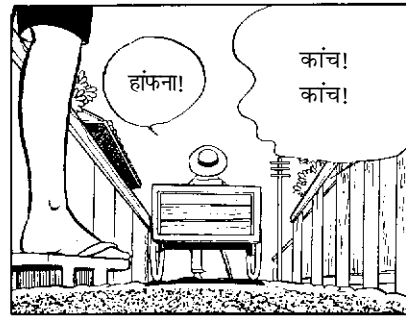




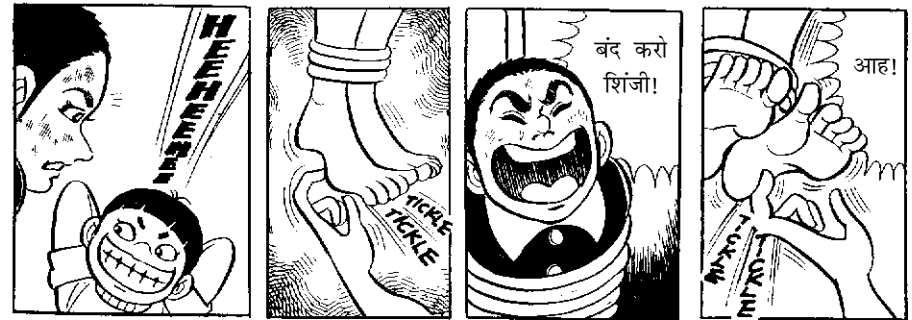
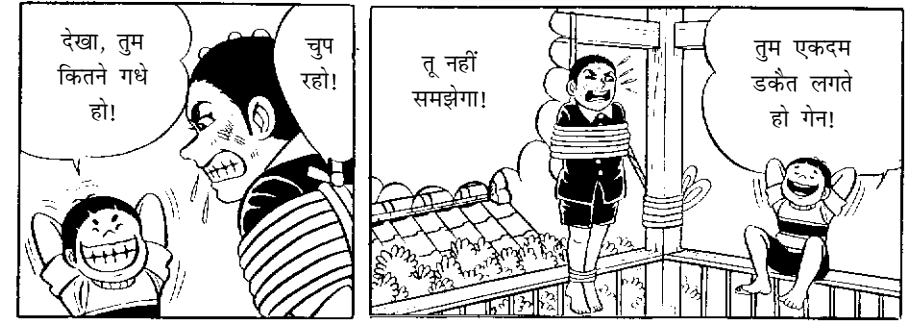


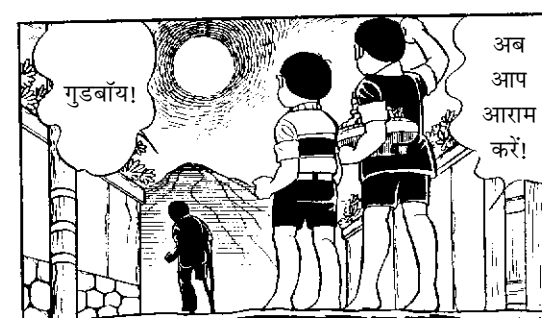
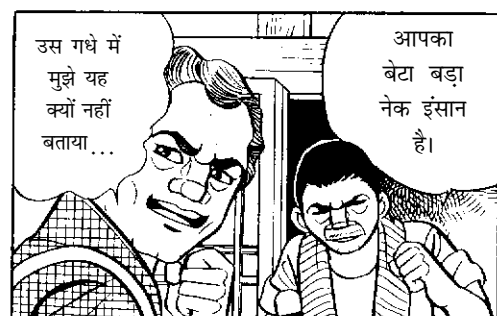
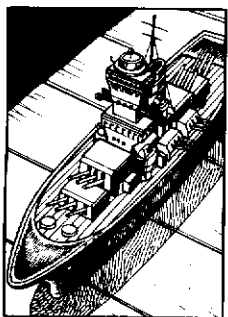
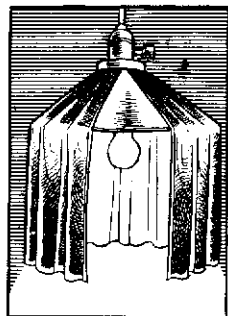


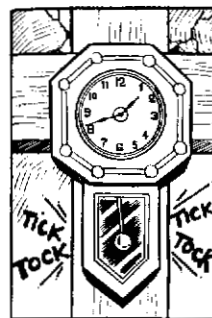
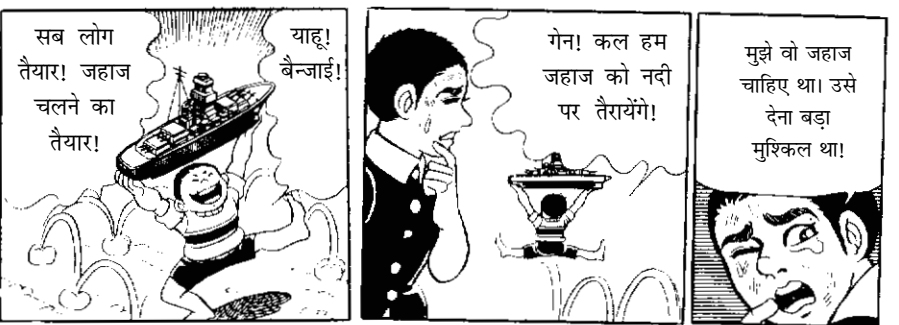
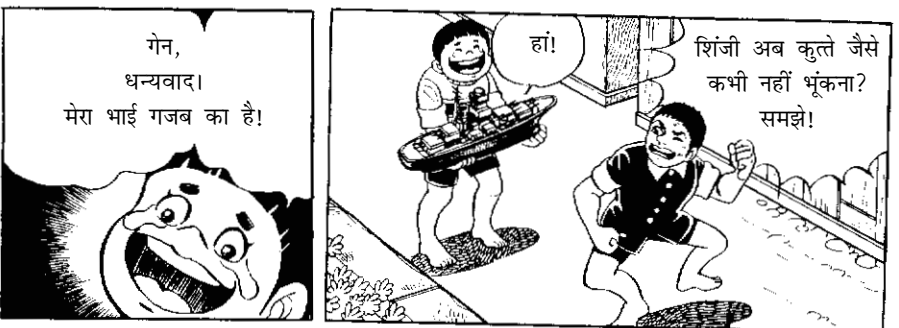






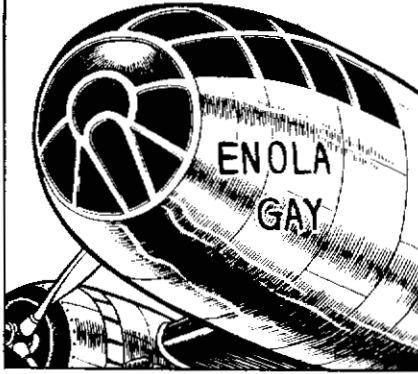




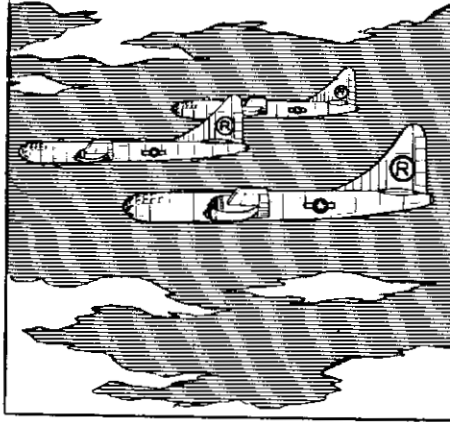


एक जहाज 'इनोला गे' का नाम
पॉयलेट की मां पर रखा था। दूसरे
जहाज 'लिटिल बॉय' एंटेम-बम्ब के
साथ उड़ान की तैयारी में था।

इनोला गे

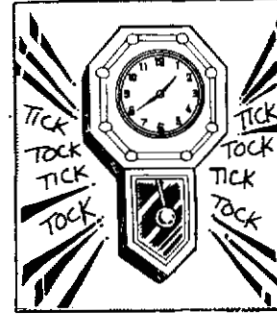


एक बजकर पैंतीस मिनट पर तीन मौसम की
जांच करने वाले जहाजों ने हिरोशिमा की
ओर उड़ान भरी। उन्होंने हिरोशिमा के मौसम
को 'आदर्श' बताया और फिर हिरोशिमा पर
एंटेम-बम्ब गिराने का निर्णय लिया गया।



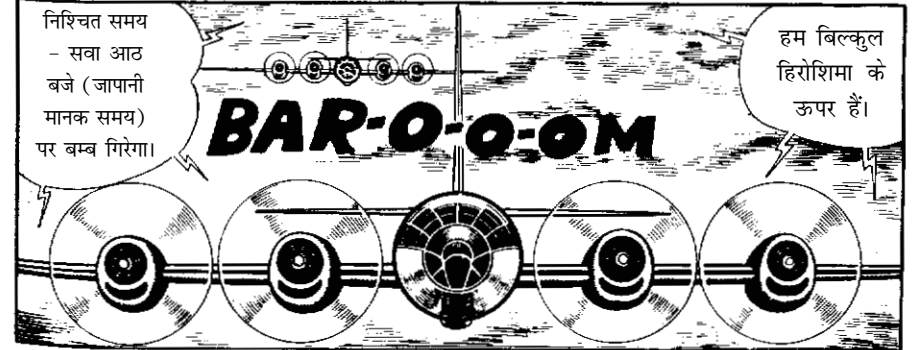
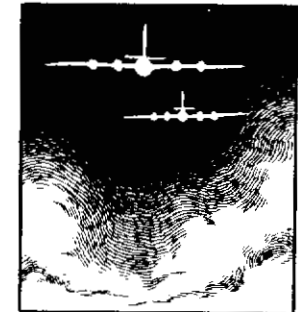
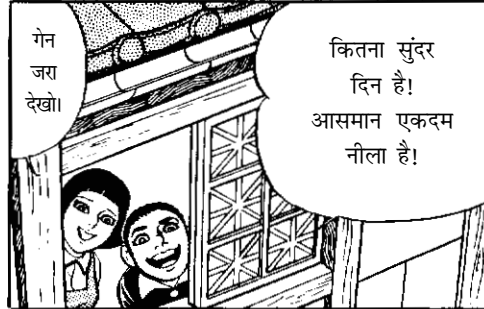
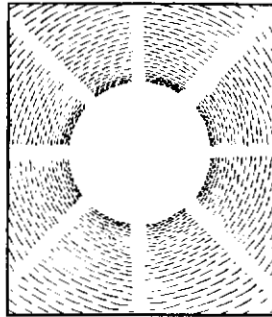
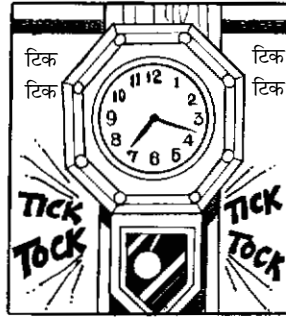
6 अगस्त को सवा नौ
बजे (जापानी समय सवा
आठ) एंटेम-बम्ब गिराने
का निर्णय लिया गया।

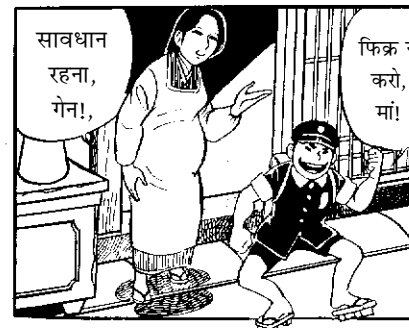
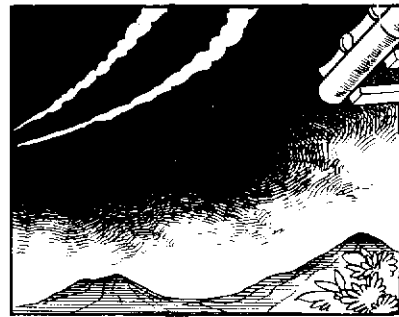
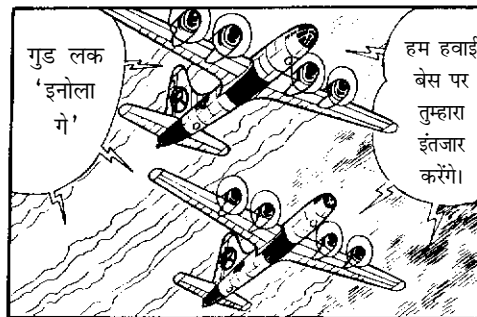
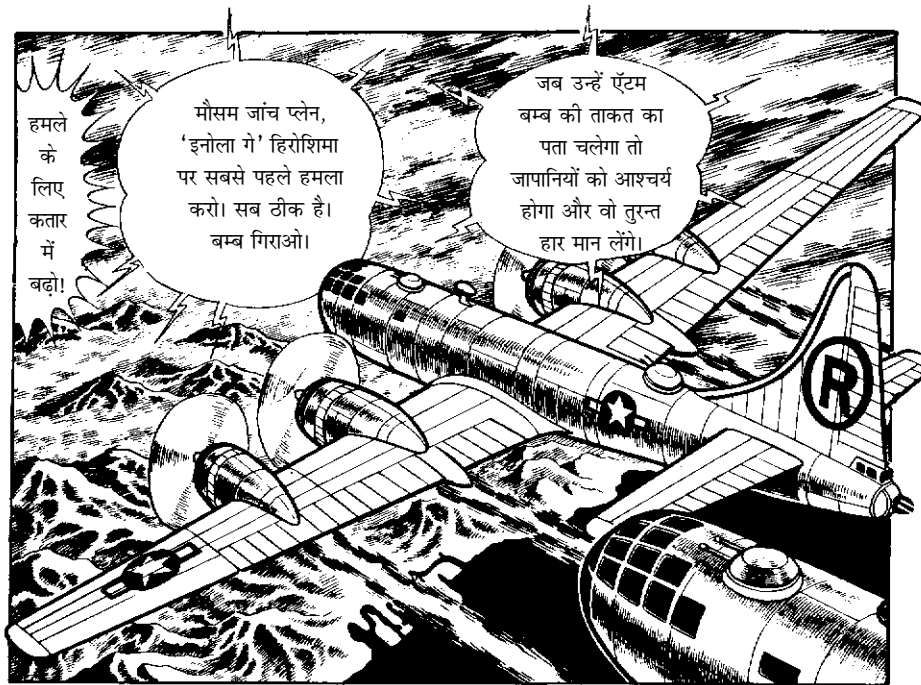
दो पैंतालिस पर 'इनोला गे'
ने दो मौसम की जांच करने
वाले जहाजों के साथ
मारियाना द्वीप से उड़ान भरी।

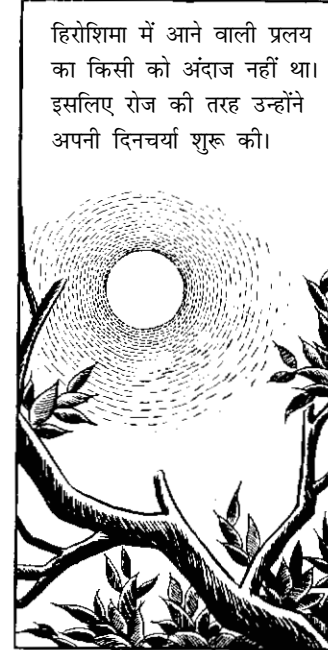
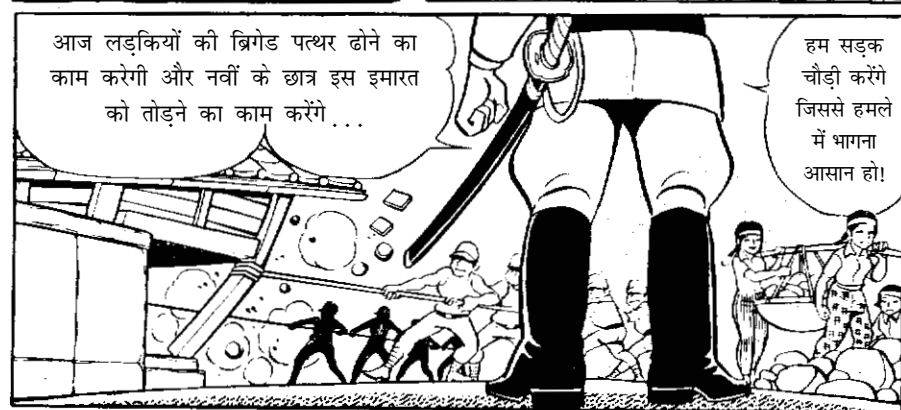
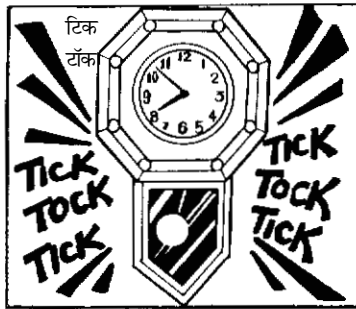


गेन के शहर हिरोशिमा
को एक भयंकर प्रलय
निगलने वाली थी।

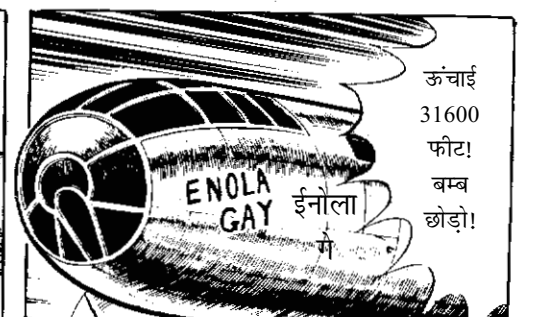


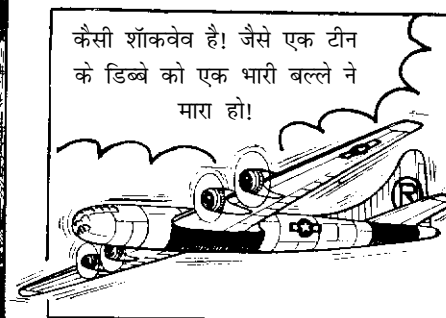
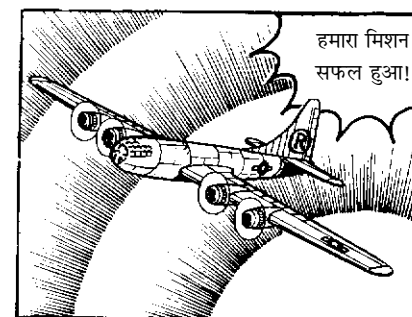
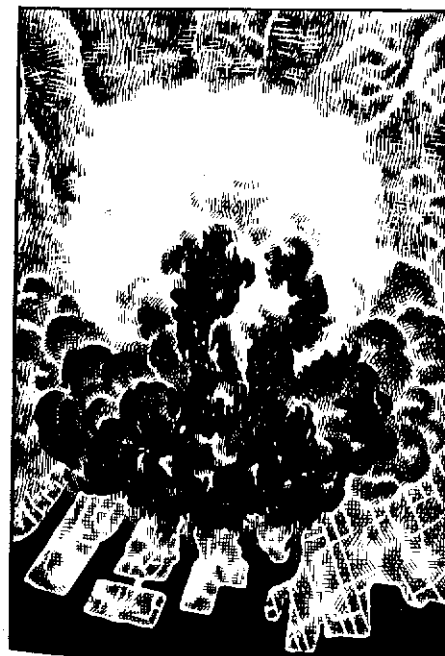
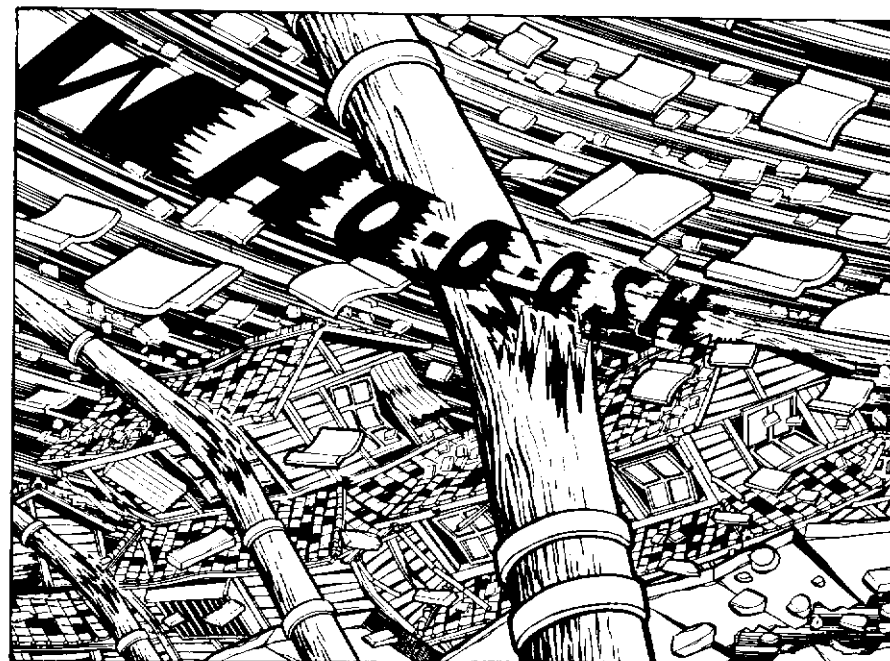
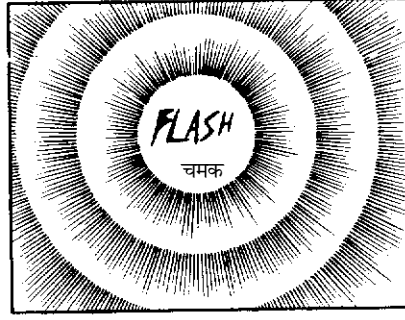
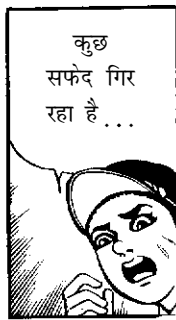
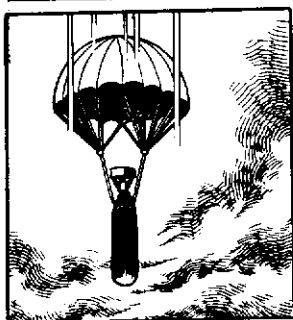
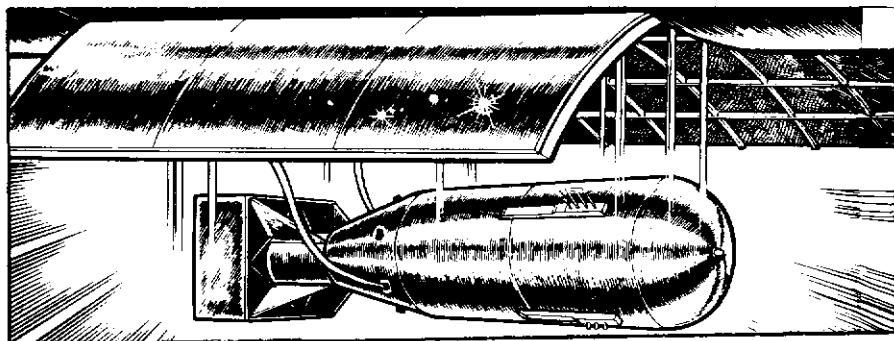






(चित्र: कामीयामा नेशनल प्राथमिक स्कूल)







नरक के तूफान जैसे
एंटम बम्ब का बादल
हिरोशिमा के ऊपर
आसमान में 6 मील
ऊंचाई तक उठा ...



अरे यह क्या?
एकदम स्याह
अंधेरा! काली रात?

यह कैसे
हुआ? मैं तो
स्कूल जा रहा
था ...



कोई चीज जोर से
चमकी। उसके बाद मुझे
कुछ याद नहीं ...

अरे इस
दीवार को
क्या
हुआ?



अरे! जिस महिला के साथ मैं
अभी बात कर रहा था उसकी
चमड़ी को अचानक क्या हो
गया?



बहन??



वो मर
गयी!

मां!!!
मां!



... कोई
आ रहा है!



अरे मिस्टर!
मदद!!
यह महिला
मर गयी है!



सांस!



